4 सितंबर 2025

गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आज क्या रद्द होगा फर्स्ट आइडिया का चयन

3

अब एक ही कैंपस में चलेंगे आंगनवाड़ी और प्राथमिक विद्यालय

- केंद्र सरकार ने जारी किया नया गाइडलाइंस
- बच्चों को शिक्षा और पोषण, दोनों से जोड़ने की तैयारी

एजेंसी। नई दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय ने नई गाइडलाइंस जारी कर दी है। इसके तहत अब आंगनवाड़ी और प्राथमिक विद्यालय के एक ही छत के नीचे चलाए जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि इस कदम से आंगनवाड़ी से स्कूल तक पहुंच बढ़ेगी। इसके साथ ही स्कूल छोड़ने वालों की संख्या में गिरावट आएगी और सीखने के स्तर में सुधार होगा। अब आंगनबाड़ी केंद्रों का माहौल पहले जैसा नहीं होगा। घंटी बजेगी, बच्चे प्रार्थना करेंगे और यूनिफॉर्म पहनकर पढ़ाई करने पहुंचेंगे। सरकार की यह पहल

बच्चों को शिक्षा और पोषण, दोनों से जोड़ने की तैयारी है। दरअसल शिक्षा मंत्रालय ने नई गाइडलाइंस जारी कर दी है। इसके तहत अब आंगनवाड़ी और प्राथमिक स्कूल एक ही कैंपस में चलाए जाएंगे। दिल्ली के विज्ञान भवन में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस बात जानकारी दी है। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी भी मौजूद रहीं। इसका मकसद बच्चों को शुरूआती दौर में शिक्षा से जोड़ना है। इस कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि यह कदम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शिवकसित भारत के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है। अन्नपूर्णा देवी ने आगे कहा कि गर्भवती माताओं, नवजात शिशुओं और प्री-स्कूल बच्चों की देखभाल किए बिना भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता है। उन्होंने उन आंगनवाड़ी कार्यकताओं के लिए एक नए शिक्षण मॉड्यूल का भी प्रस्ताव रखा, जिन्होंने 12वीं कक्षा से आगे पढ़ाई नहीं की है, लेकिन शिक्षा जारी रखने के इच्छुक हैं। अधिकारियों ने कहा कि यह डिजिटल पहल ग्रामीण और अर्ध-शहरी स्कूलों को उन संसाधनों से जोड़ेगी जो पहले शहरों तक ही सीमित थे। भारत में पहली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाली आंगनवाड़ी चल रही है। यह महाराष्ट्र के नागपुर जिले से करीब 18 किमी दूर स्थित है। यह आंगनवाड़ी कई महीनों से चल रही है। यह एआई एप की दुनिया में एक बड़ा क्रान्तिकारी कदम है। सबसे खास बात यह है कि यहां पर 2-6 वर्ष की उम्र के बच्चे सीख रहे हैं। धमना गांव की आंगनवाड़ी में एआई एप के बाद रोजाना आने वाले बच्चों की संख्या 10 से 25 हो गई है। बच्चों की संख्या में दोगुनी बढ़ोतरी हुई है। वहीं, स्मार्टबोर्ड, टैबलेट्स और वर्चुअल रियलिटी जैसे संसाधनों से अब बच्चों की पढ़ाई और ज्यादा मजेदार हो गई है। सरकार अब इस मॉडल को जिले की 40 और आंगनवाड़ियों में लागू करने की योजना बना रही है। शिक्षा मंत्रालय में शिक्षा में एआई एप को बढ़ावा देने पर जोर दिया। शिक्षा मंत्रालय ने अगले तीन वर्षों में लगभग दो लाख निजी और सरकारी हाई स्कूलों तक ब्रॉडबैंड पहुँच का विस्तार करने की योजना बनाई है। एएसईआर और प्रकाश के एक सर्वे में पता चला है कि कुछ क्षेत्रों में ग्रामीण बच्चे शहरी बच्चों के मुकाबले बेहतर नतीजे दे रहे हैं। ऐसे में सरकार ने इसका श्रेय आंगनवाड़ी कार्यकताओं को दिया है। सरकार का मानना है कि यह नई पहल आंगनवाड़ी कार्यकताओं के योगदान पर आधारित होगी। बता दें कि भारत में करीब 15 करोड़ बच्चे प्री-स्कूल और प्राथमिक कक्षाओं में हैं।

असम में सात करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त, पांच गिरफ्तार

एजेंसी। गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि राज्य के कछार जिले में दो अलग-अलग अभियानों के दौरान सात करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं और पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने जिले में दो अभियान चलाकर दो वाहनों से 216 ग्राम हेरोइन एवं 20,000 याबा टैबलेट बरामद कीं तथा वाहनों को भी जब्त कर लिया। सात करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त किए गए। असम पुलिस दृढ़ है। नशीले पदार्थ के लिए कोई जगह नहीं। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं शुरू कर दी गई हैं। देश में याबा टैबलेट पर प्रतिबंध है क्योंकि इनमें मेथामफेटामीन और कैफीन होता है। पुलिस ने इस मामले के संबंध में दो लोगों को भी गिरफ्तार किया है, जिनमें एक महिला कीत्सोसा मोवी और टी.एच. पाओन शामिल हैं। कार्बी आंगलोंग जिले के एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति नगालैंड की ओर से मादक पदार्थ लेकर आये थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि करीब 20 दिन पहले, हमने बोरपाथर इलाके में अवैध ड्रग्स बरामद की थी और उसके बाद से हम गिरोह का पता लगाने में लगे हुए थे। हमने पाओने नाम की एक महिला के बारे में जानकारी जुटाई, जो मूल रूप से मणिपुर के सेनापति जिले की रहने वाली है और आज, हमने उसके पास से 2 किलो से ज्यादा हेरोइन पाउडर बरामद किया है।

निजी हेल्थ इंश्योरेंस पर नहीं देना होगा जीएसटी, छेना-पनीर और ब्रेड पर भी टैक्स खत्म

एजेंसी। नई दिल्ली

जीएसटी काउंसिल की बुधवार को हुई बैठक में आम लोगों को राहत देते हुए बड़ी घोषणाएं की गई हैं जिनमें रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाले सामानों पर लगने वाले टैक्स में भारी कटौती की गई है। निजी हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम सहित कई सामानों को जीएसटी फ्री भी कर दिया गया है। देर रात वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दो जीएसटी स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत का ऐलान करते हुए सस्ते होने वाले सामानों की पूरी लिस्ट जारी की। आइए जानते हैं कि 22 सितंबर के बाद क्या सस्ता होगा और कितना सस्ता होगा।

इन पर कोई जीएसटी नहीं देना होगा

- सभी व्यक्तिगत जीवन बीमा पॉलिसियों पर जीएसटी की छूट, चाहे वह टर्म लाइफ, यूलिप, या एंडोमेंट पॉलिसियां हों।
- अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर दूध, छेना और पनीर
- सभी भारतीय रोटियां। यानी रोटी हो या पराठा, या जो भी हो, उन सब पर जीएसटी शून्य हो जाएगा।

क्या होंगे सस्ते

- नमकीन, भुजिया, सॉस, पास्ता, इंस्टेंट नूडल्स, चॉकलेट, कॉफी, संरक्षित मांस, कॉर्नफ्लेक्स, मक्खन, घी, ये सभी 5% के दायरे में हैं।
- 350 सीसी या उससे कम क्षमता वाली छोटी कारों और मोटरसाइकिलों पर जीएसटी 28% से घटाकर 18% कर दिया गया है।
- बसों, ट्रकों और एम्बुलेंस पर जीएसटी 28% से घटाकर 18% कर दिया गया है।
- सभी ऑटो पार्ट्स पर 18% की एक समान दर लागू की गई है। तिपहिया वाहनों पर 28% से घटाकर 18% कर दिया गया है।
- एंबुलेंस
- फैक्ट्री-फिटेड एंबुलेंस पर अब जीएसटी 28% से घटाकर 18% कर दिया गया है। इससे अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवाओं को सस्ती एंबुलेंस उपलब्ध हो सकेगी।
- छोटे डीजल वाहन
- इंजन क्षमता 1500 सीसी तक और लंबाई 4000 मिमी से कम वाली डीजल कारों पर अब जीएसटी 28% से घटाकर 18% कर दिया गया है।
- थ्री-व्हीलर वाहन
- तीन पहियों वाले वाहन अब 18% जीएसटी स्लैब में आएंगे, पहले इन पर 28% टैक्स लगता था।
- एयर कंडीशनर
- घरेलू और अन्य एसी मशीनों पर अब टैक्स 28% से घटकर 18% हो गया है। इससे एसी की कीमतों में कमी आने की उम्मीद है।
- डिशवॉशर
- घरेलू और अन्य डिशवॉशिंग मशीनों पर जीएसटी अब 18% लगेगा। पहले यह 28% था।
- टेलीविजन, मॉनिटर, प्रोजेक्टर, सेट-टॉप बॉक्स
- इन सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर भी जीएसटी 28% से घटाकर 18% कर दिया गया है, जिससे ये उत्पाद उपभोक्ताओं के लिए और अधिक सस्ते हो जाएंगे।

1500 करोड़ की योजना को मंजूरी, ई-वेस्ट से निकाले जाएंगे कीमती खनिज

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई। इसमें कई अहम फैसले लिए गए। इनमें सबसे बड़ा फैसला 1500 करोड़ की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी देना रहा। यह योजना देश में ई-वेस्ट और बैटरी कचरे से कीमती खनिज निकालने की क्षमता विकसित करने के लिए लाई गई है। जिसमें मंत्रिमंडल ने देश में महत्वपूर्ण खनिजों के रिसायक्लिंग को बढ़ावा देने के लिए 1,500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है, यह योजना वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक छह वर्षों की अवधि के लिए लागू रहेगी। यह महत्वपूर्ण खनिजों के निष्कर्षण के लिए बैटरी अपशिष्ट और ई-कचरे को रिसायकल करने की क्षमता के विकास को प्रोत्साहित करता है। यह योजना नई इकाइयों में निवेश के साथ-साथ मौजूदा इकाइयों के विस्तार, आधुनिकीकरण या विविधीकरण पर भी लागू होगी। प्रति इकाई कुल प्रोत्साहन (कैपेक्स प्लस ओपेक्स सब्सिडी) बड़ी इकाइयों के लिए 50 करोड़ रुपये और छोटी इकाइयों के लिए 25 करोड़ रुपये की समग्र सीमा के अधीन होगा। इस योजना से लगभग 8,000 करोड़ रुपये का निवेश आने तथा लगभग 70,000 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष नौकरियां सृजित होने की उम्मीद है।यह योजना नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन (एनसीएमएम) का हिस्सा है। इसका उद्देश्य भारत में ऐसे खनिजों की घरेलू आपूर्ति बढ़ाना और सप्लाई चेन को मजबूत बनाना है, जिनका इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरियों और अन्य हाई-टेक उद्योगों में होता है। वर्तमान में इन खनिजों की खदानें तैयार होने और उत्पादन शुरू करने में कई साल लगते हैं। ऐसे में ई-वेस्ट और बैटरी कचरे की रीसाइक्लिंग के जरिए इन्हें हासिल करना फिलहाल सबसे व्यावहारिक तरीका है। रिसायक्लिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले कच्चा माल में ई-वेस्ट (इलेक्ट्रॉनिक कचरा), लिथियम आयन बैटरी (एलआईबी) स्क्रैप, पुराने वाहनों के कैटेलिटिक कन्वर्टर्स और अन्य स्क्रैप शामिल होंगे। इसका फायदा बड़े उद्योगपतियों से लेकर छोटे उद्यमियों और स्टार्टअप्स तक को मिलेगा।

हड़ताल पर रहे हजारों सर्वे कर्मियों की सेवा समाप्त, अब होगी नई बहाली

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने सख्त कदम उठाते हुए हड़ताल पर बैठे विशेष सर्वे संविदा कर्मियों की सेवा समाप्त कर दी है। 3295 कर्मी ड्यूटी पर लौटे, अब शेष पदों पर नई बहाली होगी। मिली जानकारी के अनुसार भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय ने स्पष्ट किया कि बार-बार की गई अपील और चेतावनी के बावजूद बड़ी संख्या में कर्मी ड्यूटी पर वापस नहीं लौटे। जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। भू अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय द्वारा पूर्व में प्रकाशित सूचना के माध्यम से हड़ताल, धरना प्रदर्शन कर रहे विशेष सर्वे संविदा कर्मियों से कर्तव्य पर वापस लौटने की अपील समाचार पत्रों, विभाग के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स एवं निदेशालय के वेबसाइट के माध्यम से की गई थी। साथ ही इस हेतु पूर्व में दिनांक 30.08.2025 को संध्या 5 बजे तक एवं पुनः एक और अंतिम अवसर देते हुये दिनांक 03.09.2025 की संध्या 5 बजे तक कर्तव्य पर वापस लौटने हेतु अवसर दिया गया था। निर्धारित तिथि एवं समय तक कुल 3295 संविदा कर्मियों द्वारा कर्तव्य पर वापस लौटकर कार्य किया जा रहा है। शेष सभी हड़ताल पर बने हुये संविदा कर्मियों की संविदा भू अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय द्वारा समाप्त कर दी गई है, जिसका आदेश निर्गत किया जा रहा है।

सितंबर की बारिश के लिए आईएमडी का अलर्ट

केरल सरकार ने देश का पहला वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

केरल सरकार ने बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा और उपेक्षा व दुर्व्यवहार जैसी समस्याओं से निपटने के लिए देश का पहला वरिष्ठ नागरिक आयोग गठित किया है। राज्य की उच्च शिक्षा एवं सामाजिक न्याय मंत्री आर. बिंदु ने बताया कि तिरुवनंतपुरम स्थित केरल राज्य वरिष्ठ नागरिक आयोग के अध्यक्ष के रूप में के. सोमारप्रसाद की नियुक्ति की गई है। आयोग के सदस्य के रूप में अमराविला रामकृष्णन, ई. एम.

राधा, केएनके नमबूथिरी और लोप्स मैथ्यू को चुना गया है। मंत्री ने कहा कि आयोग बुजुर्गों को होने वाली बढ़ती परेशानियों- जैसे उपेक्षा, शोषण और अनाथत्व को दूर करने की दिशा में काम करेगा। यह आयोग केरल वरिष्ठ नागरिक आयोग अधिनियम, 2025 के तहत गठित किया गया है, जिसे राज्य विधानसभा ने मार्च में पारित किया था। बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा और उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार जैसे मुद्दों के समाधान के लिए देश का पहला वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है।राज्य की उच्च शिक्षा एवं सामाजिक न्याय मंत्री आर. बिंदु ने बुधवार को एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि के. सोमप्रसाद को तिरुवनंतपुरम स्थित केरल राज्य वरिष्ठ नागरिक आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि अमरविला रामकृष्णन, ई एम राधा, के एन के नंबूथिरी और लोप्स मैथ्यू को आयोग के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। मंत्री ने कहा कि आयोग ह्यबुजुर्गों द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों, जिनमें उपेक्षा, शोषण आदि शामिल है।

नारायणपुर गांव में उमड़ा जनसैलाब, सैन्य सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

शौर्य की मिसाल बने चौसा के वीर पुत्र राजेश चौबे को दी गई अश्रुपूरित विदाई

केटी न्यूज/चौसा

चौसा नगर पंचायत के नारायणपुर गांव में बुधवार को तिरंगे में लिपटा वीर सपूत, सीआरपीएफ जवान राजेश चौबे (35) जब अपने गांव पहुंचा, तो पूरा माहौल गमगीन हो उठा। लेकिन साथ ही हर चेहरे पर बेटे की शहादत पर गर्व भी झलक रहा था। इस दौरान नम आंखों से लोगों ने वीर राजेश अमर रहे के नारे लगाए, जबकि अंतिम संस्कार के पहले साथी जवानों ने गॉर्ड ऑफ ऑनर दे अपने साथी को अंतिम विदाई दी।

शव जैसे ही घर के आंगन में पहुंचा, रोने-बिलखने की आवाज गूंज उठी। मां पूनम देवी और पत्नी ब्यूटी चौबे बार-बार बेसुध हो जा रही थीं। मासूम बेटियां कृतिका (4) और इशिका (2), अभी इतनी छोटी हैं कि पिता के खोने का दर्द समझ नहीं पा रहीं, लेकिन उनके भोले सवाल और मासूमियत देख कर हर किसी की आंखें छलक पड़ीं।

भारत माता की जय से गूंजा गांव

गांव की संकरी गलियों में लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सभी अपने प्रिय बेटे को अंतिम विदाई देने पहुंचे। रास्ते भर भारत माता की जय और शहीद राजेश अमर रहें के नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। मानो हर गली, हर कोना उनकी शौर्य गाथा सुना रहा हो। राजेश चौबे की अंतिम यात्रा जनसमुदाय का ऐसा दृश्य थी, जिसे देखकर हर किसी के मन में देशभक्ति का ज्वार उमड़ आया। ग्रामीणों ने कहा कि आज नारायणपुर ने अपना सच्चा लाल खो दिया है। राजेश का बलिदान गांव ही नहीं, पूरे बक्सर जिले के लिए गर्व की बात है।

बचपन से ही जिम्मेदार और देशभक्त थे राजेश

गांववालों ने बताया कि राजेश बचपन से ही जिम्मेदार और दूसरों की मदद करने वाले थे। स्कूली दिनों से ही उनमें अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की झलक दिखती थी। नौकरी में भर्ती होने के बाद भी जब वे गांव आते, तो हमेशा परिवार और समाज के लिए समय निकालते थे। उनकी वीरगति प्राप्त करने से पूरा क्षेत्र शोकाकुल है। ग्रामीणों का कहना है कि देशसेवा राजेश का सपना था, उसका मानना था कि देश की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। आज उनकी शहादत ने इस विचार को साकार कर दिया।

गर्व और गम का संगम

राजेश की विदाई ने जहां गांव को अश्रुपूरित कर दिया, वहीं उनकी शहादत ने हर किसी के मन में गर्व का अहसास भी जगाया। अब नारायणपुर गांव का हर बच्चा यह कह सकता है कि उसने अपने बीच से एक सच्चा वीर देखा है, जो देश की मिट्टी पर कुर्बान हो गया।

छोटे भाई ने दी मुखाग्नि

चौसा श्मशान घाट पर पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। सीआरपीएफ के जवानों ने सलामी देकर शहीद को अंतिम विदाई दी। छोटे भाई मुकेश चौबे ने नम आंखों से अपने बड़े भाई को मुखाग्नि दी। उस क्षण वहां मौजूद हर व्यक्ति स्तब्ध और भावुक था।

बुधवार को प्रशासनिक तैयारियों से लेकर कार्यकताओं के उत्साह तक, पूरे क्षेत्र में दिखा हलचल

छह को राजपुर आएंगे सीएम नीतीश कुमार तैयारी तेज, चाक चौबंद रहेगी सुरक्षा व्यवस्था

- एनडीए कार्यकताओं को संबोधित करने के साथ ही कई योजनाओं की सौगात देंगे मुख्यमंत्री

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर में 6 सितंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री का कार्यक्रम केवल एक राजनैतिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रशासनिक और सामाजिक दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। बुधवार को जिला प्रशासन ने समीक्षा बैठक कर पूरी तैयारी का खाका खींचा। जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सुरक्षा, यातायात, सफाई और विभागीय प्रदर्शन तक हर बिंदु पर गंभीर चर्चा की गई। सीएम का हेलीकॉप्टर देवढ़िया पंचायत के सैंथू पोखरा के पास बने हेलीपैड पर उतरेगा। यहां से वे सीधे मध्य विद्यालय खेल मैदान जाएंगे। इस मार्ग पर पड़ने वाले सभी सरकारी भवनों की मरम्मत व रंगाई-पुताई की व्यवस्था की जा रही है, यह काम युद्ध स्तर पर चल रहा है।

डीएम ने निर्देश दिया है कि ऊंचे मकानों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष सुरक्षा बल तैनात रहेंगे। कार्यक्रम स्थल और आसपास किसी भी तरह की सुरक्षा चूक न हो, इसके लिए एसपी शुभम आर्य ने पुलिस पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं।

विभागीय योजनाओं का होगा प्रदर्शन

सीएम केवल औपचारिक भाषण तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण भी करेंगे। सीएम के आगमन के दौरान जीविका दीदियों के स्टॉल पर महिला समूह अपनी उपलब्धियां प्रदर्शित करेंगी। इसके अलावे स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और जीविका मिशन सहित कई विभाग अपनी-अपनी योजनाओं का प्रदर्शन करेंगे। इसकों लेकर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को साफ निर्देश दिया है कि योजनाओं की गुणवत्ता और प्रस्तुति बेहतर होनी चाहिए।

सफाई और स्वच्छता पर विशेष जोर

कार्यक्रम की तैयारी में सबसे अहम जिम्मेदारी स्वच्छता कर्मियों को सौंपी गई है। खेल मैदान, हेलीपैड और नायरा पेट्रोल पंप परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसके अलावे उनके कार्यक्रम क्षेत्र वाले गांवों में नालों की सफाई, जलनिकासी की व्यवस्था, चूना छिड़काव और कचरे का नियमित उठाव सुनिश्चित किया जा रहा है। प्रशासनिक सूत्रों की माने तो पार्किंग स्थल से लेकर सीएम के रूट तक स्वच्छ और व्यवस्थित माहौल तैयार करने की योजना है।

एनडीए कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे सीएम

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह दौरा केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि राजनैतिक रंग से भी जुड़ा है। नायरा पेट्रोल पंप परिसर में वे एनडीए कार्यकताओं से संवाद करेंगे। पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला ने जानकारी दी कि इस संवाद में एनडीए के सभी घटक दलों के कार्यकर्ता शामिल होंगे। कार्यकताओं के बीच संवाद का उद्देश्य संगठनात्मक मजबूती और योजनाओं की जानकारी साझा करना बताया जा रहा है। वहीं, इसे आगामी विस चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

यातायात व्यवस्था होगी दुरुस्त

सीएम के दौरे के दिन सबसे बड़ी चुनौती जाम से बचाव होगी। एसपी शुभम आर्य ने कहा कि जाम की आशंका वाले स्थानों को पहले से चिन्हित कर लिया गया है। वैकल्पिक मार्ग और यातायात नियंत्रण के लिए पुलिसकर्मियों की पर्याप्त तैनाती होगी। सीएम के रूट पर सुरक्षा और ट्रैफिक दोनों की व्यवस्था सख्ती से लागू की जाएगी।

योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन

पूर्व मंत्री निराला ने बताया कि मुख्यमंत्री इस दौरे में कई योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। हालांकि किन-किन योजनाओं का शुभारंभ होगा, इसकी सूची अभी अंतिम रूप में नहीं आई है, लेकिन उम्मीद है कि शिक्षा, सड़क और ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अधिकारियों की सक्रियता और तालमेल

डीएम से लेकर बीडीओ, सीओ और विभागीय अधिकारियों तक सभी को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। बैठक में डीडीसी आकाश चौधरी, एसडीएम अविनाश कुमार, डीसीएलआर शशिभूषण, बीडीओ सिद्धार्थ कुमार, सीओ डॉ. शोभा कुमारी समेत जिले के लगभग सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।डीएम ने स्पष्ट कहा कि सभी विभागों को आपसी तालमेल के साथ काम करना होगा।

प्रशासन और जनता की साझा तैयारी

सीएम का यह दौरा केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जिले की जनता के लिए उम्मीदों का मंच भी बन रहा है। जीविका दीदियों को अपनी पहचान दिखाने का मौका मिलेगा। आम नागरिक भी स्वच्छता अभियान का प्रत्यक्ष प्रभाव देखेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन से चुनाव पूर्व एनडीए कार्यकताओं को संगठनात्मक दिशा मिलेगी। इससे साफ है कि यह दौरा बहुआयामी महत्व रखता है।

बीडीओ ने बीएलओ के साथ की समीक्षा बैठक, मतदाता सूची सुधार पर दिया जोर

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रशिक्षु बीडीओ लवकुश कुमार की अध्यक्षता में बीएलओ के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें मृत मतदाताओं का नाम हटाने, दोहरी प्रविष्टि सुधारने, 18 वर्ष पूरा कर चुके नए मतदाताओं का नाम जोड़ने एवं अन्य त्रुटियों को दूर करने पर विशेष जोर दिया गया।बीडीओ ने कहा कि जिनकी उम्र 18 वर्ष पूरी हो चुकी है, उनका नाम हर हाल में मतदाता सूची से जुड़ना चाहिए। इसके लिए प्रपत्र 6, 7 और 8 का सही ढंग से उपयोग करने का निर्देश दिया गया। जिला से प्राप्त इनवेलिड गृह संख्या, प्रपत्र 13 व 14 की फाइलिंग सहित नए बीएलओ के योगदान पर भी चर्चा हुई।बैठक में बताया गया कि 208 बूथ के बीएलओ अनवर हुसैन के सेवानिवृत्त होने के बाद चंदन कुमार को धेनुवाडीह का बीएलओ बनाया गया है। वहीं, निर्मल कुमार के निधन के उपरांत 209 बूथ पर ददन सिंह को दायित्व सौंपा गया। इसी तरह 221 बूथ पर मिथिलेश कुमार के स्थानांतरण के बाद जितेंद्र कुमार और 217 बूथ पर नीतू शर्मा की जगह मिथिलेश कुमार को बीएलओ नियुक्त किया गया है। इसके अलावा 105 पैक्स गोदाम के बीएलओ सुनील कुमार की जगह सुनील कुमार टोला सेवक को दायित्व मिला। बीडीओ ने सभी बीएलओ को निर्देश दिया कि वे पारदर्शिता और गंभीरता के साथ काम करें, बीएलओ की भूमिका मतदाता जागरूकता और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

डुमरांव में बढ़ा मच्छरों का प्रकोप, फॉगिंग नाकाफी

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर में इन दिनों मच्छरों की तादात तेजी से बढ़ गई है। आलम यह है कि शाम होते ही लोग मच्छरों के आतंक से परेशान हो जाते हैं। नगर परिषद द्वारा फॉगिंग की व्यवस्था की गई है, लेकिन वह नाकाफी साबित हो रही है। कई मोहल्लों में तो फॉगिंग की गाड़ी पहुंची ही नहीं, जबकि जहां पहुंची भी वहां उसका असर कुछ घंटों से अधिक नहीं टिक पाया। स्थिति यह है कि लोगों को रातभर मच्छरों से जूझना पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मच्छरों के बढ़ने से डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। नगरवासियों ने मांग की है कि नियमित अंतराल पर पूरे नगर में प्रभावी ढंग से फॉगिंग कराई जाए और नालियों व गंदगी की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए।

डुमरांव नगर की जर्जर सड़कों और जाम नालों पर उठी आवाज

- वंदना भगत ने मंत्री और एसडीएम को सौंपा मांग पत्र, नगरवासियों की दशकों पुरानी समस्याओं का समाधान करने की अपील

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर की बदहाल सड़कों और बरसों से अटकी नालों की सफाई की समस्या एक बार फिर सुर्खियों में है। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता वंदना भगत ने नगर के विकास और स्वच्छता को लेकर डुमरांव अनुमंडलाधिकारी (एसडीएम) राकेश कुमार से मुलाकात की और उन्हें एक विस्तृत मांग पत्र सौंपा। इसमें नगर की प्रमुख सड़कों पर हो रही अनियमितताओं और लगभग पचास वर्षों से साफ न किए गए केंद्रीय नाले की दुर्दशा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया।

मांग पत्र में कहा गया है कि बैंक ऑफ बड़ौदा से लेकर टीचर ट्रेनिंग महाविद्यालय तक पक्की नाली का निर्माण अब तक अधूरा है। इसी तरह स्टेशन रोड पर विष्णु भगवान मंदिर से लेकर महाविद्यालय तक ऊंची पटरियों की मिट्टी काटकर उन्हें सड़क से नीचे करने की जरूरत बताई गई है। नगर के विभिन्न हिस्सों

पुलिया और केंद्रीय नाले की सफाई की मांग

मांग पत्र में नया थाना के सामने नया तालाब पथ के अंतर्गत भारत माता मंदिर के पास पुलिया निर्माण की मांग की गई है, ताकि जल निकासी सुचारू हो सके। इसके साथ ही, पुराने नगर परिषद भवन के बगल से बहने वाले नाले की सफाई अंतिम छोर तक कराने की बात रखी गई। टीचर ट्रेनिंग महाविद्यालय के समीप स्थित पुलियों की सफाई और दक्षिण टोला होते हुए छठिया पोखरा तक केंद्रीय नाले की साफ-सफाई को प्राथमिकता देने की अपील की गई है।

मंत्री को भी भेजा गया पत्र

वंदना भगत ने केवल एसडीएम को ही नहीं, बल्कि शहरी विकास एवं आवास मंत्री (बिहार सरकार) जीवेश मिश्र को भी अपना मांग पत्र सौंप डुमरांव नगर की समस्याओं से अवगत कराया। पत्र में एनएच-120 के अंतर्गत भोजपुर-बिक्रमगंज मार्ग पर डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों में बरती जा रही अनियमितताओं का जिक्र किया गया है। वंदना भगत का कहना है कि यदि इन मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई की जाए, तो नगर को लंबे समय से झेल रही जलजमाव और गंदगी की समस्या से राहत मिल सकेगी। नगरवासियों को अब उम्मीद है कि स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकार मिलकर इन समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाएंगे।

एक नजर

नावानगर में उर्वरक समिति की बैठक कालाबाजारी रोकने पर जोर

नावानगर। प्रखंड प्रमुख कार्यालय के सभागार में बुधवार को उर्वरक समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख अंकित कुमार ने की, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रखंड अध्यक्षों ने हिस्सा लिया।बैठक में प्रखंड प्रमुख ने प्रशिक्षु प्रखंड कृषि पदाधिकारी से जानकारी लेते हुए कहा कि यूरिया खाद किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर ही उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने बीएओ को निर्देश दिया कि क्षेत्र के सभी खाद विक्रेताओं को इस नियम का पालन करना होगा। प्रमुख ने खाद विक्रेताओं के पास स्टॉक सूची उपलब्ध कराने की मांग की। इस पर बीएओ ने बताया कि प्रखंड स्तर पर सूची उपलब्ध नहीं होती, बल्कि इसकी जानकारी जिला कृषि विभाग में रहती है। इस पर प्रखंड प्रमुख ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर भी सूची होनी चाहिए, ताकि उर्वरक की कालाबाजारी पर रोक लगाई जा सके। उन्होंने कहा कि आगामी जिला दिशा समिति की बैठक में बक्सर लोकसभा सांसद और जिला स्तरीय अधिकारियों के समक्ष प्रखंड स्तर पर उर्वरक स्टॉक सूची, क्रय-विक्रय की पारदर्शी व्यवस्था और खाद दुकानों की नियमित जांच की मांग रखी जाएगी। बैठक में इसके अलावा कई अन्य प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई।

वैना गांव में पुलिस की छापेमारी, देशी कट्टा के साथ युवक गिरफ्तार

नावानगर। सोनवर्षा थानाध्यक्ष नवीन कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने बुधवार को वैना गांव में छापेमारी कर एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि गांव निवासी सोनू कुमार, पिता संजय यादव, अपने घर में देशी कट्टा छुपाकर रखा है।सूचना के आधार पर पुलिस दल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। इस दौरान सोनू कुमार को देशी कट्टा के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार युवक से पूछताछ की गई, जिसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि अवैध हथियार रखने और उसके उपयोग को लेकर प्रशासन सख्त है। इस तरह की कार्रवाई से अपराधियों में दहशत का माहौल है तथा कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

11 सितंबर को होगी हंगामेदार नप की बैठक सात एजेंडों पर होगी बहश

डुमरांव । डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र में सोमवार को कार्यकारी सभापति विकास ठाकुर की अध्यक्षता में बोर्ड की बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में सात महत्वपूर्ण एजेंडों पर चर्चा की जाएगी। प्रमुख मुद्दों में होल्डिंग टैक्स और प्रत्येक वार्ड का डिमांड बुक खोलने का प्रस्ताव शामिल है। इसके साथ ही शहर में महिला एवं पुरुषों के लिए सार्वजनिक युरिनल के निर्माण पर विचार किया जाएगा। सभी वार्ड पार्षदों के लिए उनके-अपने वार्ड में ही कार्यालय के निर्माण पर भी चर्चा होगी। बैठक में फुटपाथी दुकानदारों की समस्या और समाधान की दिशा में सकरात्मक कदम उठाना भी शामिल है। इसके अलावा नगर की अन्य विकास योजनाओं और जनहित से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरुण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

सभी विभागों के कार्यपालक सहायकों ने अपनी जायज मांगों की अनदेखी पर नाराजगी जताते हुए कार्यालय में काला बिल्ला लगाकर काम किया

कार्यपालक सहायकों ने काला बिल्ला लगा जताया विरोध, मांगे पूरी न होने पर करेंगे आंदोलन तेज

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार राज्य कार्यपालक सहायक सेवा संघ के आह्वान पर बुधवार को बक्सर जिले में कार्यपालक सहायकों ने सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान सभी विभागों के कार्यपालक सहायकों ने अपनी जायज मांगों की अनदेखी पर नाराजगी जताते हुए कार्यालय में काला बिल्ला लगाकर काम किया। जिला सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि कार्यपालक सहायक सभी विभागों में पूरी ईमानदारी और निष्ठा से काम करते हैं। इसके बावजूद सरकार उनकी समस्याओं और मांगों पर गंभीर नहीं है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समय रहते उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो विरोध प्रदर्शन को और तेज किया जाएगा। सरकार का यह वैया हतोत्साहित करने वाला है। उन्होंने कहा कि कार्यपालक सहायकों की अनदेखी अब और बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सामूहिक भागीदारी से बढ़ा आंदोलन का स्वर

बक्सर अनुमंडल कार्यालय से प्रमोद कुमार सिंह, अक्षय कुमार, बबलू कुमार, दिलीप कुमार, राजकिशोर, जितेंद्र कुमार और श्रवण कुमार समेत कई कार्यपालक सहायक इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। वहीं, राजपुर प्रखंड से जिला सचिव राजेश कुमार सिंह के साथ प्रभात कुमार, अमीरुलहक अंसारी, रवनित कुमार और बबिता कुमारी ने भी भागीदारी निभाई। सभी ने एकजुट होकर सरकार की उदासीनता पर सवाल उठाए और आवाज बुलंद की।

समस्याओं का समाधान ही एकमात्र रास्ता

कार्यपालक सहायकों ने कहा कि उनकी मांगें वर्षों से लंबित हैं, जिनमें सेवा की स्थायित्व, वेतन विसंगति का निवारण और पदस्थापन से जुड़ी समस्याओं का हल प्रमुख हैं। लेकिन सरकार ने अब तक इन मुद्दों पर सकारात्मक पहल नहीं की है। आंदोलनकारियों ने दोहराया कि जब तक हमारी समस्याओं का समाधान नहीं होता, विरोध प्रदर्शन लगातार जारी रहेगा। काला बिल्ला लगाकर काम करने का यह शांतिपूर्ण विरोध सरकार को उनकी अनदेखी का एहसास कराने के लिए था। कर्मचारियों का कहना है कि यह तो केवल चेतावनी है। यदि सरकार ने जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए, तो वे आंदोलन को और व्यापक स्वरूप देंगे। बक्सर जिले में हुए इस विरोध प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया कि कार्यपालक सहायकों का सब्र अब टूट रहा है और वे अपने हक की लड़ाई के लिए हर स्तर तक जाने को तैयार हैं।

दहेज और अवैध संबंध का विरोध करने पर नवविवाहिता को मारपीट कर निकाला, मायके में रह रही पीड़िता

बक्सर। बक्सर जिले की एक नवविवाहिता ने ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न और मारपीट का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता सोनी कुमारी (24 वर्ष), पिता संजय वर्मा, निवासी अरियाव, थाना कृष्णाब्रहम, बक्सर ने बताया कि उसकी शादी 23 अप्रैल 2024 को वाराणसी निवासी विष्णु सेठ, पिता सचितानन्द वर्मा से हुई थी। शादी के बाद कुछ समय तक सबकुछ ठीक रहा, लेकिन बाद में पति व ससुराल पक्ष ने दहेज में 1 लाख नगद, सोने की सिकड़ी, प्लांग और मोटरसाइकिल की मांग शुरू कर दी। पीड़िता का आरोप है कि पति विष्णु सेठ का अपनी भाभी गीता देवी से नाजायज संबंध है। विरोध करने पर उसे गाली-गलौज और मारपीट का सामना करना पड़ा। 29 जून 2024 की रात करीब 10:30 बजे उसके गहने छीनकर घर से निकाल दिया गया। तबसे वह अपनी 5 माह की बच्ची के साथ मायके में रह रही है।सोनी कुमारी ने पति, सास, जेठानी और ननदों पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

एक नजर

कृषि को आधुनिकीकरण की तरफ ले जाने और किसानों कृषि यंत्र उपलब्ध कराने को लेकर विभाग प्रयासरत

केटी न्यूज/डुमरांव

कृषि विभाग किसानों की सहायता करने के लिये हरकदत पर प्रयासरत है। इसी कड़ी में विभाग द्वारा चलाई जा रही कस्टम हायरिंग सेंटर योजना किसानों के लिए सहारा बन रही है। डुमरांव प्रखंड के कंझरुआ पंचायत के हरनीचट्टी गांव के प्रगतिशील किसान मुकेश कुमार मिश्र को इस योजना का लाभ मिला है। बुधवार को कृषि पदाधिकारी विशाल गैंगवार ने इस सेंटर का निरीक्षण किया। कृषि पदाधिकारी ने बताया कि कस्टम हायरिंग सेंटर योजना के तहत प्रगतिशील कृषक, कृषि उद्यमी व समूह को दस लाख रुपये की परियोजना लागत पर सेंटर की स्थापना की जा रही है। इसके लिए सरकार की ओर से 40 प्रतिशत या अधिकतम चार लाख रुपये तक का अनुदान दिया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कंझरुआ पंचायत को यह लाभ दिया गया था। वहीं वर्ष 2025-26 के लिए चयन प्रक्रिया पटना स्थित कृषि निदेशालय में लॉटरी द्वारा होगी। इसमें जीविका स्वयं सहायता समूहों और उनसे जुड़े परिवारों को प्राथमिकता दी जाएगी।

छोटे व सीमांत किसानों को मिलेगा इसका पूरा लाभ : कस्टम हायरिंग सेंटर से किसानों को आधुनिक कृषि यंत्र किराये पर आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। छोटे और सीमांत किसान जो महंगे कृषि उपकरण खरीदने में असमर्थ होते हैं, वे यहां से उचित दर पर यंत्र लेकर अपनी खेती को सुचारू रूप से कर सकते हैं। सेंटर पर आमतौर पर 35 से 45 एचपी ट्रैक्टर, जुताई व मिट्टी पलटने के उपकरण, रोटावेटर, सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल, रीपर, थ्रेसर, पावर स्प्रेयर, मक्का डिहस्कर, आलू रोपाई यंत्र, मल्टीक्रॉप जीरो टिल सीड ड्रिल, पावर ट्रिलर, हैप्पी सीडर, मिस्ट ब्लोअर और पंप सेट सहित अन्य उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं। इन सेंटरों का संचालन कैडर के माध्यम से किया जाता है, जिनकी जिम्मेदारी उपकरणों के रखरखाव, मरम्मत, बीमा और किराया वसूली की होती है। बदले में कैडर को मानदेय भी दिया जाता है। कृषि यंत्रों की मासिक समीक्षा और पंजी संधारण भी किया जाता है ताकि उपकरणों की स्थिति और उपलब्धता स्पष्ट रहे।

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आज क्या रद्द होगा फर्स्ट आइडिया का चयन

- दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की तरफ भी लोगों की गड़ी है निगाहें, शिक्षा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार व कथित माफियागिरी के खिलाफ जिलाधिकारी लगा सकते है मास्टर स्ट्रोक

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के शिक्षा विभाग के लिए गुरूवार का दिन महत्वपूर्ण होने वाला है। गुरूवार को जिलाधिकारी शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक करने वाले है। जिलाधिकारी के इस समीक्षा बैठक पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों तथा जिलेवासियों की नजर बनी हुई है। बता दें कि हाल ही शिक्षा विभाग में हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया के चयन, कार्यशैली, विभाग में तथाकथित माफिया अजय सिंह व अरविंद सिंह के खिलाफ कई शिकायतें आई थी। जिसकी जांच अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) गिरिजेश कुमार के नेतृत्व में पूरा कर लिया गया है। जांच में रिपोर्ट में फर्स्ट आइडिया के चयन को नियमविरूद्ध माना गया है तथा यह कहा गया है कि पूर्व की एजेंसी जेकेएसबी को बिना किसी ठोस वजह के हटा पूर्व जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिल कुमार द्विवेदी द्वारा तीन प्रखंडो के लिए फर्स्ट आइडिया का चयन कर लिया गया था। इस चयन में विभागीय नियमों तथा एकरारनामे का ख्याल भी नहीं रखा गया था। वहीं, पूर्व जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार पांडेय अपने कार्यकाल में जिलाधिकारी को पत्र लिख यह बताए थे कि अजय सिंह उनके कार्यालय में आए थे तथा वे खुद को फर्स्ट आइडिया का सहयोगी बता दबाव बना रहे थे। जांच रिपोर्ट के आधार पर गुरूवार को होने वाली समीक्षा बैठक में हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया को चयनमुक्त किया जा रहा है कि नहीं, इस पर लोगों की निगाहे लगी है। इसके अलावे फर्स्ट आइडिया के गलत तरीके से चयन के जिम्मेवार पदाधिकारियों पर क्या कार्रवाई हो रही है, इसको लेकर भी विभाग में उत्सुकता बनी हुई है। गौरतलब हो कि जांच रिपोर्ट आने के बाद भी अबतक जिलाधिकारी ने इस मामले में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया है। ऐसे में माना जा रहा है कि गुरूवार को होने वाली जिलाधिकारी की समीक्षा बैठक कई मायनो में महत्वपूर्ण होने जा रही है। जिसकों ले लोग टकटकी लगाए बैठे है। वहीं, केशव टाइम्स द्वारा शिक्षा विभाग में जड़ जमा चुके भ्रष्टाचार, कथित माफियागिरी तथा सरकारी धन के लूट-खसोट की खबरे प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बाद अब आम शिक्षकों में भी इस बात की उम्मीद जगी है कि जल्दी ही विभाग भ्रष्टाचारमुक्त होगा तथा शिक्षकों को कथित माफियाओं के आतंक से मुक्ति मिलने वाली है। अब गेंद जिलाधिकारी के पाले है। वहीं, जानकारों का कहना है कि गुरूवार को होने वाली बैठक में जिलाधिकारी इस पर अपने फैसले का मास्टर स्ट्रोक लगा सकते है।

शिक्षा विभाग के नये एसीएस से मिल भ्रष्टाचारी अधिकारियों व माफियाओं पर होगी कार्रवाई की मांग

केटी न्यूज/बक्सर

शिक्षा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार, कथित माफियागिरी तथा सरकारी धन के लूट-खसोट, हाउस कीपिंग एजेंसियों के चयन व कार्यशैली में मनमानी के खिलाफ अब जिले के सामाजिक कार्यकर्ता व बुद्धिजीवी मुखर हो गए है। इस मामले में केशव टाइम्स द्वारा लगातार खबर चलाए जाने के बाद अब जिले के बुद्धिजीवियों व सामाजिक कार्यकताओं ने शिक्षा विभाग के नये एसीएस बी. राजेन्द्र से मुलाकात कर बक्सर के शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार तथा कथित माफियागिरी की शिकायत करेंगे तथा यहां के भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई, बिना नियम के चयनित हाउस कीपिंग एजेंसियों को हटाने, उनकी कार्यशैली की जांच तथा दोषी पदाधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की जाएगी। बुद्धिजीवियों ने केशव टाइम्स के इस अभियान की जमकर सराहना की और कहा कि शिक्षा विभाग में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ अपने खबरों से केशव टाइम्स ने शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करा दिया है। अब देखना है कि जिला प्रशासन इस पर क्या कार्रवाई कर रहा है।

मुख्यमंत्री के समक्ष एनडीए कार्यकर्ता उठाएंगे शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार व माफियागिरी का मुद्दा

बक्सर। छह सितंबर को होने वाले मुख्यमंत्री के राजपुर दौरे पर बक्सर के शिक्षा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार, लूट खसोट, अधिकारियों की मनमानी, नियमों की दरकिनारी तथा कथित माफियागिरी की शिकायत एनडीए कार्यकर्ता करेंगे। एनडीए कार्यकता इस मुद्दे को मुख्यमंत्री के समक्ष उठा बक्सर के शिक्षा विभाग में जड़ जमा चुके भ्रष्टाचार व कथित माफिया राज को जड़ से उखाड़ने की मांग करेंगे। जदयू के डुमरांव नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता, जदयू नेता विशोका चंद, बक्सर भाजपा के प्रवक्ता शक्ति राय, भाजयुमो के प्रांतीय नेता दीपक यादव, युवा भाजपा नेता मुखिया सिंह कुशवाहा, भाजपा के विस्तारक संतोष दूबे आदि ने कहा कि बक्सर के शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार व सांसद सहयोगी के नाम पर मची लूट पर विराम लगाने के लिए एनडीए कार्यकर्ता एकजुट हो मुख्यमंत्री के समक्ष यह मुद्दा उठाएंगे तथा केशव टाइम्स द्वारा शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार, कथित माफियागिरी तथा लूट खसोट की सिलसिलेवार चलाई गई खबरों को भी मुख्यमंत्री को दिखा उनसे बड़े स्तर पर कार्रवाई की मांग की जाएगी। भाजपा प्रवक्ता शक्ति राय ने कहा कि शिक्षा जैसे विभाग में भ्रष्टाचार व माफियागिरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं जदयू अध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पूरे बिहार में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिशन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए संसाधनों की कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है, लेकिन भ्रष्ट अधिकारियों व कथित माफियाओं के गठजोड़ से बक्सर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिशन धरातल पर नहीं उतर पा रहा है। जिसकी शिकायत मुख्यमंत्री के समक्ष की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में जांच रिपोर्ट आने के बाद भी अबतक कार्रवाई नहीं होने से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया जाएगा।

ऐतिहासिक होगा मुख्यमंत्री का स्वागत, इस बार शाहाबाद की सभी सीटों सटीक निशाना लगाएगा एनडीए का तीर : विनोद राय

केटी न्यूज/डुमरांव

छह सितंबर को राजपुर आ रहे विकासपुरूष व सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्वागत ऐतिहासिक होगा। एनडीए के सभी घटक दलों के कार्यकताओं में मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर उत्साह कायम है। उक्त बातें जदयू के प्रदेश सचिव विनोद राय ने कही।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का यह दौरा जिले में विकास की गंगा बहाने के साथ ही एनडीए कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाने वाला होगा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार विकास पुरूष के रूप में जाने जाते है। उन्होंने नये बिहार की नींव रखी है। यही कारण है कि बिहार की जनता जाति-पात तथा धर्म से उपर उठकर उनके साथ खड़े रहती है। जदयू नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सभी कार्यकर्ता उत्साहित है तथा उनके ऐतिहासिक स्वागत की तैयारी कर रहे है। जदयू नेता ने कहा कि इस बार शाहाबाद की सभी सीटों पर एनडीए का तीर चलेगा तथा विरोधी चारों खाने चित हो जाएंगे। श्री राय ने कहा कि बिहार की जनता अब जाति-धर्म का नाम लेकर राजनीति करने वालों को सबक सिखाएगी तथा इस बार शाहाबाद की सभी सीटे एनडीए की झोली में डालेगी।

गौरतलब हो कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार छह सितंबर को राजपुर पहुंच रहे है, जहां वे विकास योजनाओं की सौगात देने के साथ ही एनडीए कार्यकताओं को संबोधित करेंगे। उनके इस यात्रा को लेकर एक तरफ जहां विधि-व्यवस्था के मद्देनजर प्रशासनिक तैयारी युद्ध स्तर पर हो रही है, वहीं जदयू कार्यकर्ता भी अपने लोकप्रिय मुख्यमंत्री के स्वागत की तैयारी में जुट गए है। जदयू के प्रदेश सचिव ने बताया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल पर लाखों की भीड़ मौजूद रहेगी।

डुमरांव के दो शिक्षकों को मिलेगा राजकीय शिक्षक सम्मान

- शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और समर्पण की मिसाल बने मो. अस्फाक और अनिता यादव

केटी न्यूज/बक्सर

डुमरांव का नाम एक बार फिर शिक्षा जगत में चमका है। यहां के दो शिक्षकों का चयन प्रतिष्ठित राजकीय शिक्षक सम्मान के लिए हुआ है। चयनित शिक्षकों में सीपीएसएस प्लस टू उच्च विद्यालय, डुमरांव के प्रभारी प्रधानाध्यापक मो. अस्फाक और मध्य विद्यालय नवाडेरा की शिक्षिका अनिता यादव शामिल हैं। इन दोनों को आगामी 5 सितंबर, शिक्षक दिवस के अवसर पर पटना स्थित श्रीकृष्ण मेमोरियल हाल में बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार द्वारा सम्मानित किया जाएगा। शिक्षक सम्मान के लिए पूरे बिहार से कुल 72 शिक्षकों का चयन किया गया है, जिनमें डुमरांव से दो नाम शामिल होना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। इससे पूर्व भी डुमरांव के शिक्षक डॉ. मनीष कुमार शशि को यह सम्मान मिल चुका है। ऐसे में डुमरांव लगातार राज्य स्तर पर अपनी शैक्षिक उपलब्धियों से पहचान बना रहा है।

जिले के लिए गौरव का क्षण

शिक्षक सम्मान के लिए पूरे बिहार से कुल 72 शिक्षकों का चयन किया गया है, जिनमें डुमरांव से दो नाम शामिल होना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। इससे पूर्व भी डुमरांव के शिक्षक डॉ. मनीष कुमार शशि को यह सम्मान मिल चुका है। ऐसे में डुमरांव लगातार राज्य स्तर पर अपनी शैक्षिक उपलब्धियों से पहचान बना रहा है।

योगदान से मिली पहचान

अनिता यादव को साक्षरता अभियान में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए जाना जाता है। ग्रामीण परिवेश में शिक्षा की अलख जगाने और विशेषकर बालिकाओं को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई है। वहीं, मो. अस्फाक ने अपने विद्यालय में आधुनिक शिक्षा पद्धति को अपनाते हुए छात्रों को डिजिटल लर्निंग और नवाचार के माध्यम से नई राह दिखाई। दोनों शिक्षक पहले भी जिला स्तर पर शिक्षा विभाग द्वारा सम्मानित हो चुके हैं।

शारदीय नवरात्र को लेकर प्रखंड में जोर-शोर से तैयारियां, नया बाजार केसठ बनेगा आकर्षण का केंद्र

केटी न्यूज/केसठ

शारदीय नवरात्र की माह शुरू होते ही प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में मां दुर्गा की आराधना की तैयारियां पूरे जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। गांव से लेकर कस्बों तक जगह-जगह पूजा समितियां सक्रिय हो गई हैं। इसी कड़ी में नया बाजार केसठ स्थित नव युवक दुर्गा पूजा समिति ने भी भव्य आयोजन की रूपरेखा तैयार कर ली है।समिति के अध्यक्ष विजय यादव ने बताया कि इस बार का पंडाल और मूर्ति स्थानीय श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण और भव्यता का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि नया बाजार केसठ में इस वर्ष पूजा समिति ने विशेष तैयारी की है। पंडाल को आकर्षक बनाने के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। किसी भी भक्त को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए समिति के सभी सदस्य दिन-रात जुटे हुए हैं। स्थानीय मूर्तिकार आधुनिक तकनीक और कलात्मकता का इस्तेमाल कर मां दुर्गा की प्रतिमा तैयार कर रहे हैं। उनकी मेहनत और कला का नजारा अब धीरे-धीरे प्रतिमा में दिखने लगा है। आसपास के ग्रामीण और नगरवासी प्रतिदिन मूर्तिकारों की इस सृजनशीलता को देखने पहुंच रहे हैं। पंडाल को भी आकर्षक रंगों और लाइटिंग से सजाया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु पूजा के दिनों में आध्यात्मिकता के साथ-साथ सांस्कृतिक भव्यता का अनुभव कर सकें। अध्यक्ष ने बताया कि नवरात्र के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों और भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया जाएगा। साथ ही, श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था, साफ-सफाई और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समिति ने प्रशासन से भी सहयोग का अनुरोध किया है, ताकि पूजा पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।नवरात्र माह के आगमन के साथ ही पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से सराबोर होने लगा है। मां दुर्गा की आराधना को लेकर लोगों में उत्साह और श्रद्धा का विशेष माहौल देखा जा रहा है। इस बार का आयोजन नया बाजार केसठ ही नहीं, बल्कि पूरे प्रखंड के लिए आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है।विदित हो कि 22 सितंबर से शारदीय नवरात्र का शुभारंभ हो रहा है।

130 लिपिक एवं 16 परिचारी अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए

उधोग विभाग के योजनाओं तहत बैंको के साथ हुई समीक्षा बैठक, जारी हुआ सहायता नंबर

एजेंसी। रोहतास

बुधवार को पूर्वाहन 11 बजे जिला उद्योग केंद रोहतास की सभागार में महाप्रबंधक की अध्यक्षता में सभी बैंक पदाधिकारीगण एवं डीआरपी के साथ बैठक आहूत की गयी। जिसमें पीएमईजीपी व पीएमएफएमई एवं प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की समीक्षा की गयी। विदित हो की 2025-26 में पीएमईजीपी का लक्ष्य 70 है जिसके विरुद्ध विभिन्न बैंको द्वारा मात्र 22 आवेदको का ऋण स्वीकृत हुआ है। इस संबंध में महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र रोहतास द्वारा खेद व्यक्त करते हुए सभी बैंको को निर्देश दिया कि वे सितम्बर के अंतिम माह तक लक्ष्य को पूरा करना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार महाप्रबंधक द्वारा योजना की समीक्षा की गयी ' विदित हो की वितीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जारी योजना का लक्ष्य 339 है जिसके विरुद्ध विभिन्न बैंकों द्वारा मात्र 69 ऋण स्वीकृत किये गए है। इस संबध में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, पंजाब नेशनल बैंक द्वारा सभी बैंको को निर्देश दिया गया कि वे एक सप्ताह के अंदर निर्धारित लक्ष्य को पूरा करना सुनिश्चित करें। इस पर विभिन्न बैंको द्वारा अपनी स्वीकारोक्ति व्यक्त की गयी। बैठक में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की भी समीक्षा की गयी। बैंको को निर्देश दिया गया कि जो भी प्रशिक्षण प्राप्त लाभुक बैंको में ऋण हेतु जाते है उनके ऋण आवेदन को शीघ्र निष्पादित करते हुए अधोहस्ताक्षरी को सूचना देना सुनिश्चित करें। जिस योजना से संबंधित अधिक जानकारी हेतु जारी संपर्क नंबर तहत

सासाराम व डेहरी प्रखंड के डीआरपी अरीन कुमार 8486162890, सासाराम,कोचस व करगहर प्रखंड के डीआरपी प्रिंस कुमार नंबर 6205879079,

नोखा,संझौली,नासरीगंज,राजपुर व डेहरी प्रखंड के डीआरपी गौरव कुमार व राज कुमार नंबर 7668688305/6201344301 , बिक्रमगंज, दावथ, सूर्यपुरा व काराकाट प्रखंड के डीआरपी ममता कुमार राय नंबर 9122736538, सासाराम, डेहरी, तिलौथू, 'अकोढ़ीगोला, नौहट्टा व रोहतास प्रखंड के डीआरपी अजय कुमार चौधरी नंबर 6205491476

शिवसागर, चेनारी व करगहर प्रखंड के डीआरपी

जय प्रकाश सोनी नंबर 9801100802 सहित

कोचस, दिनारा व करगहर के डीआरपी अरुण कुमार के जारी नंबर 8271003305 पर लोग संपर्क कर सकेंगे।

बदलाव : विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता तय करेंगी नई सुशासन सरकार : प्रशांत किशोर

एजेंसी। रोहतास

जनसुराज पार्टी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर ने अपने विजन को सार्वजनिक करते हुए बिहार की राजनीति में हलचल मचा दी है । उन्होंने कहा कि बिहार की तस्वीर बदलने का समय आ गया है और अब जनता ही असली सत्ता का केंद्र बनेगी । प्रशांत किशोर ने काराकाट प्रखंड मुख्यालय गोड़ारी स्टेडियम में जनसंवाद कार्यक्रम दौरान अपने स्पष्ट संदेशों में कहा कि बिहार केवल वोट बैंक की राजनीति का मोहरा नहीं रहेगा,बल्कि सुशासन और विकास की प्रयोगशाला बनेगा । प्रशांत किशोर ने साफ शब्दों में कहा कि उनकी लड़ाई किसी कुर्सी या पद के लिए नहीं,बल्कि बिहार के हर गरीब, किसान,मजदूर,नौजवान और महिला के हक की लड़ाई है । उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब तक नेताओं ने केवल वादों से जनता को ठगा है, लेकिन जनसुराज पार्टी का विजन होगा शिक्षा,स्वास्थ्य,रोजगार और पारदर्शी शासन । उन्होंने यह भी ऐलान किया कि बिहार को ऐसी नई दिशा दी जाएगी,जहां से न तो युवा रोजगार के लिए पलायन करेंगे और न ही किसानों को अपनी उपज औने- पौने दाम पर बेचनी पड़ेगी । प्रशांत किशोर ने दावा किया कि आने वाले समय में जनता तय करेगी कि कौन नेता रहेगा और कौन इतिहास का हिस्सा बनेगा । बिहार की धरती अब जाग उठी है । यह सिर्फ सत्ता परिवर्तन का आंदोलन नहीं,बल्कि व्यवस्था परिवर्तन की क्रांति है । 213 काराकाट विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को उस वक्त जनसैलाब उमड़ पड़ा जब ग्राम पंचायत काराकाट मुखिया व रोहतास मुखिया संघ जिलाध्यक्ष सह जनसुराज पार्टी के भावी प्रत्याशी योगेंद्र सिंह ने पार्टी सुप्रीमो प्रशांत किशोर का ऐतिहासिक स्वागत किया । श्री सिंह ने पुष्पमाला और अंगवस्त्र पहनाकर पार्टी सुप्रीमो का सम्मान किया और जनसुराज के विजन को जनता के बीच जोश से रखा । इस अवसर पर मुखिया योगेंद्र सिंह ने गरजते हुए कहा कि जनता अब ठगने वाली और कुर्सी की राजनीति नहीं चाहती । बिहार को सिर्फ जनसुराज का रास्ता ही नई रोशनी दिखा सकता है । प्रशांत किशोर ने जो विजन रखा है,वही बिहार को गरीबी,बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाएगा । काराकाट की जनता इस लड़ाई की अगुवाई करेगी और आने वाले समय में पूरे बिहार में जनसुराज की आंधी चलेगी । उन्होंने आगे कहा कि जनता अब जात-पात के झूठे खेल से ठगाई नहीं खाएगी । सड़क,शिक्षा,स्वास्थ्य और रोजगार ही असली मुद्दे होंगे । काराकाट से जो मशाल जलेगी,वह पूरे सूबे में बदलाव की चिंगारी बनेगी ।सभा स्थल पर मौजूद लोगों ने प्रशांत किशोर जिंदाबाद और जनसुराज पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाकर माहौल को गूंजायमान कर दिया । लोगों में साफ दिखा कि काराकाट विधानसभा से जनसुराज पार्टी का बिगुल बज चुका है और यह हुंकार सीधा पटना तक गूंजेगा ।

तीन दिवसीय नि :शुल्क फिजियोथेरेपी जांच शिविर संपन्न

डेहरी। नारायण इंस्टीट्यूट ऑफ एलाइड एंड हेल्थकेयर साइंसेज के फिजियोथेरेपी विभाग और नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के संयुक्त प्रयास से आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क फिजियोथेरेपी जांच शिविर का बुधवार को सफल समापन हुआ। यह शिविर विश्व फिजियोथेरेपी दिवस 2025 की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था पर आधारित था। फिजियोथेरेपी प्रभारी डॉ. सुषमा कुमारी ने बताया कि शिविर में 100 से अधिक बुजुर्ग मरीजों ने हिस्सा लिया। यहां उनकी स्वास्थ्य जाँच की गई।उन्हें फिजियोथेरेपी से जुड़े आसान व्यायाम सिखाए गए और रोजमर्रा की जीवनशैली में सुधार के उपाय बताए गए। विभागाध्यक्ष डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि बढ़ती उम्र में जोड़ों का दर्द, कमर व गर्दन की तकलीफ, संतुलन की कमी और कमजोरी आम समस्या है। इन परेशानियों को कम करने और बुजुर्गों को अधिक सक्रिय और स्वतंत्र बनाए रखने में फिजियोथेरेपी बहुत मददगार है। फिजियोथेरेपी से शरीर में ताकत और लचीलापन बढ़ता है,संतुलन और चलने की क्षमता सुधरती है,गिरने का खतरा कम होता है,दर्द और जकड़न घटती है, साथ ही आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है।इस अवसर पर नारायण इंस्टीट्यूट ऑफ एलाइड एंड हेल्थकेयर साइंसेज के निदेशक प्रो. डॉ. नीरज कुमार ने कहा कि इस तरह के शिविर भविष्य में भी आयोजित किए जाते रहेंगे। इससे मरीजों को लाभ मिलता है, छात्रों को अनुभव मिलता है और समाज में फिजियोथेरेपी के लिए जागरूकता भी बढ़ती है। शिविर ने यह संदेश दिया कि स्वस्थ वृद्धावस्था संभव है फिजियोथेरेपी की मदद से।

काराकाट : महागठबंधन में होती फूट के बीच राजद ने माले विधायक पर लगाया आरोप

एजेंसी। रोहतास

काराकाट विधानसभा सीट पर महागठबंधन के घटक दलों के बीच तनातनी तेज होती दिख रही है। राष्ट्रीय जनता दल और भाकपा के बीच का यह टकराव अब खुले तौर पर सामने आने लगा है। काराकाट प्रखंड में हाल में आयोजित कार्यकर्ता बैठक में राजद नेताओं और कार्यकताओं ने मौजूदा विधायक पर नाराजगी जताई। बैठक की अध्यक्षता राजद जिला अध्यक्ष शिवंत कुशवाहा ने की थी। इस दौरान राजद महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सीमा यादव ने विधायक पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि 2020 के चुनाव में महिलाओं ने घर-घर जाकर वोट जुटाया, लेकिन जब महिला सम्मेलन के लिए परिवहन सुविधा मांगी गई, तो विधायक ने कोई सहयोग नहीं किया। आरोप लगाया गया कि विधायक विकास कार्यों की जिम्मेदारी माले पर छोड़ देते हैं और केवल राजद के वोट चाहते हैं। बैठक में राजद के वरिष्ठ नेता जनार्दन यादव ने भी साफ चेतावनी दी कि आगामी चुनाव में काराकाट से उम्मीदवार आरजेडी का ही होना चाहिए। अन्यथा इसके नतीजों की जिम्मेदारी पार्टी नेतृत्व पर होगी। हालांकि स्थानीय राजद नेताओं की ओर से आए इस बयान को लेकर मौजूदा विधायक या भाकपा माले की और से कोई बयान नहीं आया है। लेकिन इस राजनीतिक बयानबाजी से दोनों दलों के स्थानीय नेतृत्व के बीच की खटपट जग जाहिर हो गई है।

डीएम ने दैनिक जनता दरबार में पांच आमजन से किया लोक साक्षात्कार

सासाराम । बुधवार को जिला पदाधिकारी उदिता सिंह के द्वारा पांच आम नागरिकों से दैनिक लोक साक्षात्कार किया गया। जिसमें आवेदक व आवेदिका सर्वश्री विवेक कुमार, सुनील कुमार सरजू सिंह, ग्राम केदार चौरी, दावथ, संत प्रसाद सिंह, ग्राम केदार चौरी, दावथ, रामप्रसाद राम, ग्राम - भवानीपुर बढ़याबाग एवं श्री कमलेश प्रसाद सिंह के द्वारा अपने विभिन्न समस्याओं के निदान हेतु लोक साक्षात्कार किया गया। उक्त आवेदकों के द्वारा दिये गये आवेदन पत्रों में वर्णित बिन्दुओं तथा उनके विभिन्न समस्याओं एवं विवादों को सुनते हुये प्राप्त आवेदन पत्रों पर विधि सम्मत समुचित कार्रवाई करने का निदेश संबंधित पदाधिकारियों को यथा पेशकार, अपर समाहर्ता-सह-अपर जिला दंडाधिकारी रोहतास, लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, सासाराम एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी को भेजा गया है। उक्त सभी आवेदन पत्रों को संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेशों के साथ तत्काल नियमानुसार जांच कर समुचित अग्रेतर आवश्यक कार्रवाई करने हेतु भेजा गया।

सासाराम शहर को स्थाई रूप से जाम मुक्त को लेकर डीएम व एसपी ने की बैठक

- **सड़कों से अवैध अतिक्रमण हटाने का डीएम ने दिया निर्देश**

एजेंसी। रोहतास

सासाराम शहर में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने एवं जाम की समस्या से मुक्ति को लेकर बुधवार को जिला पदाधिकारी, और पुलिस अधीक्षक ने बैठक की। बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी, रोहतास, ट्रैफिक डीएसपी, अनुमंडल पदाधिकारी सासाराम, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सासाराम मौजूद रहे। समीक्षा बैठक में एक-एक बिंदुओं पर चर्चा हुई। आवागमन सुचारू एवं सुरक्षित करने को लेकर सड़कों पर से अतिक्रमण हटाने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में कहा गया कि आम पब्लिक नागरिक भावना से कार्य करें तो एक हद तक जाम की समस्या से स्वतः निबटा जा सकता है। बैठक में जिला पदाधिकारी ने कहा कि पार्किंग स्थल चिन्हित है। इधर-उधर गाड़ियां खड़ा करने पर जुमार्ना लगाया जाएगा। रोड वन वे का आदेश है। गौरक्षणी फ्लाई ओवर जाम को देखते हुए बस और ई रिक्शा पोस्ट ऑफिस चेक पोस्ट के पास नहीं रुकेगी। आरओबी की गाड़िया जाम में न फंसे इसके लिए आरओबी के पास नगर थाना, नगर निगम एवं डीटीओ की टीम सुबह और शाम शिफ्ट वाइज तैनात रहेगी। कलेक्ट्रेट के आसपास कोई भी ठेला नहीं लगाने का निर्देश दिया गया है। जागरूकता के लिए लोगों से कहा गया कि अपने लेन में ही चले, ओवरटेक न करें। ड्राइविंग के समय मोबाइल से बात न करें।

एक नजर

समतामूलक संग्राम दल के प्रदेश सचिव दो जिलों के प्रभारी बनें प्रेम प्रकाश चंद्रवंशी

नोखा। नगर परिषद वार्ड 12 निवासी प्रेम प्रकाश चंद्रवंशी को समतामूलक संग्राम दल के प्रदेश सचिव एवं रोहतास एवं कैमूर जिला का बनाया गया प्रभारी। राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज कुमार भारती ने अपनी टीम का विस्तार करते हुए प्रेम प्रकाश चंद्रवंशी को यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। लम्बे समय से राजनीति से जुड़े रहे हैं। नए दायित्व मिलने पर प्रेम प्रकाश चंद्रवंशी सिंह ने कहा कि दल ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कह गरीब गुरबों का जनहित में मदद करना मेरा पहली प्राथमिकता रहेगी होगी। साथ ही उन्होंने समतामूलक संग्राम दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज कुमार भारती नेतृत्व के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर उन्हें बधाई देने वालों में राहुल कुमार, गोरख कुमार,जय प्रकाश कुमार, सागर जी, दीपक कुमार मगल चंद्रवंशी, सत्यनारायण चंद्रवंशी सहित सैकड़ों लोग ने बधाई दी।

उच्च माध्यमिक विद्यालय में अनुमंडल स्तरीय कला उत्सव का आयोजन

बिक्रमगंज । उच्च माध्यमिक विद्यालय बिक्रमगंज के प्रांगण में अनुमंडल स्तरीय कला उत्सव 2025 का आयोजन किया गया। जिसमें अनुमंडल के लगभग सभी प्रखंडों के विद्यालयों की सहभागिता रही। जिसमें लगभग 20 विद्यालयों के बच्चों ने विभिन्न विधाओं में उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनोज कुमार प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सूर्यपुरा और उक्त विद्यालय की प्रभारी प्राचार्या सीमा कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने एक से बढ़कर एक विधाओं की प्रस्तुती दी,जो काफी सराहनीय रहा। मौके पर शिक्षक उमेश कुमार सिंह,धर्मराज सिंह,राजीव रंजन सिंह,नवीन कुमार दुबे, सलीम मसूरी, ताराकांत दुबे, भरत गिरी, राजेश कुमार तिवारी ,ओम मिश्रा सहित सभी विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिका एवं बच्चे मौजूद रहे। इस आशय की जानकारी देते हुए उच्च माध्यमिक विद्यालय बिक्रमगंज की प्राचार्या सीमा कुमारी ने बताया कि अनुमंडल स्तरीय कला उत्सव 2025 में चयनित प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को 4 सितंबर को जिला मुख्यालय भेजा जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से वित्तरहित शिक्षकों में खुशी

आरा । वित्तरहित शिक्षकों के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर शिक्षकों ने जाहिर की खुशी। अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने पटना उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा तथा शिक्षकों के पक्ष में निर्णय दिया पटना उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में संबद्ध कॉलेज के शिक्षकों को यूजीसी के वेतनमान को देते हुए 2007 के पूर्व जितने भी शिक्षक है उन्हें पेंशन वेतन देने का आदेश दिया है आज तपेश्वर इंदु महिला कॉलेज में डॉ सुनीता राय प्रधानाचार्य, डॉ कुमारी माया, डॉक्टर कृष्णा देवी,डॉक्टर उमाकांति, डॉ सुमन सिंह ,डॉ उर्मिला सिंह, डॉ.अशोक सिंह, डॉ.गीता सिंह आदि शिक्षकों ने पटना उच्च न्यायालय एवं सुप्रीम कोर्ट के प्रति आभार व्यक्त किया है।

कार्यपालक सहायक कर्मियों ने काला बिल्ला लगा जताया विरोध

काराकाट । राज्य संघ के आहवान पर रोहतास जिले के सभी विभागों के कार्यपालक सहायक काला बिल्ला बांधकर सरकार के विरोध में काम करने का निर्णय लिया । उसी परिप्रेक्ष्य में बुधवार को काराकाट प्रखंड सह अंचल कार्यालय पर उक्त प्रखंड के सभी विभागों में कार्यरत कार्यपालक सहायक अपनी मांगों में काला बिल्ला बांधकर कार्य किया । कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार यह कार्यक्रम 07 सितंबर तक जारी रहेगा । अगर सरकार हमारी मांग को नहीं मानती है,तो सभी कार्यपालक सहायक अनिश्चितकालिन हड़ताल पर जाएंगे ।सभी ने कहा कि मुख्य मांगों में सभी संविदा कर्मियों का वेतन बढ़ाया जा रहा है । लेकिन कार्यपालक सहायक पर कोई विचार नहीं किया जा रहा है । वेतन कम मिलने के कारण परिवार का सही ढ़ंग से जीवनयापन नहीं हो पा रहा है । मौके पर कृष्णकांत कुमार,उदय कुमार,सोनू कुमार,कुंदन कुमार,राकेश कुमार,निलेश कुमार, बुटेश्वर कुमार,दिपक कुमार,ताबिस, रूपांजली,असलम,असलम,विकास सहित अन्य लोग मौजूद रहे ।

शहीद जगदेव बाबू शहादत दिवसीय सह संवैधानिक अधिकार परिसीमन सुधार रैली संपर्क अभियान जोड़ो पर

बिक्रमगंज । संवैधानिक अधिकार परिसीमन सुधार रैली सह शहीद जगदेव शहादत रैली आगामी 5 सितंबर को पटना में होने वाली है। रैली की तैयारी को लेकर गांव गांव संपर्क बैठक राष्ट्रीय लोक मोर्चा बिहार प्रदेश किसान प्रकोष्ठ महासचिव गुड्डू उपाध्याय के अध्यक्षता में एक टीम गठित कर काराकाट विधानसभा एवं नोखा विधान सभा में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें नोखा विधान सभा के नासरीगंज ,हरिहरगंज , महादेवा,अतिमिगंज , मांगराव,जमालपुर ,कच्छवा ,सवारी तो वही काराकाट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत काराकाट प्रखंड के विभिन्न गांवों में बेनसागर,धवनी,गम्हरिया, मानिक परासी में सम्पन्न हुई । बैठक में पंचायत स्तर,बुथ स्तर,पार्टी के नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए । इस बैठक में रैली को सफल बनाने के लिए राष्ट्रीय लोक मोर्चा किसान प्रकोष्ठ बिहार प्रदेश महासचिव गुड्डू उपाध्याय ने जनता से रैली को सफल बनाने के लिए गांव गांव से ज्यादा से ज्यादा संख्या में पटना जाने का अपील किया। तथा रैली के उद्देश्य के बारे में जानकारी श्री उपाध्याय ने लोगों को देते हुए कहा कि उपेंद्र कुशवाहा के इस कार्यक्रम बढ़ चढ़ कर भाग ले।प्रदेश महासचिव ने कहा कि संविधान में जनसंख्या के आधार पर लोकसभा तथा विधानसभा परिसीमन करने की व्यवस्था है । जो केंद्र की पिछली सरकार ने रोक रखा है ।

आरा में सरकारी जमीन पर कब्जे वाली 145 अवैध जमाबंदी होगी रद्द, सीओ ने एडीएम को भेजी रिपोर्ट

एजेंसी। आरा

जिला मुख्यालय आरा शहर में अरबों की कीमत वाली सरकारी जमीन पर वर्षों से अवैध कब्जा कर धड़ल्ले से खरीद-बिक्री की जा रही थी। प्रशासन की सख्ती के बाद अब इस खेल पर ब्रेक लगने जा रहा है। सदर अंचलाधिकारी (सीओ) ने शहर के विभिन्न हिस्सों में डेढ़ बीघा गैरमजरूआ जमीन पर अवैध जमाबंदी दर्ज कराने वाले 145 लोगों की पहचान की है।इस पूरी रिपोर्ट को जमाबंदी रद करने की अनुशंसा के साथ एडीएम (भू-राजस्व) को भेजा गया है। मालूम हो प्रशासन को शिकायतें मिली थीं कि सरकारी भूमि पर फर्जी कागज तैयार कर न सिर्फ कब्जा जमाया गया है, बल्कि इसे बाजार भाव से भी बेचा और खरीदा जा रहा है। जैसे ही इसकी जानकारी मिली, जिला प्रशासन ने तुरंत इस जमीन की रजिस्ट्री और खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी थी।इसके बाद जब जांच की गई तो पता चला की आरा शहर में गैर मजरूआ जमीन का रकबा काफी बड़ा है। कई प्रभावशाली लोग इसे अपनी निजी संपत्ति बताकर कब्जा करते रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से दलालों और भू-माफियाओं की मिलीभगत से इस तरह की अवैध जमाबंदी कराई जाती रही है। अब जब कार्रवाई की गाज गिरी है तो इस पूरे खेल की परतें खुलने लगी हैं।आरा शहर में यह मामला मौजा आरा नगर 237, खाता पुराना नंबर 1138 और खेसरा 3771 और 3772 से सबसे ज्यादा जुड़ा हुआ है। इस खाता खेसरा के जमीन की सैकड़ों लोगों के नाम पर जमाबंदी दर्ज है, जो गलत है। गैर मजरूआ जमीन की अब ना जमाबंदी हो रहा है और ना ही उसे खरीद बिक्री किया जा सकता है। इसके बावजूद भी अवैध ढंग से इस जमीन की खरीद बिक्री लाखों करोड़ों में की जा रही थी। यह पूरा मामला बाबू बाजार क्षेत्र से जुड़ा हुआ है।प्रशासनिक कार्रवाई के बाद आम लोगों में उम्मीद जगी है कि अब शहर की बेशकीमती सरकारी जमीन बचाई जा सकेगी। सूत्रों के अनुसार, सिर्फ डेढ़ बीघा ही नहीं, बल्कि शहर और आसपास के कई इलाकों में ऐसे ही कई रकबे पर अवैध जमाबंदी दर्ज है, जिनकी फाइलें भी खंगाली जा रही हैं। सीओ द्वारा भेजी गई अनुशंसा रिपोर्ट के बाद अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया है। जमीन कब्जाने वाले कई लोग अब प्रशासनिक स्तर पर पैरवी में लग गए हैं। बताया जाता है कि इन जमीनों पर पक्के मकान और मार्केट भी खड़े कर दिए गए हैं।

भाजपा नेता डॉ. बलिराम मिश्रा ने प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को गरीबों के हित में लिए गए निर्णय पर दी बधाई

एजेंसी। रोहतास

गरीब और वंचित परिवारों की पीड़ा को आवाज देने वाली लड़ाई आखिरकार रंग लाई। मौनी बाबा यमुनादास लखराजो देवी महिला महाविद्यालय, बिक्रमगंज के संस्थापक सचिव एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रो. डॉ. बलिराम मिश्रा की पहल पर केंद्र एवं राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए पूरे बिहार में राशनकार्ड से नाम काटने की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की घोषणा की है। डॉ. मिश्रा ने गरीबों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री कार्यालय, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय खाद्य उपभोक्ता मंत्री, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पत्र लिखकर मांग की थी कि गरीब परिवारों को हो रही इस परेशानी पर तुरंत रोक लगाई जाए। सरकार ने उनकी मांग को गंभीरता से लेते हुए करोड़ों परिवारों को राहत प्रदान की है। निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए डॉ. मिश्रा ने कहा : "गरीब परिवारों के लिए राशनकार्ड जीवनरक्षक आधार है। नाम काटने की कार्रवाई से वे भूखमरी के कगार पर पहुंच जाते। मेरी अपील पर सरकार ने संज्ञान लेकर जो कदम उठाया है, उससे करोड़ों गरीब परिवारों के चेहरे पर मुस्कान लौटी है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को हृदय से धन्यवाद देता हूं। उन्होंने आगे कहा कि एनडीए की नीति हमेशा से गरीबों और वंचितों के साथ खड़े रहने की रही है और सरकार का यह निर्णय उसी संकल्प का सशक्त प्रमाण है।

कोसी-गंगा उफान पर, इन इलाकों में बाढ़ का खतरा

बिहार के 38 जिलों में आठ सितंबर तक बारिश के आसार

एजेंसी। पटना

बिहार में मानसून थोड़ा कमजोर जरूर पड़ गया है लेकिन सभी जिलों में बारिश के आसार आज से लेकर आठ सितंबर तक हैं। उत्तर-पश्चिम, उत्तर-मध्य, उत्तर-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम बिहार, दक्षिण-मध्य, दक्षिण-पूर्व बिहार में एक या दो स्थानों पर बारिश के आसार हैं। पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय और जहानाबाद समेत पूरे बिहार में बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है। इधर, लगातार बारिश के कारण गंगा और कोसी उफान पर है। नेपाल में हुई लगातार भारी बारिश का असर बिहार की कोसी नदी पर साफ दिखने लगा है। जलग्रहण क्षेत्रों में मूसलधार बारिश के बाद रविवार शाम से कोसी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा। नेपाल प्रभाग के बराहक्षेत्र से भी पानी का डिस्चार्ज लगातार बढ़ता घटता रहा। जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, खगड़िया के डुमरी और बलतारा, भागलपुर के विजय घाट पुल और कटिहार के कुरसेला में कोसी का बहाव पहले ही खतरे के निशान को पार कर चुका है। प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य की तैयारी तेज कर दी है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार, अगले तीन से चार दिनों के दौरान पटना के अधिकांश भागों के अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होने के

मुंगेर में फिर से बाढ़ का खतरा

मुंगेर में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। पहले ग्रामीण इलाकों में पानी फैलने के बाद अब शहरी क्षेत्रों में भी गंगा का पानी प्रवेश कर चुका है। नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत लाल दरवाजा गीता बाबू लिंक पथ पर लगभग तीन फीट पानी भर गया है, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी हो रही है। नगर निगम क्षेत्र के कई निचले इलाकों और घरों में भी बाढ़ का पानी घुस गया है। सदर प्रखंड के मोहली पंचायत अंतर्गत आदर्श ग्राम टीका रामपुर में ग्रामीण सड़क और आंगनबाड़ी केंद्र पूरी तरह पानी में डूब गए हैं।

भागलपुर में भी बाढ़ का खतरा

गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि से जिले में बाढ़ का खतरा एक बार फिर गहरा गया है। भागलपुर जिले के कहलगांव, सुल्तानगंज, नाथनगर, सबौर और नवगछिया अनुमंडल के तीन प्रखंडों सहित कुल आठ प्रखंडों के निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं। गंगा के साथ-साथ कोसी नदी का जलस्तर भी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है, जिससे नवगछिया अनुमंडल के कोसी तटवर्ती क्षेत्रों में पानी तेजी से प्रवेश कर रहा है। प्रशासन ने जिले के 92 पंचायतों को बाढ़ प्रभावित घोषित किया है।

मुजफ्फरपुर के लिए खुशखबरी, 589 करोड़ रु. की लागत से बनेगा 'सुपर स्ट्रक्चर पुल'

एजेंसी। मुजफ्फरपुर

बिहार सरकार ने मुजफ्फरपुर और सारण जिले को जोड़ने वाले एक उच्च स्तरीय पुल निर्माण की मंजूरी दी है। 589 करोड़ रुपये की लागत से गंडक नदी पर इस पुल का निर्माण होगा। इसके बन जाने से दोनों जिलों के बीच विकास का एक नया अध्याय खुलेगा। लंबे समय से इस पुल के निर्माण की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। राज्य सरकार की कैबिनेट ने गंडक नदी पर एक बृहद पुल निर्माण की स्वीकृति दी है, जिसे जिलेवासियों के लिए बड़ी सौगात माना जा रहा है। मुजफ्फरपुर जिले के पारू प्रखंड क्षेत्र के फतेहाबाद से सरैया प्रखंड के चंचलिया तक उच्च स्तरीय पीएससी बॉक्स सेल सुपर स्ट्रक्चर मुख्य पुल का निर्माण किया जाएगा। इसकी लागत 589 करोड़ होगी और प्रशासनिक स्वीकृति दी जा चुकी है। वर्तमान में पारू प्रखंड के फतेहाबाद से सारण जिले के तरैया जाने के लिए लोगों को रेवा घाट पुल होकर लगभग 49 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती है। इस नए पुल के बन जाने के बाद दूरी घटकर केवल 10 किलोमीटर रह जाएगी। यानी लोगों का 39 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर खत्म हो जाएगा। इससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी तथा आवागमन सुगम और सुरक्षित बनेगा।

सीट बंटवारा है सबसे पेचीदा मामला

केंद्रीय गृह मंत्री ने बिहार भाजपा नेताओं के साथ चुनावी रणनीति पर किया मंथन

एजेंसी। पटना

बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गयी है. इंडिया गठबंधन के नेताओं द्वारा मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर निकाली गई यात्रा खत्म होने के बाद बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर बिहार के प्रमुख नेताओं की अहम बैठक हुई. इस बैठक में प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, सह प्रभारी दीपक प्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ, संगठन महामंत्री भीखूभाई दलसानिया, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, राज्य सरकार के मंत्री मंगल पांडे, सांसद राधामोहन सिंह सहित अन्य नेता शामिल हुए. सूत्रों का कहना है कि बैठक में राज्य की मौजूदा राजनीतिक स्थिति और सीट बंटवारे पर चर्चा की गयी. गृह मंत्री ने बिहार भाजपा के नेताओं से फीडबैक लिया. विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की गयी.

साथ ही संगठन और एनडीए के घटक दलों के साथ समन्वय को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया गया. केंद्र सरकार की ओर से बिहार को लगातार दी जा रही योजनाओं को आम जन तक पहुंचाने को कहा गया. डबल इंजन की सरकार के फायदे और इससे बिहार के विकास को मिल रही मदद को गांव-गांव तक पहुंचाने का भी लक्ष्य दिया गया. ऐसा बताया जा रहा है कि बैठक में पार्टी की ओर से कमजोर और मजबूत सीटों का आकलन, मौजूदा विधायकों के कामकाज को लेकर भी चर्चा की गयी. साथ ही राजद और कांग्रेस के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चलाए गए अभियान के असर का आकलन भी किया गया. पार्टी का मानना है कि जदयू और भाजपा के बीच सीट बंटवारे को लेकर विवाद की अधिक गुंजाइश नहीं है. लेकिन एनडीए में शामिल अन्य घटक दलों को साधना सबसे बड़ी चुनौती है. आने वाले समय में एनडीए के घटक दलों की बैठक केंद्रीय गृह मंत्री और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से होने की संभावना है. विपक्षी दलों के वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री की मां को गाली देने के मुद्दे को धार देकर विपक्षी रणनीति को कुंद करने के उपायों पर भी चर्चा की गयी. साथ ही प्रधानमंत्री के 15 सितंबर को बिहार दौरे को सफल बनाने और 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन को सेवा पखवाड़ा के तौर पर व्यापक स्तर पर मनाने की रणनीति पर विचार किए जाने की बात बतायी जा रही है.

भाजपा की अहम बैठक में क्या-क्या हुआ?

- चुनावी रणनीति पर चर्चा, गठबंधन के मसले पर विशेष सतर्कता की रणनीति।
- राष्ट्रीय नेतृत्व तय करेगा गठबंधन के मसले, प्रदेश के स्तर पर सामंजस्य और साझा रणनीति के साथ हो काम।
- अनावश्यक बयानबाजी से बचने के दिए गए निर्देश, अलग अलग नेताओं से भी फीडबैक लिया गया।
- बिहार चुनाव के लिए जल्द शुरू होने जा रहा है अमित शाह के नेतृत्व में बीजेपी-एनडीए का आक्रामक चुनाव अभियान।
- एनडीए का गवर्नेंस और आरजेडी शासन के तुलना पर केंद्रित होगा अभियान।
- विपक्ष के वोट चोरी नैरेटिव के खिलाफ भी एनडीए का चलेगा अभियान लेकिन मुख्य मुद्दा गवर्नेंस।
- पीएम मोदी के कामकाज और छवि को अधिकाधिक भुनाने की रणनीति, मोदी-नीतीश की जुगलबंदी चुनाव अभियान का होगा केंद्र बिंदु।
- एनडीए कार्यकताओं की एकजुटता और समन्वय पर जोर, विधानसभा स्तर पर एनडीए कार्यकर्ता सम्मलेन होगा।
- 25 सितंबर तक कार्यकर्ता सम्मलेन चलेगा। चुनाव अभियान समिति का गठन किया जाएगा। सभी बड़े नेता इस समिति में शामिल होंगे।

बिहार में भू अर्जन पदाधिकारियों का दो दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू, जमीन से जुड़ी हर समस्या होगी दूर

एजेंसी। पटना

3 सितंबर 2025 को राजस्व सर्वे (प्रशिक्षण) संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना में जिला भू अर्जन पदाधिकारी एवं अपर जिला भू अर्जन पदाधिकारियों का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। इसका शुभारंभ राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह और सचिव गोपाल मीणा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर भू अर्जन निदेशक कमलेश कुमार सिंह, सहायक निदेशक आजीव वत्सराज, भू अर्जन विशेषज्ञ सुशील कुमार समेत अन्य वरीय अधिकारी मौजूद रहे। सचिव जय सिंह ने कहा कि भू अर्जन की प्रक्रिया में आने वाली बाधाओं और विलंब को दूर करने के लिए रणनीति के साथ काम करने की जरूरत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि न्यायालय में विवादों को कम करना और भू अर्जन का अंतिम निष्पादन समय पर करना ही विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए। सचिव गोपाल मीणा ने पुराने मामलों की केस स्टडी साझा करते हुए कहा कि भू अर्जन में त्वरित कार्रवाई से परियोजनाएं समय पर पूरी होंगी और विकास की गति बढ़ेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि देरी की स्थिति में यह सरकार और रैयत दोनों के लिए नुकसानदेह साबित होता है। इस दौरान उन्होंने कई कैसे स्टडी भी अधिकारियों के सामने प्रस्तुत करते हुए समझाया। उन्होंने कुछ वैसे मामलों से अधिकारियों को अवगत कराया जो थोड़ी सी लापरवाही से वर्षों से लंबित हैं।

जहानाबाद के पूर्व सांसद जेडीयु में होंगे शामिल

एजेंसी। पटना

बिहार की राजनीति में इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। जहानाबाद के पूर्व सांसद अरुण सिंह जल्द ही जेडीयू (जनता दल यूनाइटेड) की सदस्यता लेने वाले हैं। बताया जा रहा है कि उनके स्वागत को लेकर पार्टी कार्यालय में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें पार्टी के कई बड़े नेताओं की मौजूदगी रहने की संभावना है। अरुण सिंह, जहानाबाद में एक भूमिहार नेता के तौर पर अपनी अलग पहचान रखते हैं। उनकी जेडीयू में एंट्री से माना जा रहा है कि पार्टी को भूमिहार समाज में राजनीतिक मजबूती मिलेगी। बिहार की मौजूदा सियासत में भूमिहार वोट बैंक को साधना हर दल के लिए अहम माना जाता है, और

इसी कड़ी में अरुण सिंह का जेडीयू से जुड़ना पार्टी के लिए रणनीतिक तौर पर बड़ा कदम साबित हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, अरुण सिंह की जेडीयू में एंट्री को लेकर पार्टी के भीतर उत्साह का माहौल है। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जेडीयू नेतृत्व उनकी राजनीतिक अनुभव का लाभ उठाते हुए संगठन को और मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे। गौरतलब है कि बिहार की राजनीति में हाल ही में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। ऐसे में जहानाबाद के पूर्व सांसद अरुण सिंह का जेडीयू से जुड़ना आगामी चुनावी समीकरणों पर असर डाल सकता है।

बिहार में एक ही परिवार के तीन लोगों की गंगा में डूबने से मौत

एजेंसी। पटना

बड़ी खबर बिहार के मुंगेर से आ रही है, जहां एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मां-बेटा और बहन शामिल हैं। इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है और परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। दरअसल, यह दुखद घटना बरियारपुर प्रखंड के झौआ बहियार पंचायत में हुई है। यहां गंगा नदी में डूबने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की जान चली गई। मृतकों में मां, बेटा और भतीजी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि चार लोग गंगा नदी में डूब रहे थे। स्थानीय गोताखोरों ने काफी मशक्कत के बाद एक को तो जिंदा बचा लिया लेकिन तीन लोगों की डूबने से मौत हो गई। गोताखोरों ने नदी से तीनों

शवों को बरामद कर लिया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे हैं। सदर एसडीओ ने पीड़ित परिवार को मुआवजा दिए जाने की बात कही है।

तीनों शव को ग्रामीणों ने बाहर निकाला

बरियारपुर प्रखंड के झौवाबहियार में हुई घटना की सूचना मिलने पर हरिणमार थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची. एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर आयी. हालांकि इससे पहले ग्रामीणों के ही सहयोग से मृतकों के शव को निकाला जा चुका था. पुलिस ने तीनों शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुंगेर भेज दिया।

बाइक की टक्कर से पिता की मौत, पुत्र घायल

कैमूर । बिहार में सड़क हादसे के मामले में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। राज्य के अंदर शायद ही कोई ऐसा दिन गुजरता हो जिस दिन सड़क हादसे की वजह से लोगों की जान नहीं जाती हो। इसी कड़ी में अब एक ताजा मामला कैमूर से निकल कर सामने आ रहा है। जहां बाइक की टक्कर से पिता की मौत हो गई और पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, कैमूर जिले के मोहनिया थाना क्षेत्र के कुर्रा गांव के पास बीती रात सड़क पार कर रहे पिता पुत्र को तेज रफ्तार बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिसमें घटनास्थल पर ही पीता की मौत हो गई। जबकि पुत्र की हालत गंभीर हो गई। वहीं टक्कर मारने के बाद दोनों बाइक सवार भी चोटिल होकर सड़क पर गिर गए। वहीं,घटना के बाद आसपास के लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

निरीक्षण के दौरान सीएम नीतीश कुमार ने संबंधित अधिकारियों को कई महत्त्वपूर्ण निर्देश दिए

पितृपक्ष मेला की तैयारी का सीएम नीतीश कुमार ने लिया जायजा

एजेंसी। पटना

विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला की तैयारी को लेकर बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गया जी पहुंचे। सर्व प्रथम उन्होंने विष्णुपद मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना किया। पूजा अर्चना के बाद सीएम नीतीश कुमार पितृपक्ष मेला की जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों का जायजा लिया। मेला क्षेत्र के देवघाट और विष्णु पथ समेत अन्य पिंडवेदियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीएम नीतीश कुमार ने संबंधित अधिकारियों को कई महत्त्वपूर्ण निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच सीएम नीतीश कुमार समाहरणालय पहुंचे। जहां उन्होंने जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों के साथ बैठक कर पितृपक्ष मेला की तैयारियों का समीक्षा बैठक की। बैठक में सीएम नीतीश कुमार सभी तैयारियों का बारीकी से जानकारी ली।उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि देश के विभिन्न प्रदेशों से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। सभी बुनियादी सुविधाएं ससमय पूरा करने का निर्देश भी दिए। समाहरणालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद सीएम नीतीश कुमार चाकंद हाई स्कूल पहुंचे। जहां उन्होंने विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। सीएम नीतीश कुमार के आने से पहले मेला क्षेत्रों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। विष्णुपद, देवघाट, चांद चौरा और समाहरणालय के सभी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहे। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी व विजय कुमार सिन्हा, पर्यटन मंत्री समेत कई जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

सुभाषितम्

शिक्षा किसी घड़े को भरने जैसा नहीं है यह तो अग्नि प्रज्वलित करने के समान है। -डब्ल्यू बी. बीट्स

भारत पर अमेरिकी टैरिफ और ऊर्जा सुरक्षा

ट्रंप प्रशासन द्वारा भारत से निर्यातित वस्तुओं पर 50% टैरिफ लगाना, रूस से भारत के कच्चे तेल आयात के जवाब में, एक संकीर्ण और असंगत नीति को दशार्ता है। भारत की आलोचना की जा रही है जबकि चीन, जापान, तुर्की और यूरोपीय संघ के कई देश रूस से कहीं अधिक तेल आयात कर रहे हैं। यह चयनात्मक रवैया इस टैरिफ को अनुचित और राजनीतिक रूप से प्रेरित बनाता है। इसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर खासकर वस्त्र, रत्न और कीमती धातुओं जैसे क्षेत्रों में देखा जा सकता है। भले ही रोजगार और महंगाई पर इसका पूरा असर अभी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन भारत सरकार ने अपने निर्यात बाजारों में विविधता लाने की दिशा में कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। भारत का विशाल घरेलू बाजार, मजबूत कूटनीतिक संबंध और बढ़ती आर्थिक-सेना शक्ति ऐसे दबावों को सफल नहीं होने देगी। भारत और रूस के बीच व्यापार अमेरिकी डॉलर की बजाय रुपये में होता है, जो वैश्विक व्यापार में डॉलर मुक्त व्यवस्था की ओर एक कदम है। भारत मध्य पूर्व देशों के साथ भी रुपये में तेल व्यापार के विकल्प तलाश रहा है। यदि यह चलन बढ़ा, तो यह पेट्रो-डॉलर प्रणाली को चुनौती देगा और अमेरिकी आर्थिक प्रभुत्व को कम कर सकता है। इफ्क्ष्ठर देशों के बीच रुपये आधारित व्यापार की भारत की पहल भी इसी दिशा में है। अमेरिका की चिंता भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से अधिक, डॉलर की वैश्विक पकड़ कमजोर होने को लेकर है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से तेल आयात पर निर्भरता से जुड़ी है। भारत अपनी 82% से अधिक कच्चे तेल की जरूरतें आयात से पूरी करता है, जिससे विदेशी मुद्रा पर दबाव और बाहरी झटकों की आशंका बढ़ जाती है। अधिकांश तेल परिवहन क्षेत्र–दोपहिया, कार, ट्रक, बस, विमानन ईंधन और कृषि व थर्मल पावर में डीजल–में खपत होता है। इसे कम करने के लिए भारत ने इलेक्ट्रिक वाहनको बढ़ावा देना शुरू किया है, विशेषकर दोपहिया, यात्री वाहन और बसों में। साथ ही, वैकल्पिक ऊर्जा परियोजनाओं में भी निवेश किया जा रहा है। हिमालय क्षेत्र में जलविद्युत परियोजनाओं की योजना है, पर भूकंपीय जोखिम, भूस्खलन और मानसून के दौरान पर्यावरणीय चुनौतियां गंभीर हैं। इनके लिए पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों का गहन मूल्यांकन जरूरी है। भारत दुनिया में बिजली का एक बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। थर्मल पावर (मुख्यतः कोयला) अभी भी 45.4% बिजली उत्पादन में योगदान देता है, जबकि जलविद्युत का हिस्सा लगभग 10.2% है, जिसे अब सौर और पवन ऊर्जा ने पीछे छोड़ दिया है। 2025 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्त्रोतों की क्षमता 217 जीडब्ल्यू पार करने का अनुमान है, जो ऊर्जा नीति में बड़ा बदलाव है। राष्ट्रीय बायोएनेर्जी मिशन, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और रूफटॉप सोलर जैसे कार्यक्रम इस दिशा में अहम हैं।

वर्तमान में, भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता का लगभग 49% गैर-जीवाश्म स्त्रोतों (जिसमें परमाणु ऊर्जा भी शामिल है) से आता है। ग्रीन हाइड्रोजन के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं भी तेजी से बढ़ाई जा रही हैं ताकि दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अमेरिकी टैरिफ भारत के लिए तात्कालिक आर्थिक चुनौती जरूर हैं, लेकिन भारत अपने व्यापार और ऊर्जा नीतियों में बड़े स्तर पर बदलाव कर रहा है। ये प्रयास न केवल राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हैं, बल्कि एक संतुलित और बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था की दिशा में भी योगदान देते हैं।

चिंतन-मनन

क्षमा भाव आत्मसात करें

बुद्धि का अर्थ है नीर-क्षीर विवेक करने वाली शक्ति और ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा पदार्थ को जान लेना। ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा भौतिक पदार्थ के अन्तर को जानना। आधुनिक शिक्षा में आत्मा के विषय में कोई ज्ञान नहीं दिया जाता, केवल भौतिक तत्वों तथा शारीरिक आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाता है। फलस्वरूप शैक्षिक ज्ञान पूर्ण नहीं हैं। असम्मोह अर्थात संशय तथा मोह से मुक्ति तभी प्राप्त हो सकती है, जब मनुष्य झिझकता नहीं और दिव्य दर्शन को समझता है। वह धीरे-धीरे निश्चित रूप से मोह से मुक्त हो जाता है। क्षमा का अभ्यास करना चाहिए। मनुष्य को सहिष्णु होना चाहिए और दूसरों के छोटे अपराध क्षमा कर देना चाहिए। सत्यम का अर्थ है तथ्यों को सही रूप में अन्यों के लाभ के लिए प्रस्तुत किया जाए। तथ्यों को तोड़ना-मरोड़ना नहीं चाहिए। सामाजिक प्रथा के अनुसार कहा जाता है कि वही सत्य बोलना चाहिए, जिससे दूसरे लोग समझ सके कि सच्चाई क्या है। कोई चोर है और यदि लोगों को सावधान कर दिया जाये कि अमुक व्यक्ति चोर है, तो यह सत्य है। यद्यपि सत्य कभी-कभी अप्रिय होता है, किन्तु कहने में संकोच नहीं करना चाहिए। सत्य की मांग है कि तथ्यों को यथारूप में लोकहित के लिए प्रस्तुत किया जाए। यही सत्य की परिभाषा है। दम का अर्थ है इन्द्रियों को व्यर्थ विषयभोग में न लगाया जाए। अनावश्यक इन्द्रियभोग आध्यात्मिक उन्नति में बाधक है। मन पर भी अनावश्यक विचारों के विरुद्ध संयम रखना चाहिए। इसे शम कहते हैं। मनुष्य धन-अर्जन के चिन्तन में ही सारा समय न गवाए। यह चिन्तन शक्ति का दुरुपयोग है। मन का उपयोग मनुष्यों की मूल आवश्यकताओं को समझने के लिए किया जाना चाहिए। साधुपुरुषों, गुरुओं महान विचारको की संगति में रहकर विचार-शक्ति का विकास करना चाहिए। जो कुछ कृष्णभावनामृत के विकास के अनुकूल हो, उसे स्वीकार करे और जो प्रतिकूल हो, उसका परित्याग करे।

अनुसंधान संस्थान में तकनिकी हिंदी जानकारों की आवश्यकता

- संजय गोस्वामी

आज हिंदी का प्रचार जोर शोर से चल रहा है और हिंदी हेतु सरकार द्वारा राजभाषा हेतु उपनिदेशक (राजभाषा) व अनुवाद अधिकारी की नियुक्ति होती है अच्छी बात है अभी हिंदी दिवस भी सामने आ रही है और अभी से ही लोग हिंदी लेख और उससे जुड़े प्रतियोगिता में भाग लेने को इक्छुक है हिंदी में कर्मचारी को ट्रेनिंग भी दी जा रही है लेकिन हिंदी को अनुसन्धान संस्थान पर थोपना सही नहीं है क्योंकि विज्ञान या इंजीनियरिंग को हिंदी में कितने लोग पढ़े है यदि पढ़े भी है तो संस्थान में काम करने वाले सभी लोग पढ़े हैं क्या? क्योंकि कुछ लोगों के विज्ञान को हिंदी में पढ़ाई करने से अनुसन्धान का कार्य पूर्ण रूप से नहीं होता है क्योंकि टीम वर्क के साथ काम करना होता है अनुसन्धान संस्थान में देश के टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे आईआईटी, एनआईटी आदि के स्टूडेंट रहते हैं वहाँ सारा पढ़ाई इंग्लिश में होता है तकनिकी हिंदी और सिर्फ हिंदी में काफी अंतर है वहाँ हिंदी अनुवादक कार्मिक होते हैं जिसे विज्ञान और इंजीनियरिंग की पकड़ कितनी होती है वो सबको पता है नतीजा यह होता है कि टेक्निकल या इंजीनियरिंग शब्दों का हिंदी में कैसे इस्तेमाल किया जाए अंत में गूगल ट्रांसलेशन की मदद लेते हैं और कार्मिक द्वारा हिंदी ट्रांसलेशन में गलत अर्थ आता है जैसे आप फिजिकल प्रोग्रेस को हिंदी में गूगल ट्रांसलेशन करेंगे तो शारीरिक प्रगति आती है जिसे भौतिक प्रगति होना चाहिए उसी तरह परचेज ऑर्डर का गूगल ट्रांसलेट करते हैं तो खरीद आदेश आता है जबकी क्रय आदेश होना चाहिए इसी तरह प्रोक्योरमेंट को गूगल से ट्रांसलेशन करेंगे तो भी खरीद ही आता है जबकी उसका सही अर्थ प्रापण होना चाहिए आरटीडी जो एक इलेक्ट्रिकल यन्त्र है उसे गूगल से ट्रांसलेशन करने पर सेवानिवृत हो जाता है और एक ऐसा ही शब्द ळ जिसे जिसे टाईटेनियम कहा जाता है गूगल उसे तिवारी पकड़ लेता है ऐसे अनगिनत शब्द हैं जो विज्ञान में हिंदी में गूगल कभी सही अर्थ जो उसमें फिट होना चाहिए वो नहीं बतलाता है अतः यदि अनुसन्धान संस्थान में हिंदी को अनिवार्य करना जरुरी नहीं है नहीं तो वहाँ के साइंटिस्ट को शोध करने में कई कठिनाई का सामना करना पड़ता है ऐसे भी वैज्ञानिक खोज देश या विदेश पर निर्भर नहीं करती है वह सिद्धांत को प्रैक्टिकल के सफलता पर निर्भर करती है और जब आईआईटी और लगभग सभी इंजीनियरिंग कॉलेज में इंग्लिश में पढ़ा होता है तो अनुसन्धान संस्थान में वैज्ञानिक हिंदी में कैसे काम करेंगे अतः अनुसन्धान संस्थान में देश के विकास हेतु टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाता है जो समय से कार्य को पूर्ण करना उसका उद्देश्य होता है तकनीकी लेखन से आशय तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखने से है। उदाहरण के लिए कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, इंजीनियरिंग, रसायन विज्ञान, वैमानिकी, रोबोटिक्स, वित्त, चिकित्सा, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और वानिकी जैसे तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखना। अतः आज हिंदी में तकनिकी लेखन यदि शुरूआत से ही की जाए तभी इसका फायदा होगा मंगलवार (5 अगस्त, 2025) को लोकसभा को सूचित किया गया कि सरकार ने आधिकारिक संचार, केंद्रीय सेवाओं या शैक्षणिक संस्थानों में हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी नहीं किया है।गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने डीएमके सांसद कलानिधि वीरस्वामी के एक लिखित प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। इस प्रश्न में पूछा गया था कि क्या सरकार ने हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी किए हैं। मंत्री ने उत्तर दिया, नहीं, महोदय।

डीएमके सांसद मथेश्वरन वी.एस. द्वारा 2014 से हिंदी के प्रचार-प्रसार पर खर्च की गई धनराशि के बारे में पूछे गए एक अलग प्रश्न का उत्तर देते हुए, मंत्री ने आँकड़े प्रस्तुत किए जिनसे पता चला कि 2014-15 और 2024 के बीच राजभाषा विभाग को आवंटित बजट से ?736.11 करोड़ खर्च किए गए हैं लेकिन हिंदी अपने देश की भाषा है खुसबू बिखेरती है अतः हिंदी के साथ साथ क्षेत्रीय भाषा का भी सम्मान होएक प्रसिद्ध और शिक्षाप्रद दोहा है। करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ।रसरी आवत जात के सिल पर परत निशान। इसमें जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वह है अभ्यास। अगर मान लिया जाए अभ्यास ही गलत हो, या गलत दिशा में किया जा रहा हो। तो सफलता मिलने की संभावना लगभग शून्य ही हो जाएगी। इसलिए हर कार्य या अभ्यास के पीछे भी गंभीरता बहुत जरूरी है। गंभीरता और मन से किया गया कार्य ही सार्थक होता है। इसके अभाव में अभ्यास निरर्थक साबित हो जाएगा। हम जो भी प्रश्नों के जवाब देते हैं वह जवाब कहीं न कहीं मौजूद भी होते हैं। अगर उस जवाब में हम अपने अनुभव द्वारा, उनमें नए उदाहरण नहीं जोड़ेंगे। तो मेरे जवाब का कोई मतलब ही नहीं रह जाएगा यानी मेरा जवाब गंभीरता पूर्वक नहीं लिया जाएगा। उसे एक तरह का कॉपी-पेस्ट ही माना जाएगा। स्कूल के दिनों में एक कहानी पढ़ी थी कि किस तरह एक जादुई बांसुरी वाला व्यक्ति पूरे शहर के लोगों को चूहे के आतंक से आजादी दिलाता है। उस बांसुरी की आवाज में इतना खिंचाव था कि शहर के सारे चूहे उस आवाज के पीछे खींचते चले गए और शहर के बाहर दूरदराज गुफा में बंद कर दिए गए। कहीं न कहीं यह तकनिकी हिंदी का प्लेटफार्म भी लोगों को जादुई बांसुरी वाले व्यक्ति की तरह ही अपनी ओर आकर्षित करता है और विज्ञान लेखक बगैर पारिश्रमिक के ही लगातार मेहनत करते रहते हैं। जो एक सच्चाई भी है।मेरे हिसाब से विज्ञान लेखन का जो नाता है वह कहीं न कहीं एक आकर्षण से भी जुड़ा हुआ मालूम पड़ता है। पुरातात्विक अनुसंधानों से ज्ञात हुआ है कि आज से लगभग दस हजार वर्ष पूर्व ही मनुष्य ने फसल पैदा करना सीखा था । वेदों में भी इस काल के कृषि विकास का महत्वपूर्ण वर्णन मिलता है। ऋग्वेद तथा अथर्ववेद में कृषि, गोपालन आदि का विशद विवेचन मिलता है। इनमें फसल उत्पादन के लिये आवश्यक भूमि, भूमि की तैयारी, जल तथा सिंचाई, पादप-पोषण, फसल सुरक्षा और मौसम के बारे में बहुत कुछ पढ़ने को मिलता है । साथ ही उस समय के गोपालन के बारे में भी जानकारी मिलती है। जिसका आधुनिक विज्ञान के आधार पर परीक्षण करके बहुत लाभ उठाया जा सकता हैं। इन्हीं जानकारियों को यहाँ क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया हैं। अलग-अलग भाषाओं के लिए अलग-अलग लिपियों का भी प्रयोग मिलता है। यूरोपीय देशों की भाषाओं के लिए रोमन लिपि का प्रयोग मिलता है। ईरान और इराक आदि देशों की भाषाओं के लिए फारसी लिपि का प्रयोग होता है। अरब देशों की भाषाओं और बोलियों के लिए अरबियन लिपि का प्रयोग होता है। भारत में संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश प्राचीन भाषों का प्रयोग मिलता है। हिन्दी, मराठी, गुजराती और पंजाबी आदि आर्य भाषा- परिवार की भाषाओं के लिए अलग-अलग लिपियों का प्रयोग होते हुए भी नागरी लिपि का प्रयोग होता है। संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, मराठी, कोंकणी, नेपाली और मणिपुरी भाषाओं की अभिव्यक्ति के लिए देवनागरी लिपि का प्रयोग होता है। बांग्ला, उड़िया, असमिया आदि पूर्वी क्षेत्र की भाषाओं की अलग-अलग लिपियां हैं। परन्तु इन भाषाओं का देवनागरी लिपि के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

भारत के भविष्य के लिए खेल-आधारित शिक्षा

- श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

यदि हमें विकसित भारत का निर्माण करना है, तो हमें शुरूआत –अपने सबसे छोटे नागरिकों की क्षमता के विकास से करनी होगी, जहाँ से जीवन का आगाज होता है। आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की खिलखिलाती हँसी में, उनके द्वारा गायी जाने वाली कविताओं में और उनके द्वारा बनाए जाने वाले ब्लॉक में हमारे राष्ट्र के भविष्य का सामर्थ्य आकार लेता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्?द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने अपने सबसे छोटे नागरिकों को अपनी विकास यात्रा के केंद्र में रखा है। प्रधानमंत्री ने–न केवल विश्वविद्यालयों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे में निवेश करके, अपितु बच्चे के जीवन की पहली कक्षाः आंगनवाड़ी के अतिशय महत्व को पहचानते हुए हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित किया है। आज के भारत में, खेल अब सिर्फ. मनोरंजन भर नहीं, अपितु –नीति है। और इसके परिणाम बिल्कुल स्पखष्ट.और विश्व सनीय हैं । पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने प्रारंभिक बाल्या?वस्था के विकास के प्रति अपने दृष्टिकोण को मूलभूत रूप से पुनर्परिभाषित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 निर्णायक मोड़ साबित हुई, जिसमें यह स्वीकार किया गया कि मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास छह साल की उम्र से पहले ही हो जाता है। यदि हम स्मार्ट, स्वस्थ और अधिक उपयोगी आबादी चाहते हैं, तो हमें वहाँ निवेश करना होगा जहाँ इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है–जीवन के शुरूआती छह वर्षों में। वैज्ञानिक प्रमाण इस बदलाव का समर्थन करते हैं। सीएमसी वेल्लोर के क्लिनिकल महामारी विज्ञान विभाग द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को 18 से 24 महीने तक व्यवस्थित प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) मिली, उनके आईक्यू में–पाँच साल की उम्र तक 19 अंक तक, और नौ साल की उम्र तक तो 5 से 9 अंक तक की उल्लेखनीय और स्थायी वृद्धि देखी गई। विकासशील भारत के लिए ये वृद्धि बेहद महत्वपूर्ण है। भारत के ये निष्कर्ष वैश्विक शोध के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि पाँच साल की उम्र से पहले गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों में उच्च आईक्यू, बेहतर सामाजिक कौशल और बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन की संभावना 67 प्रतिशत अधिक होती है। जैसा कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. जेम्स हेकमैन की प्रसिद्ध उक्ति है, जितनी जल्दी शुरूआत, उतने बेहतर परिणाम–और उतने ही कुशल रिटर्न उनके शोध में अनुमान व्यकक्त् किया गया है कि प्रारंभिक बाल्या वस्थाट में निवेश से 13-18 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है–जो शिक्षा या नौकरी के प्रशिक्षण के किसी भी अन्य चरण से अधिक है। ईसीसीई के आर्थिक और सामाजिक दोनों ही प्रकार के महत्व को समझते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पोषण भी पढ़ाई भी नामक एक पहल शुरू की है, जिसने आंगनवाड़ी केंद्रों को जीवंत प्रारंभिक शिक्षा केंद्रों में तब्दीएल कर दिया है। आंगनवाड़ी कार्यकताओं को पहली बार स्थानीय और स्वदेशी सामग्रियों का उपयोग कर गतिविधि-आधारित और खेल-उन्मुख दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यवस्थित रूप से ईसीसीई में प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिक्षण-अधिगम सामग्री के लिए बजट आवंटन में भी पर्याप्त वृद्धि की गई है, और मासिक ईसीसीई दिवसों को संस्थागत रूप दिया गया है। आज, आंगनवाड़ी केंद्र केवल पोषण का स्थान नहीं है–यह प्रत्येक बच्चे की पहली पाठशाला है, जो जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्षों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और समग्र विकास का पोषण करती है। मंत्रालय ने इस परिवर्तन को दिशा देने के लिए 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम-आधारशिला, की शुरूआत की है। आधारशिला बच्चों के केवल बौद्धिक विकास पर ही नहीं, बल्कि भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक कल्याण पर भी जोर देते हुए समग्र विकास पर केंद्रित है। यह खेल के माध्यम से सीखने की व्यीवस्थित प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है, जिससे बच्चों को सहयोगपूर्ण वातावरण में बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिलता है। बच्चे खेलने के प्रति सहज रूप से आकर्षित होते हैं - अपनी दुनिया के कोने-कोने को खोज और आनंद के स्थान में तब्दी ल कर देते हैं। सही वातावरण के साथ यह प्रवृत्ति आजीवन सीखने की नींव बन जाती है। पोषण भी पढाई भी सुरक्षित, व्यनवस्थित और प्रेरक वातावरण प्रदान करके इस भावना को पोषित करती है जहाँ बच्चे निर्देशित खेल और शिक्षा के माध्यम से फल-फूल सकते हैं। प्रारंभिक बाल्यॉंवस्थो देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) हमारे देश के भविष्य को आकार देने में बुनियादी भूमिका निभाती है। पोषण भी पढाई भी पहल के तहत, देश भर के आंगनवाड़ी केंद्रों को समग्र प्रारंभिक शिक्षा के लिए पोषण स्थलों में बदला जा रहा है। व्यंवस्थित आधारशिला की 5+1 साप्ताहिक योजना यह सुनिश्चित करती है कि दिन की शुरूआत 30 मिनट के उन्मुक्तिध खेल से हो, उसके बाद भाषा, रचनात्मकता, मोटर स्किल और सामाजिक संपर्क को बढ़ाने वाली व्यमवस्थित गतिविधियाँ हों। दोपहर के पौष्टिक भोजन और आराम के बाद, दिन का समापन बाहरी खेल और बातचीत के साथ होता है, जो मूल्यों को सुदृढ़ करता है और भावनात्मक संबंध बनाता है। व्यवस्थित और निर्बाध खेल के प्रति यह संतुलित दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के आलोक में, जिसने औपचारिक स्कूल प्रवेश की आयु को छह वर्ष कर दिया है। व्यकवस्थित ईसीसीई यह सुनिश्चित करती है कि बच्चे भावनात्मक, सामाजिक और संज्ञानात्मक रूप से स्कूल के लिए तैयार हों। देश भर के अभिभावकों का बढ़ता विश्वास वास्तव में उत्साहजनक है।

भागवत की मंशा पर शक क्यूं?

- मुस्ताअली बोहरा

ज्यादा दिन पुरानी बात नहीं जब अखिल भारतीय इमाम संगठन के तत्कालीन प्रमुख इमाम उमर अहमद इलियासी ने मीडिया से बात करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत का राष्ट्रऋषि बता दिया था। पिछले काफी वक्त से भागवत हिन्दू-मुसलमान एकता को लेकर प्रयासरत हैं। हाल ही में उन्होंने कहा कि जब से इस्लाम भारत में आया है तब से यहीं है और यहीं रहेगा। बात बिल्कुल सहीं है, इस्लाम भी यहीं रहेगा और मुसलमान भी। भारत के मुसलमान वो हैं जिनका एतबार लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक सद्भाव में था। जिन को इस्लामिक वतन चाहिए था वो बटवारे के वक्त पाकिस्तान चले गए थे। कुल मिलाकर, भागवत के बयानों की और भी सियासी वजह हो सकती है लेकिन भागवत के इन प्रयासों की सराहना तो की ही जानी चाहिए। एक वक्त था जब पॉपुलर फ्रंट आफ इंडिया यानि पीएफआई के तकरीबन सैकड़ा भर ठिकानों पर छापे, हिजाब विवाद, भाजपा प्रवक्ता नुपुर शर्मा के पैगंबर मोहम्मद साहब पर की गई टिप्पणी, ज्ञानवापी मस्जिद मसले, गौ हत्या और मॉब लिचिंग, लव जिहाद, धर्मान्तरण, उत्तरप्रदेश में मदरसो के सर्वे, अन्य कुछेक मस्जिदों और एतिहासिक इमारतों की खुदाई की मांग आदि मसलों के बीच आरएसएस चीफ मोहन भागवत की अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख इमाम उमर अहमद इलियासी से मुलाकात की थी। चूंकि, अखिल भारतीय इमाम संगठन का कार्यालय मस्जिद परिसर में है लिहाजा दिल्ली की मस्जिद में आएसएस प्रमुख का पहुंचना अपने आप में ही बड़ी बात रही। इमाम उमर इलियासी के पिता जमील इलियासी की मजार पर भी संघ प्रमुख पहुंचे, साथ ही इमाम के परिजनों से भी मुलाकात की। इसके बाद दिल्ली के ही आजाद मार्केट के एक मदरसे का दौरा किया और यहां बच्चों से मुलाकात की। इसके बाद उमर अहमद इलियासी ने मीडिया से बात करते हुए मोहन भागवत को राष्ट्रपिता और राष्ट्रऋषि बता दिया। भागवत के मस्जिद और मदरसे पहुंचने से लेकर हालिया बयान तक के पीछे जितने मुंह उतनी बातें वाली बात चरितार्थ हो रही है। कुछेक का तर्क है कि आरएसएस यूनिफॉर्म सिविल कोड और जनसंख्या नियंत्रण कानून के लिए माहौल तैयार कर रहा है। कुछ का कहना है कि अगले लोकसभा चुनाव के पहले संघ, मुसलमानों की नाराजगी को कम करने की कोशिश कर रहा है। भागवत से पहले संघ के पाँचवें सरसंघचालक कुप्पाहाली सीतारमय्या सुदर्शन भी इलियासी के परिजनों से मिलते रहे हैं लेकिन तब इतनी चर्चा नहीं हुई। भागवत के मस्जिद-मदरसों पर पहुंचने को लेकर बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई थी। मायावती ने कहा कि मस्जिद और मदरसे जाकर उलेमाओं से मिलने, फिर खुद को राष्ट्रपिता और राष्ट्रऋषि कहलवाने के बाद क्या भाजपा मस्जिद और मदरसों के प्रति अपने नकारात्मक रूख में बदलाव लाएगी। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने निशाना साधते हुए कहा कि मोहन भागवत जी अब आप अखलाक और बिलकिस बानो के परिवार से भी मिलें। बिलकिस बानो को न्याय दिलाएं। बलात्कारियों का सम्मान करने वालों के खिलाफ बयान दें जहां जहां निर्दोष मुसलमानों को आपके कार्यकताओं ने सताया है उनसे माफी मांगे अन्यथा आपका मस्जिद-मदरसा जाना केवल दिखावा होगा। संघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने पर देश की राजधानी दिल्ली में 26 से 28 अगस्त तक तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के आखिरी दिन मोहन भागवत ने कई मसलों पर अपनी राय रखी।

आज का राशिफल

मेष आप अपनी योग्यता और परिश्रम से कार्यस्थल पर सबका ध्यान आकर्षित करेंगे।

तुला दिन लाभ से भरा होगा। धन और करियर दोनों ही क्षेत्रों में संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

वृषभ आज भाग्य साथ देगा। कार्यक्षेत्र में नई योजनाओं की शुरुआत के लिए दिन शुभ है।

वृश्चिक व्यवसाय में किसी नए क्लाइंट से डील करते समय पूरी सतर्कता बरतें।

मिथुन आज दिन मिलाजुला रहेगा। अनावश्यक खर्चों के कारण आपका बजट असंतुलित हो सकता है।

धनु आज भाग्य साथ दे रहा है। धन संबंधी मामलों में ग्रहों की विशेष कृपा है।

कर्क आज दिन शुभ है और आपकी ईमानदारी और समर्पण का कार्यक्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

मकर दिन आर्थिक मामलों में काफी उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। धन के मामलों में मुश्किल हो सकती है।

सिंह आज दिन मिलाजुला रहेगा। मानसिक तनाव के कारण कार्यक्षेत्र में एकाग्रता की कमी हो सकती है।

कुंभ आज भाग्य साथ दे रहा है और दिन नवाचार और शोध कार्यों के लिए बहुत अनुकूल है।

कन्या भाग्य साथ दे रहा है। तर्कशक्ति और स्पष्टता कार्यक्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

मीन आज दिन शुभ है और आपको वित्तीय रूप से लाभ प्राप्त होगा।

विशेष

ना-टायर्ड, ना रिटायर्ड, मोदी प्रधानमंत्री बने रहेंगे

देश की राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत के 75 साल की उम्र पूरी होने पर रिटायर करने की बात चल रही थी। संघ की धमकियों के आगे जब मोदी नहीं झुके। तब संघ प्रमुख को कहना पड़ा, ना टायर्ड ना रिटायर्ड। उन्होंने कहा कि वह भी 80 साल की उम्र तक काम करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही कह चुके हैं।वह 75 साल की उम्र पूरा करने पर अपना पद नहीं छोड़ेंगे। सही है, समर्थ व्यक्ति के लिए कोई नियम कानून नहीं होते हैं। वह दूसरों के लिए नियम कानून बनाता है। संघ के 100 साल पूरे होने जा रहे हैं। इतना स्पष्ट हो गया है कि मोदी -भागवत अपना पद नहीं छोड़ेंगे।

मोदी और जिनपिंग के बीच प्रेमालाप

पिछले 7 वर्षों से भारत और चीन के संबंधों में बर्फ जमी हुई थी। अब यह बर्फ पिघलना शुरू हो गई है। रिश्तो की गर्माहट ने बर्फ को तेजी के साथ पिघलाना शुरू कर दिया है।30 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन पहुंच रहे हैं। वहां पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का प्रेमालॉप चीन और भारत के बीच नया इतिहास लिखने जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से मोदी के प्रति बेरुखी दिखा रहे है। उसके बाद से ही मोदी को नए फ्रेंड की तलाश थी।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1879: ब्रिटेन ने दक्षिण अफ्रीका में जुलू के साथ शांति संधि पर हस्ताक्षर किए. 1923: टोकियों में भूकंप से डेढ़ लाख से अधिक लोग मारे गए. 1939: जर्मनी ने पोलैंड पर हमला किया जिसके साथ द्वितीय विश्व युद्ध भड़क उठा. 1942: रास बिहारी बोस ने आजाद हिंद फौज का गठन किया था. 1945: जापान ने द्वितीय विश्वयुद्ध में अमरीकी युद्धपोत (मिसौरो) पर आत्म समर्पण किया था. 1947: भारतीय मानक समय लागू किया गया. 1950: उत्तर कोरियाई सैनिकों ने मेकांग नदी के पार कर कोरिया पर आक्रमण किया. 1956: जीवन बीमा कारोबार का राष्ट्रीयकरण किया गया. 1961: गुट निरपेक्ष देशों का पहला सम्मेलन बेलग्रेड (यूगोस्लाविया) में हुआ. 1965: पाकिस्तानी फौजों ने कश्मीर युद्ध विराम रेखा पार की. 1969: लीबिया में सेना ने सत्ता पर कब्जा किया.

दैनिक पंचांग

सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.53 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	तुला	09.04 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.18 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.34 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.40 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.26 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.59 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.29 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.09 बजे से
राहुकाल		मिथुन	00.08 बजे से
7.30 से 9.00		कर्क	02.21 बजे से
बजे तक		सिंह	04.37 बजे से

2025 वर्ष का 244 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 02.44 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 19.55 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 16.32 बजे को समाप्त।
करण बालव 13.55 बजे तदनन्तर कौलव 02.44 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 8.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 16'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872454
जूलियन दिन 2460919.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल
तारीख 08
विशेष गौरी पूजा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति 2016 मामले में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, जांच के लिए बनी फैक्ट फाइंडिंग कमेटी

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016 (हाईस्कूल शिक्षक बहाली) से जुड़ी याचिकाओं पर आज 1 सितंबर को फैसला सुनाते हुए अहम आदेश दिया है। अदालत ने इस मामले में दायर कुल 258 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जस्टिस डॉ एसएन पाठक की अध्यक्षता में एक सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया। अदालत ने कमेटी को निर्देश दिया है कि वह याचिकाकर्ताओं के दावों की जांच कर नियुक्ति की अनुशंसा करे। इस मामले में अधिवक्ता शेखर प्रसाद गुप्ता, चंचल जैन और अमृतांश वत्स समेत कई अधिवक्ताओं ने पैरवी की। गौरतलब है कि यह प्रतियोगिता परीक्षा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से वर्ष 2016 में शुरू की गयी थी। परीक्षा के जरिए कुल 17,572 पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति की जानी थी।

हाई स्कूल शिक्षक नियुक्ति में आया बड़ा फैसला,फैक्ट फाइंडिंग कमेटी करेगी मेरिट लिस्ट की जांच

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट ने हाई स्कूल शिक्षक नियुक्ति से संबंधित एक अहम फैसला सुनाया है। जस्टिस दीपक रोशन की कोर्ट ने हाई स्कूल मेरिट लिस्ट की जांच के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया है। इसका नेतृत्व सेवानिवृत्ति जस्टिस एसएन पाठक करेंगे। प्रार्थियों की ओर से हाई स्कूल शिक्षक नियुक्ति की मेरिट लिस्ट को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। झारखंड हाई कोर्ट में इससे संबंधित 252 याचिकाएं दाखिल की गई थीं। प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार, चंचल जैन और तेजस्विता सफलता ने अदालत को बताया था कि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार शिक्षक नियुक्ति से संबंधित मेरिट लिस्ट जारी नहीं की गई है। इसमें कई त्रुटियां हैं। इसलिए एक सदस्य जांच आयोग का गठन किया जाना चाहिए। जबकि सरकार की ओर से कहा गया था कि मेरिट लिस्ट में कोई त्रुटि नहीं है। सरकार के अनुसार सब कुछ सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत ही जारी किया गया है। बता दें कि इस संबंध में मीना कुमारी सहित अन्य की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी।

रामगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज में रैगिंग केस में कार्रवाई, छह छात्रों पर मामला दर्ज

रांची, एजेंसी। शैक्षणिक संस्थानों पर रैगिंग जैसी गतिविधियां सख्त मना है। इसको लेकर कड़े नियम बनाए गए हैं। फिर भी रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं। ताजा केस झारखंड के रामगढ़ जिले में रैगिंग और एक जूनियर छात्र की पिटाई के मामले में छह छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह घटना शनिवार को रामगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज, मुरुबांदा गांव में घटी। पुलिस के मुताबिक, बीटेक प्रथम वर्ष के एक छात्र ने जब नेशनल एंटी रैगिंग सेल (ह्वत्रष्ट) में शिकायत की, तो दूसरे वर्ष के कुछ छात्रों ने उसकी पिटाई कर दी। फिलहाल पीड़ित छात्र का इलाज रामगढ़ सदर अस्पताल में चल रहा है। रामगढ़ के पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि रा़जप्पा थाना क्षेत्र में पीड़ित छात्र की शिकायत पर त्रश्वष्ट के सीनियर छात्रों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। जांच शुरू हो गई है, हालांकि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।卐 उन्होंने कहा कि कॉलेज प्रबंधन को कैंपस में रैगिंग रोकने के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। कॉलेज के उपप्राचार्य नजमुल इस्लाम ने बताया कि पीड़ित छात्र बोकारो जिले के फुसरो प्रखंड का रहने वाला है और कंप्यूटर साइंस का प्रथम वर्ष का विद्यार्थी है। उसने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद कुछ दूसरे वर्ष के छात्रों ने उस पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद कॉलेज की एंटी रैगिंग सेल की बैठक बुलाई गई, जिसमें कैंपस में रैगिंग रोकने के उपायों पर चर्चा हुई। कॉलेज प्रबंधन ने आश्वासन दिया है कि दोषी छात्रों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रांची एयरपोर्ट का नया शिड्यूल जारी, अब कई शहरों के लिए मिलेगी कनेक्टिंग फ्लाइट, दिल्ली के लिए 7 विमान

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट प्रबंधन ने 01 से 30 सितंबर तक के लिए विमानों के आगमन और प्रस्थान को लेकर नया शिड्यूल जारी किया है। नये शिड्यूल के अनुसार बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से 3 विमानों की संख्या घटी है। रांची से 27 की जगह अब 24 विमान हो गये हैं। रांची से इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान नियमित संचालित हो रहे हैं। नए शिड्यूल के अनुसार अब रांची से दिल्ली के लिए 7, और बेंगलुरु ले किये 4 सीधी फ्लाइट है। वहीं मुंबई और कोलकाता के लिए 3-3 विमान है। रांची से हैदराबाद के लिए 2 फ्लाइट्स हैं। वहीं पटना, अहमदाबाद, भुवनेश्वर, चेन्नई और पुणे के लिए रोजाना एक-एक विमान है। इसके अलावा अब बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से यात्रियों को कई शहरों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट की सुविधा मिलेगी। एयरपोर्ट निदेशक आरआर मौर्या ने बताया कि यात्रियों को भुवनेश्वर, विशाखापत्तनम, इंदौर, त्रिवेंद्रम और गुवाहाटी के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट मिलेगी।

सड़क हादसे में मौत में झारखंड चौथे नंबर पर

2023 में कुल 4173 मौतें, इनमें 718 सड़क पर पैदल चलने वाले

रांची, एजेंसी। सड़क हादसे में होने वाली मौतों में झारखंड देश में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। वर्ष 2023 में राज्य में सड़क हादसे में 4173 लोगों की मौत हुई। जबकि 2020 में यह आंकड़ा 3044 था। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की रोड एक्सीडेंट इन इंडिया-2023 की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक सड़क हादसे में 10.5प्रतिशत मृत्यु दर सिक्किम में है। वहीं बिहार में 8.96प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 8.83प्रतिशत और झारखंड में 8.24प्रतिशत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि झारखंड में अधिकतर मौतें तेज रफ्तार के कारण हो रही हैं। राज्य में पैदल चलने वाले लोग भी सुरक्षित नहीं हैं। वर्ष 2023 में पैदल चलने वाले 588 पुरुष और 130 महिलाओं की हादसे में जान गई। वहीं साइकिल सवार 126 लोगों की भी सड़क हादसे में जान चली गई।

लापरवाही के साथ सड़क पर गड्ढे भी हैं हादसे की वजह : सड़क हादसे का एक बड़ा कारण सड़क इंजीनियरिंग, नियमों का पालन न करना और लापरवाह ड्राइविंग है। रिपोर्ट के मुताबिक 68प्रतिशत मौतें तेज रफ्तार की वजह से हुई। वहीं 2,161 मौतों का कारण सड़क पर गड्ढे हैं। इससे साफ है कि केवल ड्राइवरों की लापरवाही ही नहीं, बल्कि अधूरी और अव्यवस्थित सड़क भी हादसों की बड़ी वजह बन रही हैं। सड़क हादसे केवल आंकड़े नहीं हैं, यह किसी परिवार की दुनिया उजाड़ने वाली त्रासदी है।

शहरों से ज्यादा ग्रामीण इलाके में हादसे: रिपोर्ट में कहा गया है कि झारखंड में शहरी इलाके से ज्यादा ग्रामीण इलाकों में हादसे हुए। जनवरी, मई और दिसंबर से सबसे ज्यादा दुर्घटना हुई। नेशनल हाइवे पर 798 हादसे दोपहिया वाहन की हुई। इनमें 560 लोगों की मौत हुई। वहीं चार पहिया वाहन से 305 हादसे में 284 लोगों ने जान गंवाई। बस की भी 51 दुर्घटना हुई, जिनमें 51 लोगों की मौत हुई। वहीं तेज रफ्तार के कारण 1403 हादसे हुए, जिनमें 1174 लोगों की जान चली गई।

रॉन्ग साइड में चलने की वजह से 171 हादसे हुए, जिनमें 120 लोगों की मौत हुई। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए 42 हादसे हुए, इनमें 28 की मौत। 797 एक्सीडेंट आमने-सामने हुए, जिनमें 631 लोगों की मौत हो गई। आवासीय क्षेत्र में 1417 हादसे में 1134 और कॉमर्शियल क्षेत्र में 900 हादसे में 567 की मौत।

घाटशिला में उपचुनाव से पहले बढ़ी सियासी सरगर्मी, चंपई सोरेन की नई पोस्ट ने फिर बढ़ाई हलचल

घाटशिला, एजेंसी। घाटशिला विधानसभा में आने वाले कुछ माह में उपचुनाव तय है। ऐसे में यहां राजनीतिक गतिविधियां बढ़ने लगी है। इन दिनों प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के इंटरनेट मीडिया पेज पर जोहार घाटशिला खूब चर्चाओं में है। अब नई पोस्ट ने एक बार फिर घाटशिला में चर्चाओं व राजनीतिक हलचल को बढ़ा दिया।

दरअसल, चंपई सोरेन रविवार को घाटशिला की भूमि से जोहार घाटशिला लिखकर एक तस्वीर अपने इंटरनेट मीडिया पेज पर पोस्ट की। जिसे आगामी विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर तैयारियों के नजरों से देखा जा रहा था।

इधर उक्त पोस्ट के डालने के बाद बढ़ी राजनीतिक हलचल के महज 20 घंटे के अंदर ही दोबारा चंपई ने अपने इंटरनेट मीडिया पेज पर जोहार घाटशिला लिखकर एक पोस्ट शेयर कर दिया। इस बार पोस्ट अपने पुत्र बाबूलाल सोरेन के तस्वीर के साथ की।

तस्वीर पुरानी है, लेकिन उसमें चंपई के पीछे उनके पुत्र चलते नजर आ रहे। बाबूलाल घाटशिला विधानसभा से बीते चुनाव में भाजपा प्रत्याशी बने थे, लेकिन तमाम कोशिशों के बाद भी जीत नहीं पाए।

ऐसे में रामदास सोरेन के महज कुछ माह के बाद ही निधन होने से ये सीट दोबारा खाली हो गई। अब दोबारा इस सीट पर उपचुनाव होंगे। इस बीच चंपई सोरेन के लगातार घाटशिला विधानसभा में सक्रिय होने व ऐसे इंटरनेट मीडिया पेज के पोस्ट ने राजनीतिक रूप से हलचल को बढ़ाया है।

दोबारा किए गए पोस्ट में चंपई के पीछे पुत्र बाबूलाल सोरेन की तस्वीर ये संदेश देता की चंपई ने बेटे के लिए इस सीट पर चहलकदमी बढ़ा दी है। हालांकि उपचुनाव में भाजपा किसे उम्मीदवार बनाएगी ये फिलहाल तय नहीं हुआ है।

परंपरा की विरासत को पीढ़ी दर पीढ़ी बढ़ाना है : शिल्पी

रांची, एजेंसी। झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि जनी शिकार उरांव जनजाति द्वारा हर 12 साल पर मनाया जाने वाला पारंपरिक उत्सव है। यह मुगलों के खिलाफ आदिवासी महिलाओं की रोहतासगढ़ किले पर जीत की याद दिलाता है। इस आयोजन में पुरुषों के वस्त्र पहनकर महिलाएं शिकार के लिए निकलती हैं। ये महिलाओं की वीरता और साहस को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि ऑल आदिवासी वीमेंस एसोसिएशन ऑफ असम ने 2025 से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत की है, जो वर्षों से चली आ रही है। परंपरा की विरासत को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाना है।

मंत्री शिल्पी रविवार को असम के डिब्रूगढ़ जिला पुस्तकालय सभागार में आयोजित ÷जनी शिकार उत्सव- 2025' में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थीं। कार्यक्रम का आयोजन ऑल आदिवासी वीमेंस एसोसिएशन ऑफ असम एवं ऑल आदिवासी स्टूडेंट एसोसिएशन ऑफ असम के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। इस उत्सव में यूनेस्को की को-चेयरपर्सन डॉ. सोना झरिया मिंज सहित भी शामिल थीं। इससे पूर्व कृषि मंत्री असम प्रदेश कांग्रेस की तरफ से आयोजित बीएलए ट्रेनिंग में शामिल हुईं। इस मौके पर असम कांग्रेस के तमाम वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। मंत्री शिल्पी ने कहा कि आज 'वोट चोर-गद्दी छोड़' का नारा राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन का रूप लेता जा रहा है।

गणेश प्रतिमा जुलूस के दौरान हादसा, करतब दिखाने में झुलसा युवक

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा के जयनगर थाना क्षेत्र के जयनगर बाजार में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान हादसा हो गया। जुलूस में करतब दिखाने के प्रयास में 25 वर्षीय युवक अनिल यादव आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया। गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल स्थानीय क्लिनिक होते हुए कोडरमा सदर अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। घायल अनिल यादव जयनगर थाना क्षेत्र के लोहाडण्डा ऊपर टोला निवासी है।

भव्य जुलूस के दौरान हुआ हादसा : मिली जानकारी के अनुसार सार्वजनिक गणपति पूजा समिति जयनगर एवं तूफान क्लब की ओर से भव्य जुलूस निकाला जा रहा था। समिति के अध्यक्ष सुनील सिंह ने बताया कि जुलूस देवी मंडप से शुरू होकर जयनगर बाजार और डोमचांच मोड़ स्थित एक अन्य देवी मंदिर तक गया। इसके बाद प्रतिमा का विसर्जन जयनगर की पूरब नदी में किया जाना था। जुलूस पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा था, इसी दौरान यह अप्रिय घटना घटी।

करतब दिखाने में लगी आग : प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घायल युवक कहां से आया और किससे जुड़ा था, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। अचानक उसने अपने मुंह में पेट्रोल भरकर माचिस जलाकर करतब दिखाने की कोशिश की। उसी दौरान उसकी दाढ़ी में पहले से लगे पेट्रोल में आग लग गई। वह लपटों की चपेट में आ गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत आग बुझाई और उसे पास के क्लिनिक ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

अस्पताल में जारी है इलाज : घायल युवक अनिल यादव ने बताया कि करतब दिखाने के क्रम में उनसे चूक हो गई, जिसके कारण वे झुलस गए। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है और चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद जुलूस में शामिल लोगों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि समिति के सदस्यों और स्थानीय प्रशासन की तत्परता से स्थिति नियंत्रण में आ गई। आयोजन समिति ने कहा है कि भविष्य में ऐसे अनजान लोगों को जुलूस में घुसकर खतरनाक करतब दिखाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

गिरिडीह में पैसों के विवाद में युवक की हत्या, गांव में तनाव का माहौल

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र के मुंडराडीह गांव में रविवार की देर रात गांव के 35 वर्षीय अनाउल अंसारी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार, अनाउल अपनी पत्नी लाड़ली बानो के साथ पुराने घर से खाना खाकर नए घर जा रहा था। इसी दौरान गांव की मस्जिद के पास पहले से घात लगाए बैठे मो. मकसूद और उसके परिजनों ने उन्हें घेर लिया और चाकू से हमला कर दिया। पत्नी के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक अनाउल गंभीर रूप से घायल हो चुका था।

ग्रामीणों की मदद से घायल अनाउल को गिरिडीह सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। मृतक के तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं, जबकि वह चार महीने पहले ही मुंबई से काम छोड़कर गांव लौटा था। मृतक के चाचा मो. हुसैन और पिता मो. जमाल अंसारी ने आरोप लगाया है कि यह हत्या एक सोची-समझी साजिश के तहत की गई है। उन्होंने बताया कि अनाउल का कुछ लोगों के साथ पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। परिवार का कहना है कि इसी रंजिश में साजिश रचकर अनाउल की हत्या की गई है।

घटना की सूचना मिलते ही बेंगाबाद थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। सब इंस्पेक्टर रणधीर कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है। प्रारंभिक जांच में पैसों के विवाद की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी है।

हत्या की इस घटना से गांव में तनाव का माहौल है। लोग आक्रोशित हैं और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की है। साथ ही जल्द ही आरोपियों को पकड़ने का आश्वासन दिया है।

चाईबासा में दिनदहाड़े बैंक में रुपये जमा करने गए पेट्रोल पंप कर्मियों पर हमला बोला, 5 लाख रुपये लूट कर फरार

चाईबासा, एजेंसी। शहर के बीचो बीच बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा के बाहर सोमवार सुबह बड़ी लूट की वारदात हुई। गांधी मैदान के पास स्थित आइबीपी पेट्रोल पंप के मालिक पुनीत सेठिया के दो कर्मचारी विमलेश कुमार और संजय नंदी बैंक में रुपये जमा करने पहुंचे थे। दोनों के पास करीब पांच लाख रुपये थे।

सुबह लगभग 10꞉30 बजे जैसे ही दोनों बैंक के गेट के पास पहुंचे, पहले से घात लगाए तीन अपराधियों ने उन पर हमला कर दिया। बदमाशों ने रिवॉल्वर के बट से हमला कर विमलेश कुमार को घायल कर दिया और हथियार का भय दिखाकर रुपये से भरा बैग लूटकर फरार हो गए।

घटना स्थल पर दिन में भीड़भाड़ रहती है, लेकिन किसी ने भी अपराधियों को रोकने की हिम्मत नहीं की। पूरी वारदात बैंक के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी तरुण कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायल विमलेश को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अपराधियों की तलाश जारी है। अपराधी जिस ओर भागे हैं, उधर की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है।

फलदार पौधों से बढ़ी झारखंड की हरियाली, किसान भी हो रहे मालामाल; ब्लैकबेरी और संतरे पर रिसर्च जारी

रांची, एजेंसी। राज्य के आबादी वाले हिस्सों में ग्रीन कवर (हरियाली) बढ़ी है। एक करोड़ 58 लाख 90 हजार से अधिक फलदार पौधे बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत लगाए गए हैं। जबकि 58 लाख इमारती लकड़ियों के पौधे सड़क किनारे लगाए गए हैं।

राज्य के कुल ग्रीन कवर में इसने तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। एक लाख 45 हजार एकड़ में हुए पौधरोपण ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति दी है। आदिवासी बहुल गुमला और लोहरदगा जिले में सबसे ज्यादा पौधे लगाए गए हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में आम, अमरूद और नाशपाती जैसे फलों में राज्य आत्मनिर्भर तो हुआ ही है, बाहर के राज्यों में भी इसे भेजा जा रहा है। ग्रामीण विकास विभाग की इस योजना में खाली पड़ी जमीन में पौधरोपण के लिए सरकार सहायता देती है। राज्य के 264 प्रखंडों में यह योजना चलाई जा रही है।

छोटानागपुर के जंगलों से सटे गावों में ब्लैकबेरी और संतरे के पौधे लगाने पर विचार किया जा रहा है। कृषि विज्ञान केंद्र के विज्ञानी सलाहकार संजय पांडे ने बताया कि इन पौधों की नई वेराइटी यहां के पर्यावरण के अनुकूल है।

पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय ने वर्षों से बंजर जमीन में वनीकरण के लिए पौधों की नई वेराइटी तैयार की है। इस साल दिसंबर में एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत ये पौधे लगाए जाएंगे। कोडरमा में इसके लिए निजी भूमि का चयन किया गया है।

धनबाद का यह पूजा पंडाल होगा खास, वडोदरा के प्रसिद्ध लक्ष्मी विलास पैलेस में विराजेंगी मां दुर्गा

धनबाद, एजेंसी। स्टीलगेट का दुर्गोत्सव पिछले 37 वर्षों से धनबाद जिले का मुख्य आकर्षण बना हुआ है। हर वर्ष अलग-अलग थीम पर तैयार होने वाले इस भव्य आयोजन का इंतजार भक्तों को सालभर रहता है। इस बार श्रीश्री दुर्गा पूजा कमेटी, सरायढेला, कोलाकुसमा ग्राम पंचायत शिव मंदिर परिसर कमेटी गुजरात के वडोदरा स्थित ऐतिहासिक लक्ष्मी विलास पैलेस की तर्ज पर पंडाल तैयार कर रही है। पूरे आयोजन का बजट लगभग 30 लाख रुपये है।

इसमें से सिर्फ पंडाल निर्माण पर ही करीब 16 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं। पश्चिम बंगाल के कलाकार इस पंडाल को आकार दे रहे हैं। मां दुर्गा की प्रतिमा भी बंगाल के कारीगरों द्वारा बनायी जा रही है। इसपर लगभग तीन लाख रुपये खर्च होंगे। इस वर्ष प्रतिमा की सजावट में पूरी तरह से प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा मां दुर्गा और अन्य देवी-देवताओं के आभूषण विभिन्न प्रकार के बीजों से बनाये जा रहे हैं। सरायढेला स्टीलगेट दुर्गोत्सव अब महज पूजा का कार्यक्रम नहीं, बल्कि पूरे धनबाद की सांस्कृतिक धरोहर बन चुका है। यहां हर साल हजारों लोग दर्शन और मेले का आनंद लेने आते हैं। इस बार लक्ष्मी विलास पैलेस की झलक देने वाला पंडाल और बीजों से बने आभूषण भक्तों के लिए अद्वितीय अनुभव साबित होंगे।

पंडाल और प्रतिमा के साथ यहां लगने वाला मेला भी लोगों के आकर्षण का बड़ा केंद्र होगा। इस वर्ष यह मेला सात अक्तूबर तक चलेगा। इसी दिन मुख्य प्रतिमा का विसर्जन किया जायेगा। हालांकि जिस प्रतिमा की पूजा की जाएगी, उसका विसर्जन तीन अक्तूबर को संपन्न होगा। अध्यक्ष शंकर प्रसाद सिंह, सचिव प्रेम चंद्र मंडल, उपाध्यक्ष गोकुल चंद्र महतो, प्रेम प्रकाश साव, संयुक्त सचिव हेमंत कुमार मंडल, तपन मंडल, मथुरा प्रसाद महतो, अनिल चंद्र कुंभकार, कोषाध्यक्ष विद्यापति दास, सह-कोषाध्यक्ष संजय कुमार महतो के अलावा कार्यसमिति के 25 सदस्य हैं।

पूजा समिति के अध्यक्ष शंकर प्रसाद सिंह ने कहा कि हमारा प्रयास हमेशा यही रहता है कि भक्तों को कुछ नया और यादगार देखने को मिले। इस बार लक्ष्मी विलास पैलेस की तर्ज पर पंडाल तैयार किया जा रहा है।

रिश्ते में फिर से नए रंग भरना चाहती हैं तो आजमाइए ये टिप्स

जीवन में मध्य काल को पार करने के बाद बहुत से दंपती की रोमांस में दिलचस्पी का कम होते जाना स्वाभाविक है। बहुत से दंपती यह सोचते हैं कि कब उनके साथ प्यारभरी बातें की थी। शायद महीनों हो गए। नतीजा रिश्तों में कडवाहट के रूप में सामने आता है। यदि आप अपने बेजान होते रिश्ते में फिर से प्यार के नए रंग भरना चाहती हैं तो ये टिप्स आजमाइए।

वैवाहिक जिंदगी में अगर दूरियां जगह बनाने लगें तो समझिए आप दोनों का रिश्ता लंबा नहीं चल पाएगा। रिश्ते में फिर से गर्माहट लाने के लिए अपने पार्टनर के साथ नियमित रूप से प्यारभरी बातें करें। प्यार से जहां आपको संतुष्टि मिलेगी, वहीं पार्टनर भी आपके करीब आएंगे। शादी के बाद वाला रोमांटिक मूड बनाए रखने के लिए पत्नी हमेशा पति से खूब लाड लडाए, पति की हर मांग और इच्छा को पूरा करने के लिए खुशीखुशी तैयार रहे। पति उसके लिए कुछ अच्छा काम करें, तो पत्नी उन्हें दिल से धन्यवाद देना न भूले। इस रोमांटिक मौसम में एक खूबसूरती सी डेड प्लान करें, रिश्ते की रूमानियत बनाए रखने की जिम्मेदारी भी तो आपकी ही है। ऐसे में एक-दूसरे के साथ टाइम बिताने के लिए डिनर डेट प्लान करें।इतना बेस्ट मौका मिला है टीवी देखते समय, कार में बैठे हुए या साथ चलते हुए, एक-दूसरे का हाथ थामना न भूलें। पार्टनर का ये स्पर्श आपको उन दिनों की याद ताजा करा देगा जब एक-दूसरे का हाथ थामते ही आपके दिल की धडकनें तेज हो जाती थी। रोमांस करने से आत्मसम्मान में बढोत्तरी होती है। पार्टनर को अगर ऑफिस के काम का बोझ सत्ता रहा है, तो उसकी इस परेशानी को आप बहुत हद तक सेक्स के जरिए दूर कर सकते हैं। प्यार आपको साथी के करीब तो लाता ही है, साथ ही आपका तनाव भी दूर करता है। हफ्ते में दो से तीन बार रोमांस करने से ब्लड प्रेशर बराबर रहता है, जिससे स्ट्रेस लेवल कम होता है और ज्यादा खुश रहते हैं।

सीमित आय के साथ खरीदें अपने सपनों का घर

घर ख़रीदना एक बहुत बड़ा निवेश है। ख़ासतौर पर उनके लिए जिनकी आय सीमित है। अधिकांश युवाओं का मासिक वेतन 15 हज़ार रुपये प्रति माह से शुरू होकर लगभग 3 वर्षों में 25 से 30 हज़ार रुपये प्रति माह तक पहुंचता है। इसी में कई ख़र्चे पूरे करने होते हैं जिसके बाद घर का सपना पूरा कर पाना लगभग नामुमकिन लगने लगता है। इसी वर्ग को ध्यान में रखकर हम एक ऐसी रणनीति तैयार करेंगे ताकि हर कोई अपने घर का सपना साकार कर सके।

बजट से शुरुआत

सबसे पहले अपना बजट बनाएं। इस बात का प्रयास करें कि प्रारंभ में आप ऐसा घर ख़रीदें, जो आपके बजट में आता हो। बाद में उसे बेचकर प्राप्त राशि को डाउन पेमेंट की तरह प्रयोग करते हुए बड़े घर के लिए बड़ा लोन लेने पर विचार कर सकते हैं।

क्षेत्र का चयन

आमतौर पर शहर के व्यस्त या विकसित इलाक़ों में घरों की क़ीमतें अधिक होती हैं। इसलिए ऐसे इलाक़ों की खोज करें जहां अभी क़ीमतें कम हैं, लेकिन अगले 5 वर्षों में बढ़ने की संभावनाएं हैं।

ऋण की पात्रता जांच लें

कोई भी बैंक घर या फ्लैट की क़ीमत का शत-प्रतिशत लोन नहीं देता है। लोन की राशि घर की क़ीमत के 80 से 90 फ़ीसदी तक हो सकती है। आपके वेतन से होने वाली कटौतियों को भी ध्यान में रखा जाता है। कुल कटौतियां 60 फ़ीसदी से अधिक न हों, कुछ मामलों में यह 70 फ़ीसदी तक स्वीकार की जा सकती हैं।

डाउन पेमेंट

अब प्रश्न यह है कि घर की क़ीमत और बैंक लोन के अंतर को कैसे पाटा जाए। इस उद्देश्य से इन विकल्पों पर विचार करें-

- यदि आपके पास स्वर्ण आभूषण हैं और वो लॉकर में रखे हैं, तो उन्हें काम पर लगाएं। गोल्ड लोन आसानी से और कम ब्याज पर मिल जाता है, जिससे प्राप्त धनराशि का उपयोग आप डाउनपेमेंट अथवा मार्जिन भरने के लिए कर सकते हैं।
- पोस्ट ऑफिस के एनएससी, बीमा पॉलिसी, बैंक का फिक्स्ड डिपॉज़िट, शेयर और म्यूचुअल फंड के आधार पर भी लोन लेकर आप धन जुटा सकते हैं।

ईएमआई से पहले सिप

यदि लोन लेने के लिए आपके पास कुछ भी उपलब्ध नहीं है, तो कुछ वर्षों के लिए लोन लेने के विचार को स्थगित करें। ईएमआई का तनाव लेने से अच्छा है कि आप हर महीने किसी अच्छे इक्विटी म्यूचुअल फंड में एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इंवेस्टमेंट की योजना बनाएं।

आवास योजना भी एक विकल्प है

यह पता लगाएं कि आपके शहर में विकास प्राधिकरण की एलआईजी और एमआईजी आय वर्ग के लिए क्या कोई आवास योजना है। प्राय: सभी बड़े शहरों में निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए आवास योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिन शहरों और क़स्बों में प्राधिकरण नहीं है, वहां हमें प्रधानमंत्री आवास योजना के विषय में पता करना चाहिए। अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम के अंतर्गत भी सस्ते घर बनाए जा रहे हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत बनाए जा रहे घरों की क़ीमतें काफ़ी किफ़ायती होती हैं।

ड्रेस सलेक्ट करते समय रखें कलर का खास ख्याल

करते समय सिर्फ उस आउटफिट के वर्क और स्टाइल पर ही ध्यान नहीं दिया जाता बल्कि उसके कलर का भी खास ख्याल रखा जाता है, क्योंकि हर कलर हर महिला पर सूट करें ये जरूरी नहीं। इसलिए आउटफिट सेलेक्ट करते समय कलर का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। वैसे कलर सिर्फ आपके कॉम्पलेक्शन को ही नहीं, बल्कि फिगर को भी कॉम्प्लीमेंट करता है। जी हां अगर आप स्लिम लुक चाहती है, तो आपको ड्रेस सलेक्ट करते समय उसके कलर का भी खास ख्याल रखना चाहिए। यदि आप कलर पर ध्यान नहीं देती है, तो ये आपके पूरे लुक को बिगाड़ सकता हैं। अगर आपकी बॉडी थोड़ी हैवी है, और आप स्लिम दिखना चाहती है, तो आपको आउटफिट के स्टाइल के साथ ही उसके कलर का खास ध्यान रखने की जरूरत हैं। आइए जानते है कुछ ऐसे कलर के बारे में जो आपको स्लिम लुक दे सकते हैं। अगर आप स्लिम लुक चाहती है, तो अपने वार्डरोब में डार्क कलर को जगह दें। आप डार्क कलर में स्लिम नजर आती है। आप डार्क कलर में ब्लैक, नेवी ब्लू, चॉकलेट ब्राउन या डार्क ग्रे शेड्स चुन सकती है। यह आपको स्लिम लुक देगा। अगर आप स्लिम लुक चाहती है तो मोनोक्रोमैटिक रंग पहनें। मोनोक्रोमैटिक शेड्स पहनने से आपके शरीर का बल्की एरिया पतला नजर आता है। जैसे की हमने पहले ही कहा की कलर के साथ स्टाइल का भी आपको ख्याल रखना है, स्लिम दिखने के लिए सिर्फ एक ही कलर पर आप टिकी न रह जाएं बल्कि इसके बजाय आप डार्क और लाइट शेड्स का कॉम्बिनेशन के साथ भी ट्राई करें। इससे आप स्लिम और स्टाइलिश लुक पा सकती है।

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

परिवार और खुद को ऐसे सुरक्षित रखें

आजकल 'सायबर किडनैपिंग' शब्द काफ़ी चर्चा में है। अन्य ऑनलाइन ठगी की तरह सायबर किडनैपिंग भी सायबर क्राइम का एक तरीक़ा है। इसमें अपराधी इंटरनेट की मदद से व्यक्ति की सारी जानकारी इकट्ठी करता है और फिर उसे कॉल करता है। वह व्यक्ति को धमकाकर, डराकर और परिजनों को नुक़सान पहुंचाने का हवाला देकर उसकी बताई हुई जगह पर जाने के लिए कहता है। वीडियो कॉल या फोटो मांगकर उस पर नज़र रखता है। वहीं दूसरी तरफ़ व्यक्ति के घर पर फोन करके और नक़ली तस्वीरें या वीडियो भेजकर उसके अपहरण का दावा करता है। जबकि असल में अपहरण होता ही नहीं है। कुछ अपराधी पीड़ित व्यक्ति की नक़ली तस्वीर, आवाज़ या वीडियो बनाने के लिए एआई का सहारा ले रहे हैं। अपराधी किसी को भी अपना शिकार बना सकते हैं। लेकिन वो लोग या छात्र अधिक जोखिम में हैं जो परिवार से दूर अन्य राज्य या देश में रहते हैं।

सोशल मीडिया का सावधानी से इस्तेमाल

सोशल मीडिया या मैसेंजर पर अपनी निजी जानकारी ध्यान से साझा करें। परिवार में कौन, कहां रहता है या दिनचर्या क्या है, इसे साझा करने के बचें। कई लोग घर जाने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं कि वे कितने दिनों बाद अपने घर-शहर आए हैं। कई लोग अपने प्लानर की तस्वीर भी साझा करते हैं, जिसमें कई ऐसी जानकारियां या दिनचर्या लिखी हो सकती हैं जिन पर अपराधी की नज़र जा सकती है। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से बचें। मोबाइल का सॉफ्टवेयर अपडेटेड रखें। मज़बूत पासवर्ड रखें। इनकी मदद से भी ठग आप तक पहुंच सकता है।

कैसे बच सकते हैं सायबर किडनैपिंग से

पहले सबूत जुटाएं...

ठग से सबूत के तौर पर पीड़ित से बात कराने के लिए कहें। अगर वो किसी और व्यक्ति को पीड़ित बनाकर बात कराए तो उससे निजी सवाल के जवाब मांग सकते हैं। सवाल ऐसे होने चाहिए जिनका जवाब केवल पीड़ित और आप जानते हों, जैसे कि कोई यादगार लम्हा या हास्य पल आदि। अगर बात करने से वो इंकार करता है तो उसे सवाल पूछने के लिए कहें।

समझदारी से काम लें...

अपराधी की आवाज़ ध्यान से सुनें। उसके बोलने के तरीक़े और पीछे से आने वाली आवाज़ पर ध्यान दें। इससे अपराधी तक पहुंचने में मदद मिल सकेगी। अगर हो सके तो उसी वक़्त दूसरे फोन से पीड़ित से संपर्क करें। उसकी सुरक्षा सुनिश्चित होते ही पता लग जाएगा कि फोन ठगी के लिए है।

मदद ज़रूर लें...

इस तरह के फोन आने पर घबराएं नहीं। उसके कहने पर फौरन कोई फ़ैसला लेने से बचें। ठग कुछ भी करने के लिए कहता है तो उस समय उसको हां कह दें ताकि उसे लगे कि आप उसकी बात मान रहे हैं। लेकिन उसके बाद पुलिस और सायबर सेल की मदद लें।

परिवार को बताएं...

अगर सायबर किडनैपिंग का शिकार बनाने की मंशा से ठग कॉल करता है तो फौरन इसकी जानकारी परिवार को दें ताकि वे भी सचेत हो जाएं। सबूत के लिए ठग की कॉल रिकॉर्ड करें या मैसेज का स्क्रीनशॉर्ट ले लें।

डॉलर से दूरी, सोने से प्यार... विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने नया तरीका आजमा रहा भारत?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के लिए एक नया तरीका अपनाया है। अब रिजर्व बैंक अमेरिकी ट्रेजरी बिलों की बजाय सोने में ज्यादा निवेश कर रहा है। इसका मतलब है कि भारत सरकार अपनी बचत को सिर्फ डॉलर में रखने के बजाय अलग-अलग कीमती चीजों में बांट रही है। यह बदलाव दुनिया भर में हो रहा है, क्योंकि कई देश अब डॉलर पर पूरी तरह से निर्भर नहीं रहना चाहते। अमेरिका के ट्रेजरी विभाग और रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत ने पिछले साल के मुकाबले इस साल जून में अमेरिकी ट्रेजरी बिलों में कम निवेश किया। लेकिन सोने का भंडार बढ़ा दिया है। फिर भी, भारत अमेरिकी ट्रेजरी बिलों में निवेश करने वाले टॉप 20 देशों में शामिल है। यह सऊदी अरब और जर्मनी से भी आगे है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार जून 2025 में भारत के पास 227 अरब डॉलर के अमेरिकी ट्रेजरी बिल थे। पिछले साल जून में यह आंकड़ा 242 अरब डॉलर था।

भारत और चीन की बढ़ती व्यापारिक नजदीकी बढ़ाएगी अमेरिका की बेचैनी

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग की मुलाकात ने एशियाई व्यापारिक राजनीति की दिशा बदलने वाले संकेत दिए हैं। असली सवाल है, क्या भारत-चीन का संभावित आर्थिक तालमेल अमेरिका की उस रणनीति को चुनौती देगा, जिसे उसने इंडो-पैसिफिक में मजबूती से गढ़ा था?

अमेरिकी और पश्चिमी थिंक टैंक का मानना है, भारत-चीन के बीच बढ़ती व्यापारिक नजदीकी वाशिंगटन की बेचैनी में लगातार इजाफा करेगी। वाशिंगटन का ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन कहता है कि भारत-चीन आपूर्ति श्रृंखला पर कामयाब साझेदारी करते हैं तो अमेरिका पर दोगुना दबाव पड़ेगा। लंदन का चैथम हाउस ने कहा, अमेरिका को समझ लेना चाहिए कि एशिया केवल उपभोक्ता नहीं बल्कि रणनीतिक साझेदार भी बन रहा है।

काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस का कहना है, भारत-चीन क्षेत्रीय व्यापार ढांचा गढ़ते हैं, तो यह अमेरिका के लिए दोहरी चोट होगी। पहली, निर्यातकों पर प्रतिस्पर्धा का दबाव और दूसरी, इंडो-पैसिफिक में अमेरिकी क्षरण। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने कहा, भारत-चीन में व्यापारिक गर्माहट एशियाई अर्थव्यवस्था के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। रूसी अर्थशास्त्री और ब्रिक्स के प्रमुख रणनीतिकार सर्गेई ग्लाजयेव ने कहा, भारत-चीन व रूस स्थानीय मुद्राओं या ब्रिक्स के वैकल्पिक भुगतान तंत्र का उपयोग करते हैं तो यह अमेरिकी प्रतिबंधों और टैरिफ नीतियों को अप्रभावी बना देगा। ब्रूकिंग्स के अनुसार 2023-24 में भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार लगभग 118 अरब डॉलर रहा। इसमें भारत ने अमेरिका को 78 अरब डॉलर का निर्यात किया और अमेरिका से 40 अरब डॉलर का आयात किया। इस लिहाज से भारत को अमेरिका के साथ लगभग 38 अरब डॉलर का सकारात्मक व्यापार संतुलन मिला है। अमेरिकी बाजार भारत के लिए आईटी सेवाओं, फार्मा और इंजीनियरिंग गुड्स का सबसे बड़ा गंतव्य है, जबकि अमेरिका को भारत से रेडीमेड गारमेंट्स, आभूषण और ऑटो कंपोनेंट्स का भी बड़ा निर्यात होता है। ट्रंप के नए टैरिफ से भारत की यह बढ़त खतरे में आ सकती है। अगर भारत-चीन आपसी तालमेल से एशिया में वैकल्पिक सप्लाई चैन मजबूत करते हैं, तो अमेरिकी आयातकों को झटका लगेगा और भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता और ज्यादा मजबूत होगी।

80 तक जाएगा सुजलॉन एनर्जी का ग्रीन स्टॉक !

नई दिल्ली, एजेंसी। करेज फर्म मोतीलाल ओसवाल को उम्मीद है कि सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में तेजी देखने को मिलेगी। ब्रोकरेज हाउस ने इस ग्रीन स्टॉक को टैग दिया है। आज सोमवार को सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। बीएसई में सुजलॉन के शेयर 56.86 रुपये के लेवल पर ओपन हुआ था। दिन में यह स्टॉक 2.5 प्रतिशत की तेजी के साथ 57.86 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि इस स्टॉक में 42 प्रतिशत की तेजी हासिल करने की क्षमता है। मोतीलाल ओसवाल ने इस स्टॉक को टैग दिया है। साथ ही 80 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। **शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन पिछले एक साल में कैसा?:** ज्यादातर चर्चित कंपनियों की तरह सुजलॉन एनर्जी के शेयरों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। पिछले एक साल में सुजलॉन एनर्जी के शेयरों का भाव 24 प्रतिशत गिरा है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 2.69 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि, निवेशकों के लिए राहत की बात यह है कि 6 महीने में सुजलॉन एनर्जी का शेयर 15.44 प्रतिशत बढ़ा है। सुजलॉन एनर्जी का 52 वीक हाई 86.04 रुपये और 52 वीक लो लेवल 46 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का मार्केट कैप 78,578.10 करोड़ रुपये का है। बता दें, बीते 5 साल में सुजलॉन एनर्जी के शेयरों की कीमतों में 1614 प्रतिशत की तेजी आई है। सुजलॉन एनर्जी का जून तिमाही के दौरान 3244.40 करोड़ रुपये रेवन्यू रहा है। जोकि सालाना आधार पर 60 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, अप्रैल से जून 2025 के दौरान इस ग्रीन स्टॉक का नेट प्रॉफिट 469.50 करोड़ रुपये रहा है।

पावर स्टॉक में तूफानी तेजी, बिजली सप्लाई करने को लेकर हुई बड़ी डील

नई दिल्ली, एजेंसी। टोरेंट पावर के शेयरों में सोमवार को जबरदस्त उछाल आया है। टोरेंट पावर के शेयर सोमवार को बीएसई में इंट्राडे के दौरान करीब 7 पर्सेंट उछलकर 1313.70 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पावर कंपनी को एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी से एक लेटर ऑफ अवॉर्ड मिला है। यह लेटर ऑफ अवॉर्ड कंपनी के आगामी 1600 मेगावॉट के कोयला आधारित प्लांट से बिजली की सप्लाई करने के लिए मिला है। इस प्लांट में 22,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। टोरेंट पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 2037.35 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 1207.20 रुपये है।

प्रतिस्पर्धात्मक निविदा प्रक्रिया के बाद मिला लेटर ऑफ अवॉर्ड: टोरेंट पावर ने घोषणा की है कि एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी की तरफ से मैनेज की गई कॉम्पिटिटिव बिडिंग प्रोसेस (प्रतिस्पर्धात्मक निविदा प्रक्रिया) में उसकी भागेदारी के बाद लेटर ऑफ अवॉर्ड जारी किया गया है। लेटर ऑफ अवॉर्ड में 5.829 रुपये का टैरिफ तय किया गया है। इस प्रोजेक्ट में करीब 22000 करोड़ रुपये का इनवेस्टमेंट होगा, यह पावर सेक्टर में टोरेंट ग्रुप का अब तक का सबसे बड़ा फाइनेंशियल कमिटमेंट होगा। टोरेंट पावर की मध्य प्रदेश में एक ग्रीनफील्ड अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट लगाने की योजना है। इस प्लांट की कैपेसिटी 2-800 मेगावॉट होगी। प्लांट से पूरे आउटपुट की सप्लाई एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी को की जाएगी। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी, कोल मिनिस्ट्री की तरफ से तय की गई शक्ति पॉलिसी के मुताबिक पावर प्लांट के लिए जरूरी कोयला सुनिश्चित करेगी। 25 साल के पावर परचेज एग्रीमेंट पर दस्तखत के 72 महीनों के भीतर प्रोजेक्ट लॉन्च किया जाना है। इस प्लांट से प्लांट के कंस्ट्रक्शन चरण के दौरान प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष 8000 से 10000 रोजगार के मौके बनेंगे।

एक्सपर्ट को उम्मीद 1000 के पार जाएगा सेमीकंडक्टर स्टॉक, मिला ओवरवेट रेटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। लॉन्ग टर्म में निवेशकों को मोटर रिटर्न देने वाली कंपनी सीजी पावर लिमिटेड के शेयरों में शुक्रवार को तेजी देखने को मिली थी। कंपनी के शेयर शुक्रवार को 4.60 प्रतिशत की उछाल के साथ बंद हुए थे। इस मल्टीबैगर रिटर्न देने वाले स्टॉक के प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट बुलिश हैं। बता दें, सीजी पावर ने बीते हफ्ते एक बड़ी खबर साझा की थी। सीजी पावर ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि उन्होंने गुजरात में एक एसेंबली और टेस्टिंग सेंटर लॉन्च किया है। इसी खबर ने शुक्रवार को शेयरों में तेजी लाई थी। बता दें, भारत सरकार का फोकस सेमीकंडक्टर पर इस समय खूब है। सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकरेज हाउस मॉर्गन स्टेनली ने सीजी पावर लिमिटेड के शेयरों को ओवरवेट रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने 1044 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया। जोकि शुक्रवार की क्लोजिंग की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक है। पिछले 6 महीने में यह मल्टीबैगर स्टॉक 21 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने में सफल रहा है। वहीं, एक साल में यह स्टॉक 0.94 प्रतिशत गिरा है। हालांकि, यह सेंसेक्स इंडेक्स की 2.83 प्रतिशत की गिरावट से कम है। कंपनी का 52 वीक हाई 874.50 रुपये और 52 वीक लो लेवल 518.35 रुपये है।

यह फरवरी 2008 के बाद से ऑपरेटिंग स्थितियों में सबसे मजबूत सुधार का संकेत देता है

17 साल का टूटा रिकॉर्ड, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अगस्त महीने में भारत का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और तेजी से आगे बढ़ा है। मजबूत मांग के कारण फैक्टरी ऑर्डर और उत्पादन में तेजी आई है, जिसने पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स को 17 साल से भी ज्यादा के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया है। सीजनली एडजस्टेड एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई अगस्त में बढ़कर 59.3 पर पहुंच गया, जो जुलाई में 59.1 था। यह फरवरी 2008 के बाद से ऑपरेटिंग स्थितियों (कारोबारी हालात) में सबसे मजबूत सुधार का संकेत देता है। नए ऑर्डर्स और उत्पादन में मजबूत वृद्धि ने कंपनियों को कच्चा माल खरीदने और नई नौकरियां देने के लिए प्रेरित किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनियों ने अतिरिक्त सामग्री खरीदने की रफ्तार तेज की और अधिक नौकरियां सृजित कीं, जो आंशिक रूप से भविष्य के आउटलुक को लेकर सकारात्मक उम्मीदों को दर्शाता है। इनपुट स्टॉक (कच्चे माल का स्टॉक) में और वृद्धि हुई, जबकि तैयार माल की इन्वेंटरी नौ महीने में पहली बार बढ़ी। इसका मतलब है कि कंपनियां भविष्य में और मांग की उम्मीद कर रही हैं और उसके लिए तैयारी कर रही हैं। हालांकि, कंपनियों ने अपने सेलिंग प्राइस में उल्लेखित वृद्धि की, लेकिन लागत का दबाव अभी भी नियंत्रण में बना हुआ है। यह एक बहुत ही सकारात्मक संकेत है क्योंकि इससे मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने में मदद मिलती है।

सबसे अच्छी बात यह है कि इस तेजी का सीधा फायदा रोजगार बाजार को मिल रहा है। मजबूत विकास ने कंपनियों को नई नौकरियां पैदा करने और अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। लगातार दूसरे महीने पीएमआई का 59 के ऊपर बने रहना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मजबूत रिकवरी के रास्ते पर है। नए ऑर्डर्स की बढ़ती मांग, बढ़ता उत्पादन और बढ़ती नौकरियां देश के आर्थिक भविष्य के लिए एक सुनहरे युग की शुरुआत जैसा महसूस करा रही हैं।

होम लोन के भारी ब्याज से राहत चाहते हैं, तो जरूर अपनाएं खास तरीका

नई दिल्ली, एजेंसी। कोविड-19 काल के बाद से मकान की कीमतों में भारी तेजी देखने को मिली है। दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम या देश के किसी भी बड़े शहर में मकान खरीदना अब चुनौती बन गई है। अगर होम लोन लेकर मकान खरीदते हैं, तो मूल कर्ज से ज्यादा आपको ब्याज चुकाना पड़ता है। निवेश सलाहकारों का कहना है कि होम लोन के भारी ब्याज से बचने के लिए ईएमआई शुरू होने के साथ एसआईपी में निवेश करना अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। अगर आप ईएमआई के 12 से 15 फीसदी के बराबर रकम हर माह एसआईपी में डालते हैं, तो होम लोन खत्म होते-होते आपके पास उस पर लगने वाले भारी भरकम ब्याज जितना पैसा जमा हो जाएगा। अगर आप 20 साल की अवधि के लिए 8.25 फीसदी ब्याज दर पर 50 लाख रुपये का होम लोन ले रहे हैं, तो हर महीने 42,603 रुपये की ईएमआई बनेगी। कर्ज अवधि खत्म होते-होते आपको ब्याज के रूप में 52.24 लाख रुपये से ज्यादा का भुगतान करना होगा।

जीएसटी में सुधार की उम्मीद से वाहन-एसी की खरीद टाल रहे ग्राहक-दुकानदार

● 25-30 फीसदी का होगा असर ● ब्रांडों के साथ कंपनियों की चल रही चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी स्लैब को चार से घटाकर दो करने के प्रस्ताव के बाद से ग्राहक व दुकानदार महंगी सामानों को खरीदने से बच रहे हैं। इनका मानना है कि इस हफ्ते टैक्स घटने से इनको भारी फायदा हो सकता है। जिन सामानों की खरीदी कम या पूरी तरह ठप हो गई है, उनमें प्रमुख रूप से वाहन, एसी, फ्रिज समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक आइटम शामिल हैं। दुकानदारों को डर है कि अभी सामान खरीदने से उनको जीएसटी घटने के बाद सस्ते में बेचना पड़ सकता है।

जीएसटी परिषद इसी सप्ताह 3-4 सितंबर को बैठक करेगी। इसमें मंत्रियों के समूह के प्रस्ताव पर चर्चा होगी। अंतिम निर्णय के बाद मौजूदा चार स्लैब 5,12,18 और 28 फीसदी में से केवल 5 एवं 18 फीसदी के स्लैब रह जाएंगे। ऐसे में 28 फीसदी वाली वस्तुएं 18 फीसदी के दायरे में आ जाएंगी। इससे उपभोक्ताओं को फायदा की उम्मीद है।

जिन सामानों पर टैक्स घटने की उम्मीद है, उनमें वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर (एसी) और रेफ्रिजरेटर जैसी वस्तुएं हैं। ग्रांट थॉर्नटन भारत के पार्टनर नवीन मालपानी ने कहा, जीएसटी 2.0 के लागू होने की तैयारी से ई-कॉमर्स क्षेत्र में उपभोक्ता व्यवहार खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरणों जैसे ऊंचे दाम वाले सामानों में बदलाव देखने को मिल रहा है। ग्राहक देखो और इंतजार करो की रणनीति अपना रहे हैं। वहीं, वाहन उद्योग का मानना है कि मांग मजबूत है। लेकिन, उन्होंने देखो और इंतजार करो की रणनीति अपनाई है। निर्णय लेने में देरी से नए वाहनों की बिक्री पर असर पड़ रहा है। उम्मीद है कि सितंबर के पहले सप्ताह के बाद ग्राहकों का विश्वास बढ़ेगा, जिसका असर खरीद-बिक्री की गतिविधियों में देखने को मिलेगा। हालांकि, निकट भविष्य में बिक्री में अस्थायी गिरावट आ सकती है। लेकिन, नई व्यवस्था पर स्पष्टता आने के बाद बिक्री में तेजी आने की उम्मीद है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पूरे साल का एक चौथाई राजस्व त्योहार में कमाते हैं। जीएसटी दरों में कमी से त्योहारी सीजन में ग्राहकों को अधिक आत्मविश्वास से खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। इससे मांग को बढ़ावा मिल सकता है।

बीमा प्रीमियम का भुगतान भी रोक रहे पॉलिसीधारक

स्वास्थ्य और जीवन बीमा को जीएसटी के दायरे से बाहर रखने की चर्चा है। इससे जिन ग्राहकों को पॉलिसी अभी रिन्यू करानी है, वे इसे रोक रहे हैं। नियमों के अनुसार बीमा प्रीमियम तय समय से 15 दिन या एक महीने बाद भी भरा जा सकता है जिस पर कोई जुर्माना नहीं है।

रतन टाटा का एक फोन कॉल आया और सबकुछ बदल गया

रियल एस्टेट के महारथी हीरानंदानी बता रहे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। कभी-कभी किसी महान हस्ती के साथ वक्त बिताने का मौका मिल जाए तो महसूस होता है कि जीवन में कितना कुछ बदल जाता है। ऐसा ही कुछ हुआ रियल एस्टेट के महारथी निरंजन हीरानंदानी के साथ। हीरानंदानी ने हाल ही में कर्ली टेल्स पर काम्या जानी के साथ बातचीत में एक अनूठी घटना की जानकारी दी। यह वाकया दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा से जुड़ा है। वह बताते हैं कि इस घटना का उन पर गहरा असर हुआ था।

रतन टाटा ने फोन कर पूछा..: हीरानंदानी ने बताया कि यह वाकया साल 2024 का है। दिन था, एक अगस्त। उस दिन रतन टाटा ने उन्हें फोन किया और पूछा निरंजन, क्या तुम मेरे साथ एक नए ट्रस्ट, टाटा पार्किंसन ट्रस्ट में ट्रस्टी बनोगे? वह कहते हैं मैं क्या कह सकता था? उन्हें मुझ पर विश्वास था, और मैं उस ट्रस्ट में को-ट्रस्टी बन गया। इस घटना के दो महीने बाद ही रतन टाटा का निधन हो गया था। उल्लेखनीय है कि रतन टाटा का निधन 9 अक्टूबर 2024 को हुआ था। हीरानंदानी बताते हैं कि यह एक ऐसा अनुरोध था जिसे वे कभी मना नहीं कर सकते थे, क्योंकि दोनों के बीच बहुत सम्मान और विश्वास था।

यूं ही नहीं मिल गया यह मुकाम: ऐसा नहीं है कि निरंजन हीरानंदानी ने कदम बढ़ाया और यह मुकाम हासिल हो गया। रियल एस्टेट में नाम कमाने से पहले, उन्होंने कई अलग-अलग काम किए। उन्होंने पहले एक शिक्षक के रूप में काम किया। फिर उन्होंने एक कपड़ा मिल चलाने की कोशिश की लेकिन इसमें सफल नहीं हुए। वह भी मानते हैं कि उनके करियर के शुरुआती साल असफलताओं से भरे थे।

भाग्य से नहीं होता यह सब: उन्होंने बताया, बुरे दिन कई बार आए। जब कुछ सफल होता था, तो लोग कहते थे कि तुम भाग्यशाली थे, शहर बढ़ गया, तुमने सही समय पर जमीन खरीदी, यह हुआ, और वह हुआ। लेकिन सफलता सिर्फ किस्मत से नहीं मिलती। पहली सफलता के बाद और आगे बढ़े। अपनी पहली सफलता के बाद, हीरानंदानी ने और आगे बढ़ने का फैसला किया। उन्होंने ठाणे में हीरानंदानी एस्टेट शुरू किया। उस समय कई बिल्डर उस इलाके से दूरी बना कर चल रहे थे। वह बताते हैं हमने अगला प्रोजेक्ट, हीरानंदानी एस्टेट ठाणे में शुरू किया। यह ऐसी जगह थी जहां कोई भी बिल्डर काम नहीं करना चाहता था। हमने उस प्रोजेक्ट को भी सफल बनाया। बात यह है कि ऐसे प्रोजेक्ट बार-बार सफल हो सकते हैं, और हम ऐसा करते रहेंगे। आज, रियल एस्टेट में हीरानंदानी को कौन नहीं जानता। ऐसा नहीं है कि हीरानंदानी सिर्फ अपने वेंचर को ही आगे बढ़ाते हैं। यदि कहीं कुछ अच्छा हो रहा है तो उसे सराहते भी हैं।

चांदी का भाव रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा

हिंदुस्तान जिंक के शेयरों में दिखी 5 से अधिक की तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अग्रवाल की सब्सिडियरी कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के शेयरों में सोमवार को 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। 1 सितंबर को यह स्टॉक निफ्टी500 इंडेक्स के टॉप गेनर्स में से एक रहा है। इसी के साथ हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के शेयरों में बीते 3 कारोबारी दिन से चली आ रही गिरावट पर रोक लग गया है। बता दें, बीएसई में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के शेयर 424.35 रुपये के लेवल पर ओपन हुए थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 443 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया था। इस माइनिंग कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह चांदी की कीमतों में उछाल है। चांदी का भाव घरेलू बाजार के साथ-साथ इंटरनेशनल मार्केट में एक बड़ी ऊंचाई पर बंद हुआ है। बीते एक महीने के दौरान सिल्वर की कीमतों में 5 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक साल में चांदी का भाव 35 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें, एमसीएक्स में भी चांदी का भाव आज रिकॉर्ड हाई पर है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड दुनिया की 5 सबसे बड़ी चांदी उत्पादन करने वाली कंपनियों में से एक है। हालांकि, वित्त वर्ष 2025 में चांदी का प्रोडक्शन नीचे गिर गया था। जोकि वित्त वर्ष 2026 में चांदी प्रोडक्शन कंपनी 700 टन तक हासिल कर सकती है।

इतिहास रचने की तैयारी में मुकेश अंबानी !

44 लाख शेयरहोल्डर्स को होगा फायदा?

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी अब शेयर बाजार की दुनिया में इतिहास रचने की तैयारी में हैं। कंपनी का आने वाला आईपीओभारतीय शेयर बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा और रिकॉर्ड-तोड़ आईपीओ माना जा रहा है। ऐसे में पूरे निवेश जगत की नजरें रिलायंस इंडस्ट्रीज पर टिक गई हैं। खासकर रिलायंस इंडस्ट्रीज के 44 लाख शेयरहोल्डर्स की निगाहें जियो आईपीओ पर हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि कंपनी की सब्सिडियरी जियो प्लेटफॉर्म को सीधे स्टॉक मार्केट में लिस्ट कराया जाएगा। लेकिन रिलायंस इंडस्ट्रीज के 44 लाख मौजूदा शेयरधारकों के लिए यह उतना सीधा फायदा देने वाला नहीं है, जितना पहले जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के स्पिन-ऑफ के समय हुआ था। तब आरआईएल के हर शेयरधारक को सीधे शेयर मिले थे, जिससे उन्हें त्वरित लाभ हुआ। मगर इस बार आईपीओ में मौजूदा रिलायंस शेयरधारकों को छूट्रम के अलग-से शेयर नहीं मिलेंगे। बता दें कि हाल ही में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि दूरसंचार इकाई रिलायंस जियो अगले साल की पहली छमाही में अपना आईपीओ लेकर आएगी और शेयर बाजार में सूचीबद्ध होगी। देश की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाता रिलायंस जियो इस समय आरआईएल की एक सब्सिडियरी कंपनी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कहा, जियो अपने आईपीओ के लिए सभी जरूरी तैयारियां कर रही है।

विश्व चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे नीरज

भाला फेंक में भारत के सबसे अधिक खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। चोपड़ा ने 85.50 मीटर का क्वालिफाइंग स्तर भी पार कर लिया था जबकि अन्य तीन भारतीयों ने विश्व रैंकिंग के माध्यम से कट हासिल किया। अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भारत के पुरुष भाला फेंक खिलाड़ियों की संख्या सबसे अधिक होगी जिसमें नीरज चोपड़ा की अगुआई में देश के चार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह वैश्विक मंच पर दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा के प्रदर्शन से आई गई क्रांति का उल्लेखनीय प्रतिबिंब है। भारत ने 13 से 21 सितंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए रविवार को 19 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें भाला फेंक स्पर्धा में चोपड़ा के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव भी देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। टोक्यो में प्रतिस्पर्धा करने वाले शुरुआती 36 खिलाड़ियों के समूह में जगह बनाने में नाकाम रहे रोहित को विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला जब विश्व रैंकिंग में उनसे ऊपर के प्रतियोगियों ने नाम वापस ले लिया। पिछले टूर्नामेंट में भी चार भारतीयों ने क्वालिफाई किया था लेकिन रोहित चोट के कारण बाहर हो गए थे। चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में पिछली विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था जबकि किशोर जेना और डीपी मनु क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहे थे।

दर्द से जूझते हुए जीते नोवाक जोकोविच

38 साल की उम्र में वो कर दिया जो किसी ने नहीं किया था

न्यूयॉर्क, एजेंसी। नोवाक जोकोविच रविवार यूएस ओपन के चौथे राउंड के मुकाबले में दमदार शुरुआत की। वह तेजी से आगे बढ़ रहे थे तभी उनकी गर्दन में दर्द होने लगा। इसके बावजूद सातवीं सीड के जोकोविच 144वीं रैंकिंग के क्वालीफायर जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-3, 6-2 से हराकर अपने रिकॉर्ड 64वें ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। जर्मनी के 35 साल के स्ट्रफ पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे थे।

पहले सेट में ही जोकोविच को हुई दिक्कत

नोवाक जोकोविच 4–0 से आगे चल रहे थे। अगले गेम में वह 15–लव से आगे थे। इसके बाद उन्होंने एक बेहतरीन एंगल वाली लगाकर 30–लव की बढ़त बना ली। इसके तुरंत बाद उन्होंने अपनी गर्दन पीछे से पकड़ी और अपना सिर घुमाना शुरू कर दिया। इसके बाद कुछ समय उन्हें परेशानी हो रही थी। 30–लव की बढ़त लेने के बाद भी वह गेम हार गए। इसके बाद अगले गेम में भी जान–लेनार्ड स्ट्रफ ने जीत हासिल की। लेकिन जोकोविच ने जल्द ही वापसी कर ली और फिर क्वालीफायर खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया।

जोकोविच ने नया इतिहास भी लिखा

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के साथ इतिहास भी रच दिया है। वह इस साल खेले सभी चार ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं।38 साल के नोवाक जोकोविच एक ही सीजन में चारों ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। स्ट्रफ के खिलाफ जोकोविच का यह सिंगल्स में आठवां मुकाबला था। उन्हें सभी में जीत मिली है।

क्वार्टर फाइनल में फ्रिट्ज से मुकाबला

अब यूएस ओपन 2025 के क्वार्टर फाइनल में जोकोविच का सामना अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज से होगा। 27 साल के फ्रिट्ज ने क्वार्टर फाइनल में चेक रिपब्लिक के टॉमस माचैक को 6–4, 6–3, 6–3 से हराया। फ्रिट्ज और जोकोविच के बीच अभी तक 10 मुकाबले हुए हैं। सभी में सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी को जीत मिली है। जोकोविच 2023 से एक भी ग्रैंड स्लैम नहीं जीत पाए हैं। आखरी बार उन्होंने यूएस ओपन का ही खिताब जीता था।

विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप

नंदिनी के न चुने जाने पर विवाद, AFI प्रवक्ता को देनी पड़ी सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सुमरिवाला ने कहा, विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई करने वाले सभी खिलाड़ियों का जीन टेस्ट किया गया है। इसके नतीजे सीधे विश्व एथलेटिक्स को भेजे जाएंगे। इसका खर्च भी वही वहन करते हैं। हमारे पास इस तरह की कोई रिपोर्ट नहीं है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रवक्ता आदिल सुमरिवाला

ने रविवार को स्पष्ट किया कि एशियाई चैम्पियन हेप्टाथलीट नंदिनी अगासरा को अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए 19 सदस्यीय टीम से बाहर सिर्फ फिटनेस कारणों से किया गया है ।नंदिनी ने 13 से 21 सितंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई कर लिया था। उन्होंने पहले बताया था कि वह टोक्यो में हिस्सा नहीं लेंगी क्योंकि मई में एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान उनकी कोहनी में चोट लग गयी थी। वह इस चोट से अब तक पूरी तरह से उबर नहीं पाई हैं। सुमरिवाला ने टीम की घोषणा के बाद ऑनलाइन बातचीत में कहा, नंदिनी का 2023 में हांगझोऊ में एशियाई खेलों के दौरान एक साथी खिलाड़ी ने विरोध किया था, लेकिन मैं यह बात साफ कर देना चाहता हूं कि उन्हें विश्व एथलेटिक्स ने क्लीन चिट दे दी थी। वह स्वप्ना बर्मन की शिकायत का जिक्र कर रहे थे। स्वप्ना ने हांगझोऊ में कांस्य पदक जीतने वाली नंदिनी पर आरोप लगाए थे। स्वप्ना चौथे स्थान पर रही थी। सुमरिवाला ने कहा, विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई करने वाले सभी खिलाड़ियों का जीन टेस्ट किया गया है। इसके नतीजे सीधे विश्व एथलेटिक्स को भेजे जाएंगे। इसका खर्च भी वही वहन करते हैं। हमारे पास इस तरह की कोई रिपोर्ट नहीं है। विश्व एथलेटिक्स ने हाल ही में सभी सदस्य देशों को निर्देश दिया था कि वे टोक्यो में होने वाली चैम्पियनशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का एसआरवाई (सेक्स–डिटर्मिनिंग रीजन वाई) जीन टेस्ट करवाएं। यह टेस्ट मुख्य रूप से यह पहचानने के लिए किया जाता है कि भ्रूण विकास के दौरान पुरुष लिंग निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला एसआरवाई जीन मौजूद है या नहीं। उन्होंने नंदिनी को हटाये जाने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा, तीसरी बात, यह एक संवेदनशील मुद्दा है और इसे सार्वजनिक रूप से चर्चा में नहीं लाया जा सकता। विश्व एथलेटिक्स के गोपनीयता नियम होते हैं।

टिम साइफर्ट ने ठोका सीपीएल के इतिहास का सबसे तेज शतक

94 रन तो सिर्फ चौके-छक्के से बनाए, तोड़े ये 3 रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के 30 साल के बल्लेबाज टिम साइफर्ट ने ष्टक्क्र 2025 में बड़ा धमाका किया है. उन्होंने कैरेबियन प्रीमियर लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक ठोकते हुए इस मामले में आंद्रे रसेल के रिकॉर्ड की बराबरी की है. अब दोनों के नाम ष्टक्क्र में सबसे तेज 40 गेंदों पर शतक ठोकने का रिकॉर्ड दर्ज है. टिम साइफर्ट ने सबसे तेज शतक के मामले में आंद्रे रसेल के रिकॉर्ड की बराबरी 31 अगस्त को एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस के खिलाफ खेले मुकाबले में की. वो इस मैच में सेंट लुसिया किंग्स की तरफ से ओपनिंग करने उतरे थे. साइफर्ट ने अपना शतक 205 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जमाया, जिसके बाद उनकी टीम तो जीती ही, साथ ही उससे जुड़े 3 बडे रिकॉर्ड भी टूटे.

एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 204 रन बनाए थे. जवाब में सेंट लुसिया किंग्स की तरफ से ओपनिंग करने उतरे टिम साइफर्ट ने शुरुआत से ही अपने इरादे जता दिए. वो एक बार जो क्रीज पर आए तो फिर मैच जिताकर ही गए.

94 रन सिर्फ चौके-छक्के से, 40 गेंदों में किया शतक पूरा – टिम साइफर्ट की कुल इनिंग 53 गेंदों की रही, जिसमें उन्होंने नाबाद 125 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने 9 छक्के और 10 चौके लगाते हुए अपनी इनिंग के कुल 94 रन बाउंड्रीज से बनाए. 125 रन की इस पारी के दौरान टिम साइफर्ट ने अपना शतक 40वीं गेंद पर सिंगल के साथ पूरा किया. ये ष्टक्क्र में टिम साइफर्ट का पहला शतक है. जबकि, उनके ञ्20 करियर का ये चौथा शतक है. टिम साइफर्ट की विस्फोटक पारी की बदौलत उनकी टीम सेंट लुसिया किंग्स ने मुकाबला 17.5 ओवर में ही 4 विकेट खोकर जीत लिया. मतलब, उसने 6 विकेट से मैदान मारा. अब टीम के इस मैदान मारने के दौरान टिम साइफर्ट ने उससे रिलेटेड 3 बड़े रिकॉर्ड तोड़ दिए.

यूएस ओपन के दौरान सोराना क्रिस्टी की ट्रॉफियां चोरी

टेनिस खिलाड़ी ने इंस्टा पोस्ट में जानकारी दी; लिखा– यह मेरे लिए खास

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क में चल रहे साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन के दौरान ट्रॉफियां चोरी होने का मामला सामने आया है। रोमानिया की टेनिस खिलाड़ी सोराना क्रिस्टी ने सोशल प्लेटफार्म इंस्टाग्राम में एक स्टोरी पोस्ट कर लिखा कि एक महिला टूर्नामेंट में जीती हुई उनकी ट्रॉफी अमेरिकी ओपन के दौरान न्यूयॉर्क में होटल के कमरे से चोरी हो गई है। 35 साल की सोराना महिलाओं के एकल वर्ग से हारकर बाहर हो चुकी हैं। उन्होंने शनिवार की रात इंस्टाग्राम पर लिखा, जिसने भी द फिफ्टी सोनेस्टा होटल के कमरा नंबर 314 से मेरी क्लीवलैंड ट्रॉफी चुराई है। कृपया उसे वापिस लौटा दो। इसकी वैसे कोई कीमत नहीं है, लेकिन भावनात्मक कीमत है।

एमएस धोनी की धरती से निकला नया सितारा

झारखंड के स्पिनर ने दलीप ट्रॉफी के डेब्यू मैच में ही की विश्व रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय घरेलू क्रिकेट का नया सत्र 2025–26 धमाकेदार अंदाज में शुरू हुआ है। बेंगलुरु में खेले जा रहे दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में बल्लेबाजों ने खूब रन बनाए, लेकिन असली चर्चा गेंदबाजों के असाधारण कारनामों की रही। इनमें सबसे ज्यादा सुर्खियां झारखंड के 21 वर्षीय युवा स्पिनर मनीषी ने बटोरीं। मनीषी ने दलीप ट्रॉफी में अपने डेब्यू मैच में ही ऐसे विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की, जो अब तक कोई भी भारतीय गेंदबाज नहीं कर पाया था। मनीषी ने ईस्ट जोन की ओर से खेलते हुए नॉर्थ जोन के खिलाफ पहली पारी में छह विकेट चटकाए। दिलचस्प बात यह रही कि ये सभी विकेट उन्होंने एलबीडब्ल्यू के रूप में हासिल किए। शुभम खजूरिया (26 रन), अंकित कुमार (30 रन), यश ढुल (39 रन), कन्हैया वधावन (76 रन), आकिब नबी (44 रन) और हर्षित राणा (7 रन) उनके शिकार बने। प्रथम श्रेणी क्रिकेट के इतिहास में यह कारनामा मात्र छठी बार देखने को मिला है, जबकि किसी भारतीय गेंदबाज ने पहली बार यह उपलब्धि अपने नाम की है। मनीषी ने इस उपलब्धि से इंग्लैंड के ओली रॉबिन्सन (2021) और मार्क इलॉट (1995), श्रीलंका के चामिंडा वास (2005) तथा पाकिस्तान के ताबिश खान (2011) जैसे बड़े नामों की सूची में जगह बनाई। झारखंड की धरती पहले भी भारतीय क्रिकेट को बड़े सितारे दे चुकी है।

ये पटका, वो मारा...

लियोनेल मेसी के साथियों ने की डब्ल्यूडब्ल्यूई वाली लड़ाई, मैदान पर खूब पटकी-पटका

नई दिल्ली, एजेंसी। लीग्स कप के फाइनल में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। जहां लियोनेल मेसी की अगुवाई वाली इंटर मियामी को सिएटल साउंडर्स ने 3-0 से करारी शिकस्त दी और ट्रॉफी से उन्हें दूर कर दिया। मैच से पहले इंटर मियामी को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन सिएटल साउंडर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्हें पूरी तरह से पछाड़ दिया। इस मुकाबले के बाद एक बड़ा घटना भी हुई, जहां दोनों टीमों के खिलाफ आपस में ही भिड़ गए और फुटबॉल के मैदान को डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में बदल दिया।

मैच के बाद लुइस सुआरेज और इंटर मियामी के खिलाड़ियों के बीच मार पीट – मैच के बाद हुई घटना ने सबको चौंका दिया। हार से गुस्साए लुइस सुआरेज ने 20 साल के खिलाड़ी ओबेद वर्गास के साथ हाथापाई शुरू कर दी। सिएटल के खिलाड़ी जब अपनी जीत का जश्न मना रहे थे, तब सुआरेज ने वर्गास को पकड़कर उनका गला दबा दिया। इस घटना के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच लड़ाई शुरू हो गई और कुछ खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को मुक्के भी मारे।

रणजी में 55 से ज्यादा का औसत, टी-20 तक सीमित नहीं रहना चाहते रिंकू, इस खिलाड़ी की तरह देना चाहते हैं भारतीय टीम को सेवा

नइ ंदिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 से पहले यूपी टी20 लीग में शानदार प्रदर्शन करने वाले रिंकू सिंह को टी20 क्रिकेट तक सीमित नहीं रहना चाहते। रिंकू को टी20 स्पेशलिस्ट का टैग पसंद नहीं है। भारत के लिए टेस्ट खेलना उनका सपना है। यही वजह है कि उन्होंने टी20 स्पेशलिस्ट कहने पर रणजी ट्रॉफी में अपने बल्लेबाजी औसत का जिक्र किया। रिंकू प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए खेलते हैं। उन्होंने 50 मैच की 72 पारियों में 54.68 के औसत से 3336 रन बनाए हैं। इसमें 7 शतक और 22 अर्धशतक शामिल हैं। नाबाद 163 उनका सर्वोच्च स्कोर है। रिंकू सिंह के आइडल भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी सुरेश रैना हैं। वह रैना की तरह भारतीय टीम को योगदान देना चाहते हैं।

रिंकू सिंह खुद को सभी प्रारूप का खिलाड़ी मानते हैं – इंटरव्यू में टी20 स्पेशलिस्ट कहे जाने के सवाल पर रिंकू ने कहा, मुझे पता है कि जब मैं छक्के लगाता हूं तो प्रशंसकों को बहुत अच्छा लगता है और मैं इसके लिए सचमुच आभारी हूं। लेकिन मेरा रणजी ट्रॉफी औसत भी बहुत अच्छा है,वहां मेरा औसत 55 से ज्यादा है। मुझे लाल गेंद से क्रिकेट खेलना बहुत पसंद है।

- **मौका लपकने को तैयार रिंकू** – रिंकू सिंह ने कहा, मैंने भारत के लिए दो वनडे मैच भी खेले हैं और उनमें से एक में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए, ऐसा नहीं है कि मैं सिर्फ टी20 का खिलाड़ी हूं। मेरा मानना ??है कि अगर मुझे मौका मिले तो मैं हर प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं। मुझे एक प्रारूप के खिलाड़ी का टैग पसंद नहीं है। मैं खुद को सभी प्रारूपों के खिलाड़ी के रूप में देखता हूं। मेरा सपना भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना है और अगर मुझे मौका मिला, तो मैं इसे लपकने के लिए तैयार हूं।
- **सुरेश रैना हैं रिंकू सिंह के आदर्श** – सुरेश रैना को अपना आदर्श बताते हुए रिंकू सिंह ने कहा, फ्रसुरेश रैना भैया मेरे आदर्श हैं। वह हमेशा मुझसे कहते हैं, 'रिंकू, हर चीज के लिए तैयार रहना।

जय शाह ने महिला क्रिकेटरों के लिए खोला खजाना, वर्ल्ड कप में पुरुषों से 34 करोड़ ज्यादा होगी प्राइज मनी

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला क्रिकेट विश्व कप की विजेता टीम को टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि मिलेगी। यह पिछले संस्करण में 1.32 मिलियन अमेरिकी डॉलर (11.65 करोड़ रुपये) से बढ़कर 4.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर (39.55 करोड़ रुपये) हो गई है। जय शाह की अध्यक्षता वाली इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सोमवार (1 सितंबर) को यह घोषणा की। 30 सितंबर से शुरू हो रहे महिला क्रिकेट विश्व कप के 13वें संस्करण की मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे। कुल मिलाकर, आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में पुरस्कार राशि में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है, आईसीसी ने इस मेगा इवेंट के लिए कुल 13.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 122.5 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि की घोषणा की है। यह 2023 में हुए पुरुषों के विश्व कप से 34 करोड़ रुपये ज्यादा है। भारत में हुए उस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि

10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.21 करोड़ रुपये) थी।

297 प्रतिशत की वृद्धि – आईसीसी ने एक बयान में कहा, ''आईसीसी ने महिला क्रिकेट के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है, क्योंकि चैंपियन को रिकॉर्ड 44.8 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।'' न्यूजीलैंड में खेले गए पिछले महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि लगभग 31 करोड रुपये थी और इस तरह से अब इस राशि में लगभग 297 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

उपविजेता को 19.77 करोड़ रुपये – महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप 2023 की पुरस्कार राशि से अधिक है, जिसकी कुल पुरस्कार राशि 10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.26 करोड़ रुपये) थी। महिला वनडे विश्व कप की उपविजेता टीम को अब 2.24 मिलियन डॉलर (लगभग 19.77 करोड़ रुपये) जबकि सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9.89 करोड़ रुपये) मिलेंगे।

- **प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 22 लाख रुपये मिलेंगे** – ग्रुप चरण में जीत दर्ज करने पर टीमों को 34,314 डॉलर (लगभग 30.29 लाख रुपये) मिलेंगे। पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को 700,000 डॉलर (लगभग 62 लाख रुपये) और सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 280,000 डॉलर (लगभग 24.71 लाख रुपये) मिलेंगे। प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 250,000 डॉलर (लगभग 22 लाख रुपये) मिलेंगे।
- **जय शाह क्या बोले** – आईसीसी ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य दुनिया भर में महिला क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाना और उसे पुरुष क्रिकेट के बराबर लाना है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा कि यह महिला क्रिकेट को प्राथमिकता देने की दिशा में उठाया गया कदम है।

अल्लू ने दादी को किया याद

अभिनेता अल्लू अर्जुन की दादी, अल्लू कनकरत्नम का निधन शनिवार को हो गया था। वो 94 वर्ष की आयु में इस दुनिया को छोड़कर चली गईं, उनका अंतिम संस्कार कोकापेट में हुआ। शनिवार को जब उनका निधन हुआ तो एक्टर अल्लू अर्जुन मुंबई में शूटिंग कर रहे थे। वे शूटिंग बीच में छोड़कर तुरंत हैदराबाद पहुंचे। रविवार को 'पुष्पा-2' स्टार अल्लू अर्जुन ने उन्हें याद करते हुए एक भावुक पोस्ट सोशल मीडिया पर किया। एक्टर ने अपनी दादी की एक तस्वीर भी पोस्ट की। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, हमारी प्रिय दादी अल्लू कनकरत्नम गारु अब स्वर्ग सिधार चुकी हैं। उनका स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन हमेशा हमारी यादों में जिंदा रहेगा। हम सबको हर दिन उनकी कमी खलेगी। जिन्होंने प्रेम और संवेदनाएं हमारे साथ साझा कीं, उन सभी का दिल से आभार। दूर बैठे लोगों की प्रार्थनाएं और दुआएं भी हमें उतनी ही महसूस हुईं। आप सभी के प्रेम और सहयोग के लिए कृतज्ञ हैं। अल्लू अर्जुन और उनकी दादी के बीच काफी घनिष्ठ प्रेम था। 'पुष्पा-2' के प्रीमियर के बाद जब अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया गया था, तब उनकी दादी बहुत दुखी हुई थीं। बाद में जब वे घर वापस आए थे, तो एक्टर की दादी ने उनकी नजर उतारी थी। इसका वीडियो अल्लू ने शेयर किया था। इससे पहले सुपरस्टार चिरंजीवी ने एक पोस्ट में लिखा था, हमारी सास, अल्लू रामलिंगय्या गारु की धर्मपत्नी, कनकरत्नम्मा के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने अपने स्नेह, साहस और जीवन मूल्यों से पूरे परिवार को हमेशा मार्गदर्शन और प्रेरणा दी। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति मिले। ओम शांति।

परम सुंदरी ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल, दो दिनों में कमाए ? 28.7 करोड़

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर अभिनीत फिल्म परम सुंदरी ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की है। दिनेश विजन की मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म ने रिलीज के पहले दो दिनों में ही 28.7 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिया है। फिल्म ने शुक्रवार को ?7.37 करोड़ की मजबूत ओपनिंग के साथ अपनी धमाकेदार एंट्री दर्ज कराई। दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्साह शनिवार को और भी बढ़ गया, जिसके परिणामस्वरूप कलेक्शन में 36.64 की जबरदस्त उछाल देखने को मिली। शनिवार को फिल्म ने ?10.07 करोड़ का कलेक्शन किया। इस तरह, भारत में दो दिनों का कुल कलेक्शन ?17.44 करोड़ रहा, जबकि दुनिया भर में फिल्म ने?28.7 करोड़ की कमाई कर ली है।

सुमोना चक्रवर्ती की कार पर मराठा आरक्षण प्रदर्शनकारियों ने किया हमला

वो मेरे बोनट पर जोर से मार रहा था...

एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती ने इंस्टाग्राम पर आपबीती शेयर करते हुए बताया कि 31 अगस्त को साउथ मुंबई में मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान उनकी कार पर हमला हुआ। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने उनकी कार को रोका, बोनट पर मारा और जय महाराष्ट्र के नारे लगाए। एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती ने इंस्टाग्राम पर लंबा-चौड़ा पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने बताया है कि 31 अगस्त को उन्हें साउथ मुंबई में मराठा आरक्षण को लेकर आंदोलन कर रहे लोगों ने उनकी कार पर हमला कर दिया था। जिससे वह खुद को असुरक्षित महसूस कर रही थीं। उन्होंने बताया कि ये वाकया दोपहर के वक्त हुआ, जब वह कोलाबा से फोर्ट जा रही थीं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर आपबीती सुनाई है। सुमोना चक्रवर्ती ने इंस्टाग्राम पर लिखा, आज दोपहर 12:30 बजे। मैं कोलाबा से फोर्ट जा रही थी। और अचानक-मेरी कार को एक भीड़ ने रोक लिया। नारंगी रंग का स्टोल पहने एक आदमी मेरे बोनट पर जोर से मार रहा था, मुस्कुरा रहा था। अपने पेट को मेरी कार से सटा रहा था। मेरे सामने वो झूमने लगा। उसके साथी मेरे कार के शीशे के पास आकर जय महाराष्ट्र चिल्ला रहे थे और हंस रहे थे। हम थोड़ा आगे बढ़े और फिर वैसा ही हुआ। 5 मिनट के अंतराल में दो बार।

सुमोना ने बताया मुंबई का खौफनाक मंजर

सुमोना ने आगे बताया कि पुलिसवाले वहीं थे लेकिन वह बैठे हुए थे और कुछ नहीं कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह साउथ बॉम्बे में दिन के उजाले में भी खुद को अनसेफ फील कर रही थीं। और सड़कों पर केले के छिलके, प्लास्टिक की बोतलें और गंदगी बिखरी हुई थी। एक्ट्रेस ने बताया कि फुटपाथ पर लोगों ने कब्जा कर लिया था। प्रदर्शनकारी विरोध के नाम पर खा रहे हैं, सो रहे हैं, नहा रहे हैं, खाना बना रहे हैं, पेशाब कर रहे हैं, शौच कर रहे हैं, वीडियो कॉल कर रहे हैं, रील बना रहे हैं।

51 साल की मलाइका अरोड़ा को रिवीलिंग ड्रेस पहनना पड़ा भारी

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा आए दिन लाइमलाइट में बनी रहती हैं. 51 साल की एक्ट्रेस अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं. फिलहाल, मलाइका अरोड़ा इन दिनों अपने एक वीडियो को लेकर जमकर ट्रोल हो रही हैं. दरअसल, एक्ट्रेस पब्लिक प्लेस पर स्पॉट हुईं और पैपराजी ने उन्हें अपने कैमरे में कैद किया. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में देखा जा सकता है कि वह रिवीलिंग ड्रेस में नजर आ रही हैं और ये लोगों को पसंद नहीं आया. इसके बाद मलाइका अरोड़ा को जमकर निशाना बनाया गया है. आइए देखते हैं कि एक्ट्रेस ने ऐसा क्या पहना था.

मलाइका अरोड़ा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्रा अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है. इसमें आप देख सकते हैं कि मलाइका अरोड़ा नजर आ रही हैं और पैपराजी को मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं. इस दौरान एक्ट्रेस ने ब्रालेट पहन रखा है और अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया है. मलाइका अरोड़ा को इस अंदाज में देखकर उनके तमाम चाहने वाले फैंस प्यार बरसा रहे हैं. वहीं, एक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है. एक यूजर ने लिखा है, ये स्टाइल नहीं बेशर्मी है. एक यूजर ने लिखा है, अपनी उम्र का खयाल रखो. एक यूजर ने लिखा है, पॉपुलर होने के लिए कम कपड़े पहनती है. एक यूजर ने लिखा है, ये क्या कपड़े पहन रखे हैं.

संडे ऑन साइकिल:

अभिनेता जैकी श्रॉफ ने दिया हर रविवार साइकिल चलाने का संदेश

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत देशभर में हर रविवार संडे ऑन साइकिल का आयोजन किया और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनने का संदेश दिया जाता है। मुंबई में आयोजित संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य खेल मंत्री रक्षा खडसे और अभिनेता जैकी श्रॉफ मौजूद थे। फिल्म अभिनेता जैकी श्रॉफ ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए फिट इंडिया अभियान से सभी बच्चों को जुड़ना चाहिए। जब तक हमारे पैर में दम है, हमारा कदम आगे बढ़ सकता है। बच्चों को फोन, लैपटॉप सब चलाना चाहिए, लेकिन अपने शरीर के लिए उन्हें फिट इंडिया अभियान से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि बच्चे अगर मजबूत होंगे तो हमारा राष्ट्र मजबूत होगा। हम सभी बच्चों को प्रेरित करने के लिए ही यहां आए हैं। युवाओं को कसरत, साइकिलिंग, योगा करना चाहिए। जान है तो जहान है। हर रविवार को साइकिलिंग करना चाहिए। यह हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। रक्षा खडसे ने कहा, मनसुख मांडविया के विजन के साथ पिछले एक साल से देशभर के अलग-अलग हिस्सों में संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम आयोजित होता है। रविवार को मैंने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

राणबीर की रामायण का 4000 करोड़ बजट सुन विवेक अग्निहोत्री को लगा झटका

मशहूर निर्देशक और निर्माता विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स आने वाले शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. वह अपनी इस अपकमिंग फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं और इंटरव्यू दे रहे हैं. विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स को लेकर विवाद भी हो रहा है. फिल्म के ट्रेलर रिलीज होते ही तमाम लोग इसकी

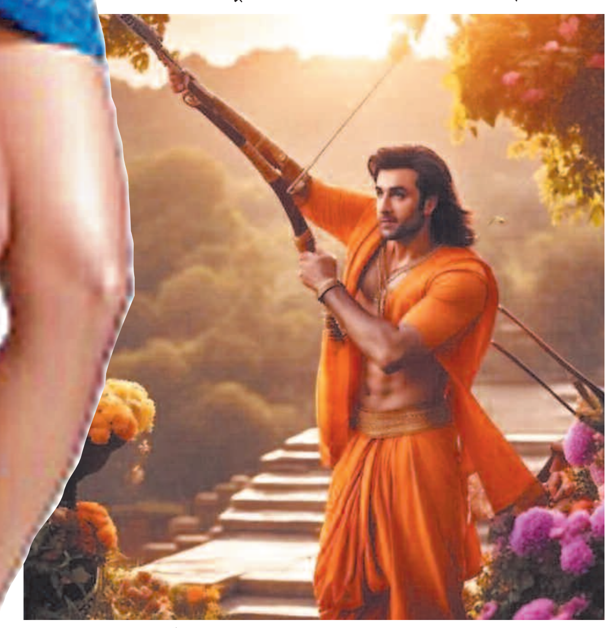

आलोचना कर रहे हैं. इसी बीच विवेक अग्निहोत्री ने एक इंटरव्यू के दौरान रणबीर कपूर की फिल्म रामायण के भारी बजट पर रिएक्शन दिया है. आइए जानते हैं कि फिल्म रामायण को लेकर डायरेक्टर ने क्या कहा है.

विवेक अग्निहोत्री ने कही ये बात

विवेक अग्निहोत्री ने हाल ही में फिल्मीज्ञान से बात करते हुए तमाम मुद्दों पर बात की है. इस दौरान उन्हें बताया गया कि रणबीर कपूर की फिल्म रामायण का बजट 4000 करोड़ रुपये है. इस फिल्म का बजट सुनकर विवेक अग्निहोत्री को झटका लगा और उन्होंने इस पर रिएक्शन दिया है. उन्होंने कहा, 4000 करोड़ हिंदी फिल्म का बजट कैसे हो सकता है? डायरेक्टर को बताया गया कि ये फिल्म पूरी दुनिया के हिसाब से बनाई जा रही है. उन्होंने कहा, बन तो हिंदुस्तान में रही है, फिल्म आकाश में तो बन नहीं रही. कितना भी वीएफएक्स करोड़ कैसे हो सकता है. भगवान करे वो फिल्म बने लेकिन मैं हैरान हू. मैं 400 या 800 करोड़ रुपये तक समझ सकता हूं लकिन 4000 करोड़ रुपये कहां खर्च करें वो नहीं समझ पार रहे हैं.

फिल्म रामायण दो पार्ट में होगी रिलीज

बताते चलें कि रणबीर कपूर की फिल्म रामायण का बजट 4000 करोड़ रुपये बताया जा रहा है. नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बनने वाली इस फिल्म के नमित मल्होत्रा प्रोड्यूस कर रहे हैं. फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम का, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण का किरदार निभाने वाले हैं. फिल्म रामायण दो पार्ट में रिलीज किया जाएगा. फिल्म का पहला पार्ट साल 2026 की दिवाली और दूसरा पार्ट साल 2027 की दिवाली पर रिलीज किया जाएगा. इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है. ऐसी ही एंटरटेनमेंट की लेटेस्ट खबरों के लिए बॉलीवुडलाइफ के साथ बने रहिए.

कंगना रनौत और प्रियंका चोपड़ा के वकील रिजवान सिद्दीकी, रोज़लिन खान से हारे

रिजवान सिद्दीकी, जिन्होंने कंगना रनौत को ऋतिक रोशन के साथ हुए विवाद में कंगना को,और अलग क़ानूनी मामले में प्रियंका चोपड़ा को भी रिप्रेजेंट किया था, अब एक लंबे चले केस के बाद अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना कर रहे हैं।

2018 में, सिद्दीकी को ठाणे क्राइम ब्रांच ने एक प्राइवेट जासूस के जरिए कथित तौर पर कॉल डेटा रिकॉर्ड निकालने के आरोप में गिरफ्तार किया था, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी का नाम भी शामिल था। हालांकि उन्हें मुंबई की अदालत ने छोड़ दिया था, लेकिन अधिकारियों ने उनके खिलाफ सबूत होने की बात कही थी। अब, अभिनेत्री और कैंसर सर्वाइवर रोज़लिन खान उर्फ?रेहाना खान द्वारा शुरू की गई लगभग एक दशक लंबी लड़ाई के बाद, बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने पेशेवर दुराचार के आधार पर सिद्दीकी का वकालत करने का लाइसेंस दो साल के लिए निलंबित कर दिया है। यह मामला, जो मूल रूप से महाराष्ट्र में लंबित था, अंतिम निर्णय के लिए राष्ट्रीय न्याय संस्था को स्थानांतरित कर दिया गया था। फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए, रोज़लिन खान ने कहा, यह राहत सालों के उत्पीड़न, कलंक और शक्तिशाली लॉबी के दबाव के बाद मिली है। न्याय मांगने के लिए मुझे विवादास्पद करार दिया गया। अपराध को हल करने के बजाय, सिस्टम ने मेरे चरित्र को ही बदनाम करने की कोशिश की। यह फैसला सिर्फ मेरी जीत नहीं है, बल्कि यह महाराष्ट्र में गहराई तक फैली हुई अन्याय को उजागर करता है और हर उस महिला को आवाज़ देता है जिसे शक्ति और हेरफेर से चुप कराया गया है। उन्होंने आगे कहा, मेरे 11 साल के दर्द की तुलना में दो साल का निलंबन पर्याप्त नहीं है। मैं व्यक्तिगत रूप से इस लड़ाई को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाऊंगी - यह तो बस शुरुआत है।

No Entry 2:

दिलजीत दोसांझ ने नो एंट्री 2 को क्यों कहा अलविदा? सामने आई असली वजह

सलमान खान की फिल्म नो एंट्री के सीक्वल से पंजाबी एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ बाहर हो चुके हैं. वरुण धवन और अर्जुन कपूर की इस मूवी में दिलजीत भी नजर आने वाले थे, लेकिन अब वह इस फिल्म से बाहर हो चुके हैं. इसके पीछे की वजह का खुलासा खुद एक्टर ने किया है. बॉलीवुड की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक नो एंट्री 2 को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड थे. इस फिल्म के लिए वरुण धवन और अर्जुन कपूर के साथ दिलजीत दोसांझ का नाम भी फाइनल हुआ था, लेकिन अब ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिलजीत इस मूवी का हिस्सा नहीं रहेंगे. ऐसे में अब एक्टर के फैंस यह जानना चाहते हैं कि, आखिर क्यों उन्हें ये बड़ा फैसला लेना पड़ा? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रोड्यूसर बोनी कपूर और डायरेक्टर अनीस बज्मी इस साल अक्टूबर से फिल्म की शूटिंग शुरू करना चाहते हैं, लेकिन दिलजीत दोसांझ का शेड्यूल इस दौरान बिल्कुल भी क्लियर नहीं है. दरअसल, 26 अक्टूबर से 13 नवंबर तक दिलजीत ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में अपने इंटरनेशनल टूर में बिजी रहेंगे. इसके अलावा उनके पास कुछ और फिल्म प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिसकी वजह से वह शूटिंग डेट्स एडजस्ट नहीं कर पाए. खबरों के मुताबिक, जुलाई में ही पहली बार दिलजीत के फिल्म से अलग होने की चर्चा शुरू हुई थी. इसके बाद बोनी कपूर ने उनसे मुलाकात कर शेड्यूल एडजस्ट करने की कोशिश भी की. क्योंकि मेकर्स चाहते थे कि दिलजीत इस फिल्म का हिस्सा बने रहें, लेकिन आखिर में दोनों तरफ से आपसी सहमति के साथ ये फैसला लिया गया कि दिलजीत फिल्म नहीं करेंगे.अब कौन होगा No Entry 2 में तीसरा एक्टर? दिलजीत दोसांझ के फिल्म से बाहर होने के बाद अब मेकर्स की मुश्किल ये है कि वरुण धवन और अर्जुन कपूर के साथ तीसरे एक्टर की तलाश करनी होगी. दिलजीत के बाहर होने से फिल्म के काम में थोड़ी देरी भी हो सकती है.